शिक्षा का अधिकार

सर्व शिक्षा अभियान

सब पढ़ें सब बढ़ें

हिन्दी विषय की उपचारात्मक शिक्षण योजना एवं पाठ आधारित

कार्यपुस्तिका

कक्षा 8

सत्र 2023–2024

राज्य हिन्दी संस्थान, उत्तर प्रदेश, वाराणसी

(राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, उत्तर प्रदेश)

उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद

कार्यपुस्तिका

(कक्षा–8 के विद्यार्थियों के लिए)

नाम	:	....
माता का नाम	:	....
पिता का नाम	:	....
विद्यालय का नाम	:	....
पता	:	....
मोबाइल नं०	:	....

निःशुल्क वितरण हेतु

मुख्य संरक्षक	:	**श्री दीपक कुमार,** प्रमुख सचिव, बेसिक शिक्षा, उ०प्र०, शासन।
संरक्षक	:	**श्री विजय किरन आनन्द,** महानिदेशक (स्कूल शिक्षा), उ०प्र० तथा राज्य परियोजना निदेशक, उ०प्र०, सभी के लिए शिक्षा परियोजना परिषद, लखनऊ।
निर्देशन	:	**डॉ० अंजना गोयल,** निदेशक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, उ०प्र०, लखनऊ।
परामर्श	:	**डॉ० पवन कुमार,** संयुक्त निदेशक(एस०एस०ए०), राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, उ०प्र०, लखनऊ, **श्रीमती दीपा तिवारी,** उप शिक्षा निदेशक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, उ०प्र०, लखनऊ।
समन्वयन	:	**डॉ० ऋचा जोशी,** निदेशक, राज्य हिन्दी संस्थान, उ०प्र०, वाराणसी।
समीक्षा	:	**डॉ० रामसुधार सिंह** (पूर्व विभागाध्यक्ष, हिन्दी विभाग, यू०पी० कालेज, वाराणसी), **प्रो० सत्यपाल शर्मा** (प्रोफेसर, हिन्दी विभाग, बी०एच०यू०), **डॉ० उदय प्रकाश** (एसो०प्रो०, श्री बलदेव पी०जी० कालेज, बड़ागाँव, वाराणसी), **डॉ० सुनीता सिंह** (एसो०प्रो०, शिक्षा संकाय बी०एच०यू०), **डॉ० सत्य प्रकाश पाल** (अ०प्रो० हिन्दी विभाग, बी०एच०यू०)।
संपादन	:	**डॉ० प्रदीप जायसवाल** (शोध प्रवक्ता, राज्य हिन्दी संस्थान, उ०प्र०, वाराणसी), **श्री देवेन्द्र दुबे** (शोध प्रवक्ता, राज्य हिन्दी संस्थान, उ0प्र0, वाराणसी)।
सहयोग	:	**डा० महेन्द्र द्विवेदी** (सलाहकार, यूनीसेफ, लखनऊ), **डॉ० शुभ्रांशु उपाध्याय** (सलाहकार, यूनीसेफ, लखनऊ)
लेखक मंडल	:	**डॉ० शीला सिंह,** (प्र०अ० रा०हा० बढ़ैनी कलाँ वाराणसी), **डॉ० सुषमा गुप्ता** (प्र०अ०, रा०हा० सिरसा, प्रयागराज), **डॉ० मनीष कुमार यादव** (प्र०प्र० हिन्दी, सी०टी०ई०, वाराणसी), **डॉ० चंदन शुक्ला** (प्रवक्ता, सी०टी०ई०, लखनऊ), **श्री दिनेश यादव** (डायट प्रवक्ता, सोनभद्र), **डॉ० अर्पणा श्रीवास्तव,** (प्रवक्ता रा०बा०इ०का० मलदहिया वाराणसी), **डॉ० चंचल** (प्रवक्ता, बा०इ०का० कोपागंज, मऊ), **श्री सत्यजीत कुमार द्विवेदी** (प्र०अ०, उ०प्रा०वि०, प्रधान टोला, कुशीनगर), **श्री अखिलेश्वर प्रसाद गुप्ता** (एस०आर०जी० वाराणसी), **श्री रंजन कुमार पाठक** (ए०आर०पी० बड़ागाँव, वाराणसी), **श्रीमती अनीता शुक्ला** (स०अ०, क०वि० रुस्तमपुर, वाराणसी), **श्रीमती शालिनी सिंह** (स०अ०, उ०प्रा०वि० मंगारी, वाराणसी), **श्री दुर्गेश नन्दन त्रिपाठी** (स०अ०, क०वि० कोइलीपुरवा, लखीमपुर खीरी), **श्री प्रवीण कुमार द्विवेदी** (स०अ०, क०वि० धरतीडोलवा, सोनभद्र), **श्री मिथिलेश कुमार सिंह** (स०अ०, प्रा०वि० पचेवरा, मीरजापुर), **श्री शैलेश कुमार सिंह** (स०अ०, प्रा०वि० कैनाल बस्ती, मीरजापुर), **श्री विकास शर्मा** (स०अ०, उ०प्रा०वि० नगला सूरजभान कम्पोजिट, आगरा), **श्रीमती माया सिंह** (स०अ०, प्रा०वि० रसूलपुर रिठौरी, बुलंदशहर), **डॉ० नमिता सिंह** (स०अ०, प्रा०वि० चिरईगाँव, वाराणसी), **डॉ प्रतिभा मिश्रा** (स०अ०, उ०प्रा०वि० पाली, भदोही), **श्रीमती अर्चना सिंह** (स०अ०, प्रा०वि० पतेरवाँ, वाराणसी), **श्रीमती नीलम सिंह** (स०अ०, उ०प्रा०वि० वारीगाँव, भदोही), **सुश्री अनुराधा कुमारी** (स०अ०, प्रा०वि० गोगहरा, चंदौली), **श्रीमती रेखा वर्मा** (स०अ०, प्रा०वि० सेहमलपुर, वाराणसी), **श्रीमती निराशा सिंह** (स०अ०, पू०मा०वि० मवैया, मीरजापुर), **श्री अनुज प्रताप पाण्डेय** (स०अ०, प्रा०वि० हाजीपट्टी, मऊ), **डॉ० नितिकेश यादव** (स०अ०, क०वि० चकवाँ, जौनपुर)।
तकनीकी सहयोग एवं रूपायन	:	**श्री अजीत कुमार कौशल** (क०स०, रा०हि०सं०, उ०प्र०, वाराणसी), **श्री विनय** (ग्राफिक डिजाइनर, वाराणसी)।
आवरण	:	**श्री रविकान्त श्रीवास्तव** (स०अ०–कला, रा०इ०कॉ०, प्रयागराज)।
आभार	:	**इस कार्यपुस्तिका के विकास में अनेक पुस्तकों का अवलोकन व पाठ्य–सामग्री, विभिन्न स्रोतों से लिए गए चित्रों आदि का उपयोग किया गया है। हम उनके प्रति आभारी हैं।**

निदेशक की कलम से

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का मुख्य उद्देश्य बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का अवसर देते हुए वैश्विक स्तर पर स्थापित करना है। शिक्षा का सार्वभौमीकरण करते हुए बच्चों का सर्वांगीण विकास करना एक महत्वपूर्ण पहलू है। शिक्षा बेहतर राष्ट्र की संकल्पना में अहम पक्ष है। समय के सापेक्ष प्रगति गुणवतापूर्ण शिक्षा पर ही निर्भर है। अतः यह हम सभी का दायित्व है कि त्रुटियों का आकलन कर उन्हें दूर करने का प्रयास किया जाए। इस दृष्टि से भाषा की बेहतर समझ तथा प्रयोग अनिवार्य है। बच्चों की भाषायी दक्षताओं का विकास उन्हें अन्य विषयों को भी समझने में सहायता देता है। कल्पना, अनुमान, तर्क, विचारों की स्पष्टता इस दिशा में बच्चों को सक्षम बनाती हैं।

विद्यालयी शिक्षा में बच्चों की रुचि भाषायी दक्षताओं में सहज ही होती है। वे सुनने बोलने, पढ़ने और लिखने की दक्षताओं में पारंगत होते हैं तथा उनकी समझ और भी बेहतर होती है। साथ ही व्याकरण और रचनात्मक कौशल उन्हें समस्या समाधान, तर्क, चिन्तन और विचार प्रकट करने में सहायक होती हैं।

बच्चों को केन्द्र में रखकर उनके अधिगम, आकलन और संप्राप्ति पर कार्य किया जाना अत्यन्त सुखद है। शिक्षकों के लिए 50 कार्यदिवसों की शिक्षण योजना बच्चों के उपचारात्मक (रिमीडियल) कक्षा शिक्षण की दिशा में नवीन और सार्थक कदम है। इन योजनाओं पर आधारित कार्यपत्रक बनाए गए हैं, जिनकी संख्या प्रतियोजना 2 से 5 कार्यपत्रक हैं जिन्हें कार्यपुस्तिका के रूप निबद्ध किया गया है। कार्यपुस्तिका बच्चों के लिए है जो दो भागों में है– पहले भाग में उपचारात्मक शिक्षण पर आधारित कार्यपत्रक और दूसरे भाग में पाठ आधारित कार्यपत्रक हैं। प्रश्नों की प्रकृति सरल है और बच्चों की अभिरुचि को ध्यान में रखकर बनाई गई है। कार्यपत्रकों में रंगीन एवं आकर्षक चित्र बने हुए हैं जो सहज रूप से बच्चों के लिए प्रश्नों को हल करने में आनन्ददायक वातावरण बनाने में सक्षम है।

इस संदर्शिका एवं कार्यपुस्तिका के विकास से जुड़े विभिन्न जनपदों के जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के प्रवक्ताओं, बाह्य विशेषज्ञों एवं शिक्षकों की सराहना करती हूँ, जिन्होंने अपने सतत् एवं अथक परिश्रम से इस संदर्शिका के विकास में सहयोग प्रदान किया है। साथ ही इस संदर्शिका एवं कार्यपुस्तिका के निर्देशन, समन्वय एवं सम्पादन हेतु राज्य हिन्दी संस्थान उ०प्र०, वाराणसी के प्रति आभार व्यक्त करती हूँ। इस संदर्शिका एवं कार्यपुस्तिका में विभिन्न स्त्रोतों से सामग्री ली गयी है, उन सभी के प्रति भी मैं अभार व्यक्त करती हूँ। इस संदर्शिका एवं कार्यपुस्तिका को और अधिक उपयोगी बनाने के संबंध में आपके सुझाव सादर आमंत्रित हैं।

(डा० अंजना गोयल)
निदेशक
राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद
उ०प्र०, लखनऊ

भूमिका

वर्तमान परिदृश्य की चुनौतियों के सापेक्ष राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत शिक्षा व्यवस्था में कई बदलाव किए गए हैं। परिस्थितिजन्य कारणों से बच्चों में आए लर्निंग गैप (अधिगम अंतराल) को कम करके अपेक्षित दक्षताओं को प्राप्त करने हेतु अवसर प्रदान करने के साथ ही कक्षा अनुरूप निर्धारित अधिगम संप्राप्ति सुनिश्चित कराना एक बड़ी चुनौती है।

इस क्रम में शिक्षकों और बच्चों के लिए शिक्षण सामग्री उपलब्ध कराना आवश्यक है। इससे बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए सकारात्मक वातावरण सृजन किए जाने में सहायता मिलती है। बच्चे विद्यालय की सीखने सिखाने की प्रक्रियाओं में आत्मविश्वास के साथ भाग लेंगे तथा कक्षावार निर्धारित अधिगम संप्राप्ति को सरलतापूर्वक प्राप्त कर लेंगे।

इस परिप्रेक्ष्य में उच्च प्राथमिक कक्षाओं (कक्षा 6 से 8) के शिक्षकों के लिए शिक्षक संदर्शिकाओं एवं बच्चों के लिए कार्यपुस्तिकाओं का विकास किया गया है।

बच्चों को केन्द्र में रखकर तैयार की गई शिक्षक संदर्शिकाएँ शिक्षकों को हिन्दी भाषा की नई शिक्षण विधियों और गतिविधियों आदि से परिचित कराएँगी। कार्यपुस्तिकाओं को दो भागों में बाँटा गया है– पहले भाग में बच्चों के उपचारात्मक शिक्षण हेतु 50 दिवसीय शिक्षण योजना आधारित कार्यपत्रक हैं तथा दूसरे भाग में पाठ आधारित कार्यपत्रक हैं। ये कार्यपुस्तिकाएँ अभिभावकों की सहभागिता भी सुनिश्चित करेंगी साथ ही वे बच्चों की शैक्षिक प्रगति पर शिक्षकों से संवाद भी कर सकेंगे।

अनुक्रमणिका / विषय–सूची

भाग–1 : उपचारात्मक शिक्षण योजना आधारित

दिवस	अपेक्षित अधिगम संप्राप्ति / दक्षताएँ	पृष्ठ संख्या
01	चित्र के आधार पर कहानी का निर्माण करते हैं।	8–10
02	बच्चे सांकेतिक चित्रों को देखकर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं।	11–13
03	बच्चे कठिन शब्दों का सही उच्चारण करते हुए लेखन कार्य करते हैं।	14–16
04	बच्चे अपठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देते हैं तथा उनका शीर्षक बनाते हैं।	17–19
05	बच्चे समझ के साथ पढ़कर उत्तर देते हैं।	20–22
06	बच्चे अनुच्छेद पढ़कर प्रश्नों के उत्तर समझ के साथ देते हैं।	23–25
07	पठित गद्यांश के आधार पर प्रश्नों का उत्तर देते हैं।	26–28
08	बच्चे कविता को धाराप्रवाह पढ़ते हैं और उसका अर्थ समझकर उत्तर देते हैं।	29–31
09	बच्चे समझ के साथ पढ़ते हैं और प्रश्नों के उत्तर देते हैं।	32–33
10	बच्चे स्थानीय घटनाओं / चित्रों / दृश्यों को देखने के बाद अपने अनुभव मौखिक एवं लिखित भाषा में व्यक्त करते हैं।	34–36
11	बच्चे किसी पाठ्यवस्तु / समाचार–पत्र / पत्रिका के शीर्षक / कहानी / इंटरनेट पर प्रकाशित सामग्री को समझते हैं, साथ ही सही उच्चारण करते हुए पढ़ते हैं।	37–39
12	छात्र गद्य को पढ़कर उसमें निहित भावों को समझते हुए प्रश्नों के उत्तर देने में सफल होते हैं।	40–42
13	बच्चे कहानी को आगे बढ़ाकर उसका अंत बदल कर लिखते हैं।	43–45
14	बच्चे संज्ञा शब्द एवं उसके प्रकार की पहचान करते हैं और उसकी परिभाषा भी बताते / लिखते हैं।	46–48
15	बच्चे सर्वनाम एवं उसके भेद की अवधारणा को समझते हैं तथा उनका उचित प्रयोग करते हैं।	49–51
16	बच्चे विशेषण शब्दों और उसके भेदों की पहचान करते हैं।	52–54
17	बच्चे क्रिया और उसके भेदों की पहचान करते हैं।	55–57
18	बच्चे पढ़े गए पद्याशों का भावार्थ अपने शब्दों में लिखते हैं।	58–60
19	बच्चे पद्य को पढ़कर लेखन द्वारा रचना में निहित भाव / विचार को अपने अनुभवों के साथ स्पष्ट कर लेते हैं।	61–63
20	बच्चे प्राकृतिक और समसामयिक घटनाओं की जानकारी रखते हैं एवं उन पर क्रियात्मक लेखन करते हैं।	64–66
21	बच्चे सहायक क्रिया एवं मुख्य क्रिया को अलग–अलग जानते एवं समझते हैं, बच्चे सहायक क्रिया एवं मुख्य क्रिया के प्रयोग से वाक्य रचना करते हैं।	67–68
22	बच्चे समानार्थी / पर्यायवाची, शब्दों को बताते हैं और चर्चा करते हैं। वे विपरीतार्थी, अनेकार्थी शब्दों के अर्थ जानते हुए उसका प्रयोग करते हैं।	69–71
23	बच्चे वचन एव लिंग की पहचान कर उनमें अंतर करते हैं।	72–73
24	बच्चे विराम–चिह्न की पहचान करते हैं तथा इसका लेखन में प्रयोग करते हैं।	74–76
25	बच्चे दिए गए शीर्षक पर निबंध लिखते हैं।	77–79
26	बच्चे उपसर्ग और प्रत्यय की समझ रखते हैं। उपसर्ग और प्रत्यय लगाकर नये शब्दों का निर्माण करते हैं।	80–82

अनुक्रमणिका / विषय–सूची

भाग–1 : उपचारात्मक शिक्षण योजना आधारित

दिवस	अपेक्षित अधिगम संप्राप्ति / दक्षताएँ	पृष्ठ संख्या
27	विशिष्ट शब्दों, मुहावरों और लोकोक्तियों का प्रयोग लेखन में करते हैं।	83–85
28	बच्चे विविध कलाओं यथा हस्तकला, वास्तुकला, नृत्यकला, खेती–बारी आदि में प्रयोग होने वाली भाषा के बारे में जिज्ञासा व्यक्त करते हैं और उनके विषय में बताते हैं।	86–88
29	बच्चे दी गई कहानी को पढ़ते हुए उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर देते हैं।	89–91
30	बच्चे स्तरानुकूल कविता को अपने शब्दों में लिखते हैं।	92–95
31	बच्चे हिन्दी शब्दकोश में शब्दों के अर्थ खोज लेते हैं।	96–98
32	बच्चे यात्रा संबंधी जानकारी प्राप्त करते हैं और विभिन्न प्रकार के टिकट की पहचान करके टिकटों पर लिखी जानकारी से अवगत हो जाते हैं।	99–101
33	बच्चे यात्रा के वृतान्त को प्रस्तुत करते हैं।	102–104
34	उपयुक्त शब्द, मुहावरा / लोकोक्ति का प्रयोग कर कहानी लिखते हैं।	105–107
35	बच्चे औपचारिक पत्र–लेखन करते हैं।	108–110
36	दिए गए विषय के आधार पर अनौपचारिक पत्र का लेखन करते हैं। बच्चे अनौपचारिक पत्र लेखन में समर्थ होते हैं।	111–113
37	बच्चे संवादात्मक वाक्यों के माध्यम से अभिनय करने में समर्थ होते हैं।	114–116
38	विभिन्न प्रकार की श्रव्य–दृष्य सामग्री तथा संचार माध्यमों द्वारा सुनी या देखी गई विषय–वस्तु का वर्णन अपने शब्दों में करते हैं ।	117–119
39	बच्चे शब्द–युग्म की अवधारणा से परिचित हैं। वे इनका अर्थ जानते हुए भाषायी खेल एवं वाक्य–रचना में इनका प्रयोग करते हैं।	120–122
40	बच्चे तद्भव–तत्सम शब्दों को जानते हैं तथा उनका प्रयोग करते हैं। बच्चे तद्भव एवं तत्सम शब्दों के अर्थ एक दूसरे से पूछते हैं।	123–125
41	बच्चे समास के अर्थ और भेद को जानते हैं। वे उनका प्रयोग अपनी बातचीत में करते हैं।	126–129
42	बच्चे शब्दों के माध्यम से वाक्य–निर्माण व वाक्यों के प्रकार तथा उनके अन्तर को समझते हैं।	130–132
43	पठित सामग्री पर बेहतर समझ हेतु शब्दकोश या अन्य पुस्तकों से शब्द के अर्थ खोजते हैं और बताते हैं।	133–135
44	बच्चे विशिष्ट शब्दों मुहावरों, लोकोक्तियों का प्रयोग लेखन एवं बोलचाल की भाषा में करते हैं।	136–138
45	बच्चे समाचार लेखन में समर्थ होते हैं।	139–141
46	बच्चे इंटरनेट से विविध विषयों की जानकारी प्राप्त करते हैं।	142–144
47	बच्चे इंटरनेट पर प्रकाशित सामग्री को पढ़ कर उसकी उपयोगिता के बारे में बताते हैं।	145–147
48	विभिन्न पत्र–पत्रिकाओं को पढ़कर विषय–वस्तु पर विचार व्यक्त करते हुए अपने विद्यालय के लिए बाल पत्रिका का निर्माण करते हैं।	148–150
49	बच्चे कल्पना आधारित लेखन कार्य करते हैं।	151–153
50	बच्चे परियोजना (प्रोजेक्ट) कार्यों का प्रस्तुतीकरण करते हैं।	154–156

अनुक्रमणिका / विषय–सूची

भाग–2 : पाठ आधारित कार्यपत्रक

क्र०सं०	पाठ का नाम	पृष्ठ संख्या
01	वीणावादिनि वर दे	158–161
02	काकी	162–166
03	सच्ची वीरता	167–172
04	पेड़ों के संग बढ़ना सीखो	173–176
05	अपराजिता	177–181
06	बिहारी के दोहे	182–183
07	जूलिया	184–187
08	धानों का गीत	188–190
09	हिन्दी विश्वशान्ति की भाषा है	191–193
10	भक्ति के पद	194–197
11	आत्मनिर्भरता	198–201
12	पहरुए सावधान रहना	202–204
13	जंगल	205–209
14	कर्मवीर	210–213
15	एक स्त्री का पत्र	214–218
16	सोना	219–221
17	अमरकंटक से डिंडौरी	222–223
18	नीड़ का निर्माण फिर–फिर	224–226
19	जब मैंने पहली पुस्तक खरीदी	227–230
20	झाँसी की रानी	231–236
21	बस की यात्रा	237–238
22	खान–पान की बदलती तस्वीर	239–243

अनिवार्य संस्कृत

क्र०सं०	पाठ का नाम	पृष्ठ संख्या
01	प्रथमः पाठः – भोजस्य राज्यप्राप्तिः	244–248
02	द्वितीयः पाठः – बाल–प्रतिज्ञा	249–252
03	तृतीयः पाठः – महादानम्	253–255
04	चतुर्थः पाठः – विभक्तीनां प्रयोगाः	256–258
05	पंचमः पाठः – सहसा विदधीत न क्रियाम्	259–262
06	षष्ठ पाठः – प्रभात–सौन्दर्यम्	263–266
07	सप्तम् पाठः – आदर्शपरिवारः	267–271
08	अष्टम् पाठः – कुम्भमेला	272–274
09	नवम् पाठः – व्यवसायेषु संस्कृतम्	275–276

कक्षा–8

दिवस–1

कार्यपत्रक–1

उपर्युक्त चित्र को देखकर एक कहानी लिखिए।

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

कक्षा–8

दिवस–1

कार्यपत्रक–2

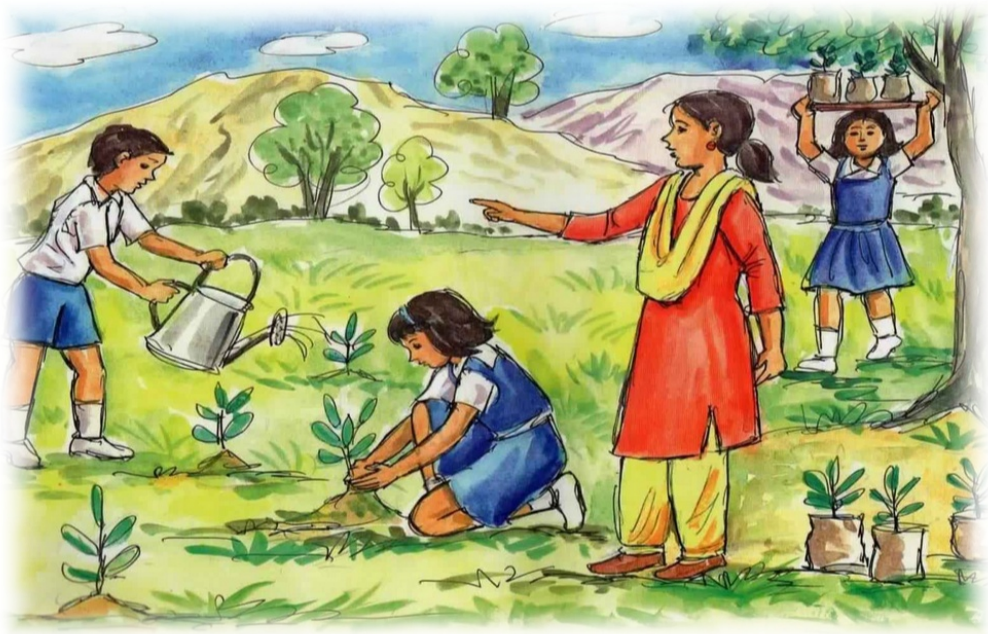

अपने अनुभव के आधार पर उपर्युक्त चित्र से संबंधित एक कहानी लिखिए।

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

कक्षा–8

दिवस–1

कार्यपत्रक–3

नीचे कुछ जानवरों के चित्र दिए गए हैं, उनको शामिल करते हुए एक कहानी लिखिए।

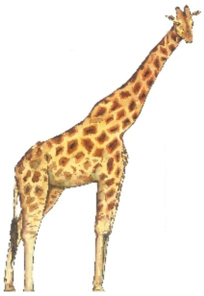

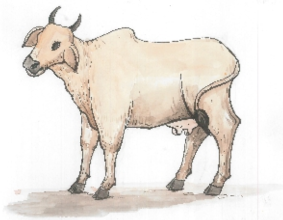

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

यातायात नियमों के प्रति आप अपने घर/गाँव/मुहल्ले के लोगों को कैसे जागरूक करेंगे, लिखिए।

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

दिनांक : .... शिक्षक हस्ताक्षर ....

आप सड़क पर चलते समय कौन–कौन–सी सावधानियाँ रखेंगे, जिससे आपके शहर में यातायात व्यवस्था दुरुस्त रहे।

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

कक्षा–8

दिवस–2

कार्यपत्रक–3

सड़क यातायात के लिए नीचे दिए गए प्रतीक चिह्नों के बारे में लिखिए।

....
....
....

....
....
....

....
....
....

....
....
....

....
....
....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

उच्चारण हेतु शब्द चार्ट–

संस्कृति	यूरोपीय	ईमानदारी	स्वाभाविक
आंतरिक	तत्व	विद्यमान	बुद्धि
जिलाधिकारी	संस्थाएँ	पंडाल	नुमाइश
सुप्रसिद्ध	जन्माष्टमी	पुस्तकालय	मीमांसा

रिक्त स्थानों में लिखते हुए नीचे दी गई कविता को पूरा कीजिए।

कलम आज उनकी जय बोल
....
....
जो चढ़ गये पुण्य वेदी पर
....
कलम आज उनकी जय बोल
....
....
....
....
कलम आज उनकी जय बोल
....
....
....
....
कलम आज उनकी जय बोल

नीचे राष्ट्रकवि रामधारी सिंह 'दिनकर' की कुछ रचनाएँ लिखी हुई हैं, इन्हें सही उच्चारण के साथ पढ़िए और रिक्त स्थानों में सुंदर अक्षरों में लिखिए।

रश्मिरथी   उर्वशी   रेणुका

द्वंद्वगीत   बापू   कुरुक्षेत्र

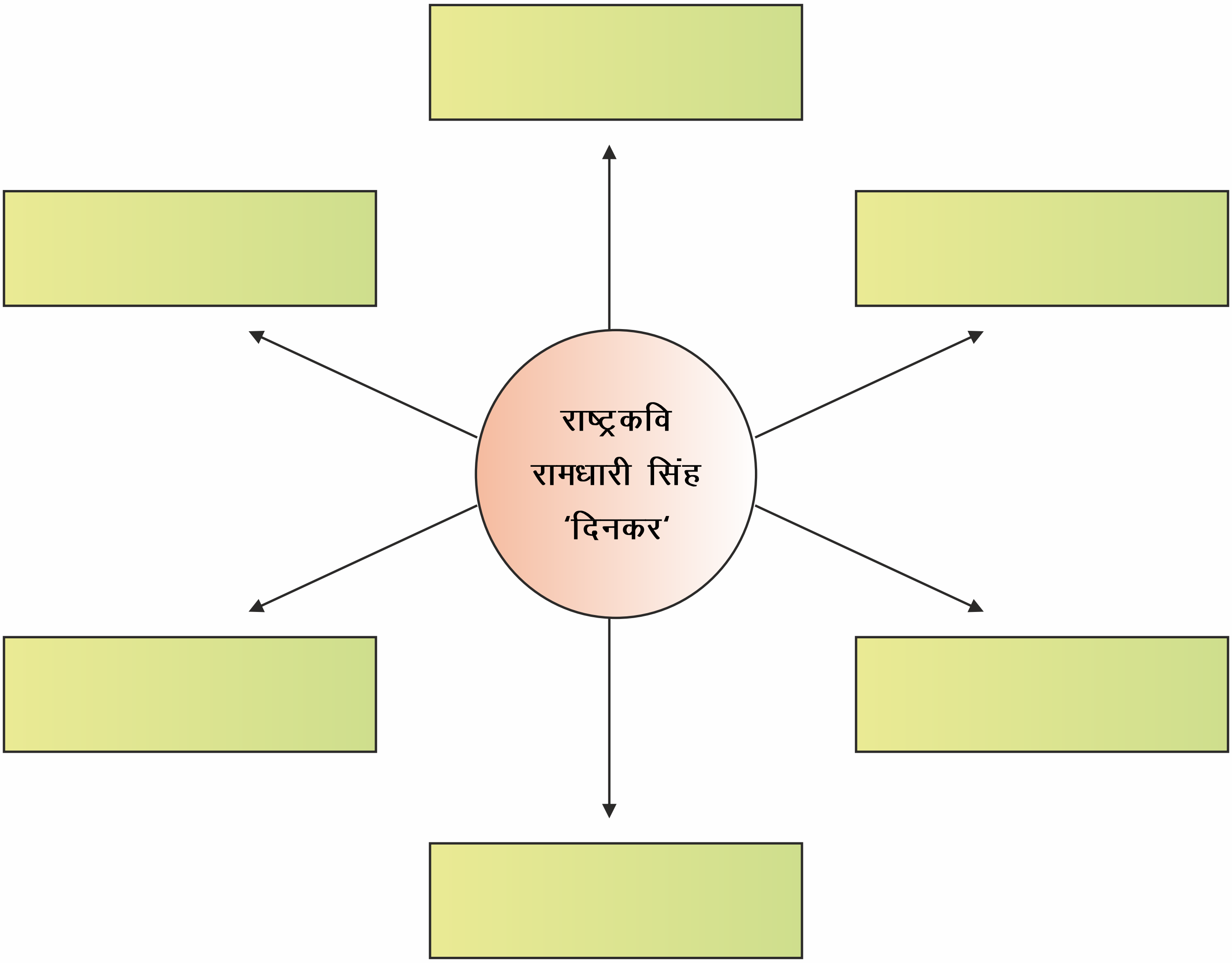

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

नीचे दिए गए प्रमुख व्यक्तियों को उनके उपनामों से मिलाते हुए शुद्ध उच्चारण कीजिए–

प्रमुख व्यक्ति	उपनाम
• मोहनदास करमचन्द गांधी	लोकमान्य
• सरदार बल्लभ भाई पटेल	मिसाइल मैन
• चितरंजन दास	नेता जी
• मदन मोहन मालवीय	लौहपुरूष
• बाल गंगाधर तिलक	देशबन्धु
• डॉ० अब्दुल कलाम	बापू
• सुभाषचन्द बोस	महामना

शिक्षक कुछ शब्दों की एक तालिका बना लें और बच्चों के बीच समूह बनाकर उच्चारण प्रतियोगिता कराएँ।

जैसे –

महापुण्य	बोधिसत्त्व	तत्कालीन
व्याख्याकार	सम्भावना	कुरीतियाँ
मीमांसा	कृतज्ञ	परिवर्तन

इस बात के पर्याप्त प्रमाण खोजे जा सकते हैं कि समाज के ऊपरी वर्ग में चाहे जो भी होता रहा हो, भीतर–भीतर भारतवर्ष अब भी यह अनुभव कर रहा है कि धर्म कानून बड़ी चीज है। अब भी सेवा, ईमानदारी, सचाई और आध्यात्म के मूल्य बने हुए हैं। वे दब अवश्य गए हैं, लेकिन नष्ट नहीं हुए हैं। आज भी वह मनुष्य से प्रेम करता है, महिला का सम्मान करता है। झूठ और चोरी को गलत समझता है, दूसरे को पीड़ा पहुँचाने को पाप समझता है। हर आदमी अपने व्यक्तिगत जीवन में इस बात का अनुभव करता है कि समाचार पत्रों में जो भ्रष्टाचार के प्रति इतना आक्रोश है, हम ऐसी चीजों को गलत समझते हैं और समाज में उन तत्वों की प्रतिष्ठा कम करना चाहते हैं, जो गलत तरीके से धन या मान संग्रह करते हैं।

उपर्युक्त गद्यांश के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

01. भारतवर्ष का अनुभव क्या है?

....

....

....

02. भारत में अभी तक किस प्रकार के मूल्य बने हुये हैं?

....

....

....

03. आज भी मनुष्य किन बातों को गलत समझ रहा है?

....

....

....

04. वर्तमान समय में भ्रष्टाचार के प्रति बहुत आक्रोश है, यह क्या साबित करता है?

....

....

....

05. उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

....

....

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

वन और पर्यावरण का बहुत गहरा संबंध है। प्रकृति के संतुलन को बनाए रखने के लिए पृथ्वी के 33 प्रतिशत भाग को अवश्य हरा–भरा होना चाहिए। वन जीवनदायक है, ये वर्षा कराने में सहायक होते हैं। धरती की उपजाऊ शक्ति को बढ़ाते हैं। वनों से भूमि का कटाव रोका जा सकता है। वनों से रेगिस्तान का फैलाव रुकता है, सूखा कम पड़ता है, इससे ध्वनि–प्रदूषण की भयंकर समस्या पर भी काफी हद तक नियंत्रण पाया जा सकता है। वन ही नदियों, झरनों और अन्य प्राकृतिक जल–स्रोतों के भण्डार हैं, वनों से हमें लकड़ी, फल, फूल, खाद्य पदार्थ, गोंद तथा अन्य सामान प्राप्त होते हैं। आज भारत में दुर्भाग्य से केवल 23 प्रतिशत वन ही बचे हैं, जैसे–जैसे उद्योगों की संख्या बढ़ती जा रही है वैसे–वैसे वनों की आवश्यकता और बढ़ती जा रही है। वन संरक्षण एक कठिन एवं महत्वपूर्ण कार्य है। इसमें हर व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारी समझनी पड़ेगी और अपना योगदान देना होगा। अपने घर, मोहल्ले, नगर में अत्यधिक संख्या में वृक्षारोपण कराकर इसको एक आन्दोलन के रूप में आगे बढ़ाना होगा।

उपर्युक्त गद्यांश के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

01. प्रकृति के संतुलन को बनाए रखने के लिए वन कैसे उपयोगी हैं?

....

....

....

02. वृक्षों से हमें किस प्रकार के उत्पाद मिलते हैं?

....

....

....

03. भारत में कितने प्रतिशत वन शेष हैं?

....

....

....

04. वन संरक्षण के लिए प्रत्येक व्यक्ति को क्या करना चाहिए?

....

....

....

05. उपर्युक्त अनुच्छेद का उचित शीर्षक लिखिए।

....

....

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

विश्व में लगभग 2.7 प्रतिशत मीठा जल है, वह वर्षा के पानी के जलकुण्डों, कुओं, बावड़ियों, झीलों, हिमनदों और नदियों में समाया हुआ है। मीठा जल अथवा ताजा जल प्राकृतिक रूप से पृथ्वी पर पाया जाने वाला वह पानी है जो समुद्री और समुद्र तटीय लैगूनों के नमक मिश्रित जल से अलग है। इसे ऐसे जल के रूप परिभाषित किया जाता है जिसमें बहुत ही कम मात्रा में लवण मिले हुए हों।

वस्तुतः मीठा जल या ताजा जल शब्द समुद्री खारे जल से अलग वह जल है जो पृथ्वी पर पाया जाने वाला पेय जल है। वास्तव में पृथ्वी पर उपलब्ध मीठे जल का काफी हिस्सा पीने योग्य नहीं है क्योंकि उसमें रासायनिक अथवा जैविक दूषण पाया जाता है।

उपर्युक्त गद्यांश के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

01. विश्व में कुल कितना मीठा जल है ?

....

....

....

02. मीठा अथवा ताजा जल किसे कहते हैं?

....

....

....

03. जल के प्रमुख स्रोत कौन–कौन से हैं?

....

....

....

04. पृथ्वी पर उपलब्ध मीठे जल का काफी हिस्सा पीने योग्य क्यों नहीं होता है?

....

....

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

भारतीय संस्कृति का मूल वैदिक संस्कृति है। यह संस्कृति विश्व की प्राचीनतम संस्कृतियों में से एक है। भारतीय संस्कृति पर अनेक धर्म, जाति, सम्प्रदाय, मत और आचार–विचारों का प्रभाव पड़ता गया। भारतीय संस्कृति में समाज के सभी पहलुओं पर विचार किया गया तथा व्यक्ति, परिवार, समाज से लेकर राष्ट्रीय उद्भव तक के विभिन्न मार्ग दिखाए गए। हमारी संस्कृति अपनी उदारता सहिष्णुता के कारण आज भी विश्व को आकर्षित करती है। यहाँ विचारों की स्वतंत्रता है। समन्वय की भावना भारतीय संस्कृति की विशेषता है। भारतीय संस्कृति आशावाद, धार्मिकता तथा अहिंसा की सबसे बड़ी समर्थक है।

उपर्युक्त अनुच्छेद को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

01. भारतीय संस्कृति की विशेषताएँ लिखिए।

....

....

....

....

....

....

....

....

02. भारतीय संस्कृति विश्व को क्यों आकर्षित करती है? लिखिए।

....

....

....

....

....

....

....

....

....

कक्षा—8

दिवस—5

कार्यपत्रक—2

एक चिड़िया अनेक चिड़ियाँ,
दाना चुगने बैठ गई थीं,
(पर वहाँ व्याध ने एक जाल बिछाया था)
हिम्मत से गर जुटे रहें तो,
छोटे हों पर मिले रहें तो,
बड़ा काम भी होवे भइया,

एक.......... दो............. तीन.............,
चतुर चिड़ियाँ—सयानी चिड़ियाँ
मिलजुल कर, जाल लेकर
भागी चिड़ियाँ
फुर्र..................

उपर्युक्त कविता को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

01. जाल किसने बिछाया था?

....

02. चिड़ियाँ जाल में कैसे फँस गईं थीं?

....

03. जाल में फँसने पर चिड़ियों ने क्या किया?

....

04. मिलकर कार्य करने के क्या परिणाम होते हैं?

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

कुछ क्षेत्रीय त्योहारों एवं मेलों की सूची बनाइए और उनके विषय में अपने विचार लिखिए।

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

जब तोत्तो–चान ने नये स्कूल का गेट देखा तो वह ठिठक गई। अब तक जिस स्कूल में वह जाती रही थी उसका गेट सीमेंट के दो बड़े खम्भों पर बना था और गेट पर बड़े–बड़े अक्षरों में स्कूल का नाम लिखा था, पर इस स्कूल का गेट तो पेड़ के दो तनों का था। उन पर टहनियाँ और पत्ते भी थे।

'अरे, यह गेट तो बढ़ रहा है,' तोत्तो–चान ने कहा। 'यह बढ़ता जाएगा, और एक दिन शायद टेलीफोन के खम्भे से भी ऊँचा जो जाएगा।'

गेट के ये दो खम्भे असल में पेड़ ही थे, जिनकी जड़ें मौजूद थीं। कुछ और पास पहुँचने पर तोत्तो–चान ने अपनी गर्दन टेढ़ी कर स्कूल का नाम पढ़ना चाहा। टहनी पर टँगी नाम की तख्ती भी हवा से टेढ़ी हो गई थी।

उपर्युक्त अनुच्छेद को ध्यान से पढ़िए एवं नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

01. तोत्तो–चान नए स्कूल का गेट देखकर क्यों ठिठक गयी?

....

....

02. तोत्तो–चान के नए स्कूल में स्कूल का नाम पेड़ के दोनों तनों पर क्यों लिखा था? इस पर अपने विचार लिखिए।

....

....

03. आपके अनुसार स्कूल में पढ़ाई के अलावा और क्या–क्या गतिविधियाँ होनी चाहिए? अपने शब्दों में लिखिए।

....

....

04. आपके स्कूल की दीवारों पर 'यू–डायस कोड' सहित अन्य सूचनाएँ भी लिखी हैं। उनकी सूची बनाइए।

....

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

संसार के काम, बड़े अथवा छोटे साहस के बिना नहीं होते। संसार के सभी महापुरुष साहसी थे। बिना किसी प्रकार का साहस दिखलाए किसी जाति या किसी देश का इतिहास ही नहीं बन सकता। अपने साहस के कारण ही अर्जुन, भीम, भीष्म, अभिमन्यु आदि आज हमारे हृदयों में जागरूक हैं। आल्प्स पर्वत के विशाल शिखरों को पार करने वाले हनीवल और और नेपोलियन का नाम वीरवरों के नामों के साथ केवल उनके अतुलनीय साहस के कारण ही लिया जाता है।...

सर्वोच्च श्रेणी के साहस के लिए हाथ–पैर की बलिष्ठता आवश्यक नहीं धन, मान आदि होना भी आवश्यक नहीं जिन गुणों का होना आवश्यक है, वे हैं– हृदय की पवित्रता तथा उदारता और चरित्र की दृढ़ता।

उपर्युक्त गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर अधोलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

01. साहस से आप क्या समझते हैं? साहसी व्यक्ति के गुणों का वर्णन अपने शब्दों में लिखिए।

....

....

....

....

02. अर्जुन एवं भीम के कुछ साहसिक कार्यों को अपने शब्दों में लिखिए।

....

....

....

....

03. आपकी दृष्टि में जो सबसे साहसी व्यक्ति हो उसके साहसिक कार्यों का उल्लेख कीजिए।

....

....

....

....

04. सर्वोच्च श्रेणी के साहस हेतु किन गुणों का होना आवश्यक है?

....

....

....

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

ठगा भी गया हूँ, धोखा भी खाया हूँ, परन्तु बहुत कम स्थलों पर विश्वासघात नाम की चीज मिलती है। केवल उन्हीं बातों का हिसाब रखो जिनमें धोखा खाया है, तो जीवन कष्टकर हो जाएगा, परन्तु ऐसी घटनाएँ भी बहुत कम नहीं हैं जब लोगों ने अकारण ही सहायता की है, निराश मन को ढाढस दिया है और हिम्मत बँधाई है। कविवर रवीन्द्रनाथ ठाकुर ने अपने प्रार्थना गीत में भगवान से प्रार्थना की थी कि संसार में केवल नुकसान ही उठाना पड़े, धोखा ही खाना पड़े तो ऐसे अवसरों पर भी हे प्रभो! मुझे ऐसी शक्ति दो कि मैं तुम्हारे ऊपर सन्देह न करूँ।

उपर्युक्त अनुच्छेद को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

01. कविवर रवीन्द्रनाथ ठाकुर ने भगवान से क्या प्रार्थना की है? लिखिए।

....

....

....

....

....

02. निराश व्यक्ति की निराशा आप कैसे दूर करेंगे, अपने शब्दों में लिखिए।

....

....

....

03. आपको प्रार्थना के माध्यम से भगवान से कुछ माँगने को कहा जाए तो क्या–क्या माँगेंगे?

....

....

....

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

बोधिसत्त्व जंगल से पके गोदे लाकर खाते थे। वे गोदे शक्तिवर्धक और शक्कर के समान मीठे थे। उन्होंने राजा को सम्बोधित कर कहा, ''महापुण्य, ये गोदे खाकर पानी पीओ''। राजा ने गोदे खाये और पानी पिया। उसे गोदे बड़े मधुर और स्वादिष्ट लगे। उसने बोधिसत्व से पूछा, ''भन्ते क्या बात है, ये गोदे बड़े मीठे और स्वादिष्ट हैं।''

''महापुण्य, राजा निश्चय ही धर्मानुसार और न्यायपूर्वक राज करता है, उसी से ये इतने मीठे हैं। राजा के अधार्मिक और अन्यायी होने पर तेल, मधु, शक्कर आदि तथा जंगल के फल–फूल सभी कड़वे और स्वादहीन हो जाते हैं। केवल यही नहीं, सारा राष्ट्र ओजरहित हो जाता है, दूषित हो जाता है। राजा के धार्मिक और न्यायप्रिय होने पर सभी वस्तुएँ मधुर और शक्तिवर्धक होती हैं और सारा राष्ट्र शक्तिशाली तथा ओजस्वी बना रहता है।''

उपर्युक्त अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर अधोलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

01. बोधिसत्त्व के बारे में आप क्या जानते हैं?

....

....

....

02. महापुण्य से क्या तात्पर्य है, राजा धार्मिक था यह कैसे पता चला?

....

....

....

03. अपने आस–पास के उन वृक्षों के नाम लिखिए जिनके गूदे/फल स्वादिष्ट होने के कारण पशु–पक्षी बड़े ही चाव से खाते हैं?

....

....

....

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

'भारत का इतिहास मात्र राजाओं की जीवनी नहीं', अपितु ऋषि–मुनियों की शिक्षा है। यह शिक्षा आधारित है– सदाचार, निष्ठा और कर्त्तव्यपालन पर। ज्ञान–विज्ञान, अर्थशास्त्र, दर्शन साहित्य अथवा कला – यह सभी विषय नैतिकता को संबल प्रदान करते हैं। मानव जीवन का उद्देश्य धनोपार्जन नहीं है न ही यह ज्ञानार्जन मात्र है, बल्कि समाज सेवा और जनकल्याण की भावना से ओतप्रोत कर्त्तव्य करना है। हमारी संस्कृति इस महान आदर्श को बताती है कि हम सभी एक दूसरे की भलाई में ही अपनी भलाई समझें। भारत को विश्वगुरु इसीलिए तो कहते हैं।

उपर्युक्त अनुच्छेद को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

01. ऋषि–मुनियों की शिक्षा किस पर आधारित है?

....

....

02. मानव जीवन का उद्देश्य क्या है?

....

....

03. भारतीय संस्कृति का महान आदर्श बताइए।

....

....

....

04. उपर्युक्त गद्यांश का एक शीर्षक लिखिए।

....

हिन्दी में सम्पूर्ण राष्ट्र को एकजुट होने की क्षमता है। हिमालय से हिन्द महासागर तक अलग–अलग राज्यों की वेश–भाषा अलग–अलग है। जब राष्ट्र की बात आती है, तो सबको एक सूत्र में पिरोने में हिन्दी का बड़ा योगदान है। इस भाषा में अपने विचारों और भावनाओं को अधिक से अधिक लोगों तक सहजता से पहुँचा सकते हैं।

हिन्दी के कवियों और लेखकों की लेखनी राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए निरंतर चली है। राष्ट्र की प्रगति के लिए हिन्दी को सशक्त बनाना होगा।

उपर्युक्त अनुच्छेद को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

01. सम्पूर्ण राष्ट्र के एकजुट करने की क्षमता किस भाषा में है?

....

....

....

02. हमारे राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए निरंतर क्या चली है?

....

....

....

03. हिन्दी को सशक्त बनाने से क्या होगा?

....

....

....

....

कक्षा–8

दिवस–8

कार्यपत्रक–1

भाला बरछी तलवार लिए
आये खरधार कटार लिए।
धीरे–धीरे झुक–झुक बैठे
सरदार सभी हथियार लिए।
तरकस में कस–कस तीर भरे
कन्धों पर कठिन कमान लिए।
सरदार भील भी बैठ गए
झुक–झुक रण के अरमान लिए।
जब एक–एक जन को समझा
जननी–पद पर मिटने वाला।
गम्भीर भाव से बोल उठा
वह वीर उठा अपना भाला।

उपर्युक्त पद्यांश का भाव अपने शब्दों में लिखिए।

....

....

....

....

....

....

....

....

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

विद्यार्थी के रूप में आप अपने देश के लिए क्या योगदान दे सकते हैं? लिखिए।

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

दिए गए शब्दों की सहायता से एक–एक वाक्य बनाइए।

तीर्थराज ....

वीरगति ....

संन्यासी ....

दुर्ग ....

निम्नलिखित शब्दों का अर्थ लिखिए–

पीतांबर ....
मातृभमि ....
मतवाले ....
सूरमा ....

निम्नलिखित स्थान किन राज्यों में स्थित हैं, लिखिए–

गंगा सागर ....
तीर्थराज प्रयाग ....
रामेश्वरम ....
काशी ....
चित्तौड़ ....

तुकांत शब्दों की जोड़ी बनाइए।

जैसे – बोली–टोली

....
....
....
....
....
....
....

भाषा के माध्यम से हम अपने विचारों को व्यक्त करते हैं और अपनी बात दूसरों तक पहुँचाते हैं।

01. आपको भाषा के उपयोग की आवश्यकता कब–कब पड़ती है?

....

....

....

....

....

....

....

....

....

02. आपको यदि किसी ऐसे व्यक्ति से बात करनी हो जो आपकी भाषा नहीं जानता, तब उसको अपनी बात समझाने के लिए आप क्या करेंगे? लिखिए –

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

अभिवादन के लिए विभिन्न भाषाओं में कौन–से शब्द प्रयुक्त होते हैं, पुस्तकों और इंटरनेट की सहायता से लिखिए।

जैसे – हिन्दी में – प्रणाम, नमस्ते

उर्दू – ....

बंगाली – ....

गुजराती – ....

पंजाबी – ....

अंग्रेजी – ....

उड़िया – ....

अपने घर बोली जाने वाली बोली/भाषा में अपना परिचय लिखिए।

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

इस चित्र को देखकर आपके मस्तिष्क में जो भी विचार आ रहे हैं, उन्हें अपने शब्दों में लिखिए।

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

इस चित्र को देखकर आपके मस्तिष्क में जो भी विचार आ रहे हैं, उन्हें अपने शब्दों में लिखिए।

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

इस चित्र को देखकर आपके मस्तिष्क में जो भी विचार आ रहे हैं, उन्हें अपने शब्दों में लिखिए।

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

निम्नलिखित शब्दों को शुद्ध उच्चारण के साथ पढ़िए।

अनुयायी	तत्कालीन	पुनरुत्थान
दिवास्वप्न	मीमांसा	कुरीतियाँ
सर्वांगीण	अपरिहार्य	संपूर्ण
अस्पृश्यता	कृतज्ञता	बंधुत्व
दृष्टिकोण	व्याख्याकार	राजनीतिज्ञ
विश्वविद्यालय	कुठाराघात	वाक्यांश

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

निम्नलिखित अनुच्छेद को शुद्ध उच्चारण के साथ पढ़िए।

मालवीय जी छुआछूत, अस्पृश्यता के घोर विरोधी थे। वे इसे कलंक और राष्ट्रीय विकास के मार्ग में बाधा मानते थे। उन्होंने पौराणिक उद्धरणों के माध्यम से अस्पृश्यता समाप्ति सम्बन्धी अपनी मीमांसा को व्यक्त किया हैं। स्त्रियों के प्रति अपना दृष्टिकोण व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा था कि मैं चाहता हूँ कि सभी स्त्रियाँ अंग्रेज महिलाओं की भाँति पिस्तौल और बन्दूके रखें और उनको चलाना सीखें ताकि वे भी आक्रमणकारियों से अपनी रक्षा कर सकें। उन्होंने जनता से अनुरोध किया कि वे उन सब सामाजिक कुरीतियों को दूर करें जो स्त्री जाति की उन्नति में बाधक हैं। वे बाल विवाह के घोर विरोधी थे। उन्होंने सामाजिक उन्नति के लिए स्त्री शिक्षा पर विशेष जोर दिया। पण्डित मदन मोहन मालवीय ने समाज के पुनरुद्धार के लिए जिन विषयों को केन्द्र में रखा उनमें गौ–रक्षा भी प्रमुख विषय था। उनका मानना था कि गौ भारतीय संस्कृति का सनातन केन्द्र बिन्दु है। इसके लिए उन्होंने गौ–रक्षा अन्दोलन भी चलाए।

देश की सुरक्षा के लिए पैदा हो रहा था खतरा, निजी जानकारियों को विदेश के सर्वर को भेज रहे थे

चीन के 54 ऐप पर केंद्र सरकार ने रोक लगाई

नई दिल्ली | एजेंसी

भारत सरकार ने चीन से जुड़े 54 स्मार्टफोन ऐप पर देश में पाबंदी लगा दी है। इन सभी ऐप से भारत की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा हो रहा था। प्रतिबंधित किए गए ऐप में टेंसेंट एक्सराइवर, नाइस वीडियो बायडु, वीवा वीडियो एडिटर, लोकप्रिय गेम गरेना फ्री फायर और ऐपलॉक ऐप आदि शामिल हैं। इससे पहले जून 2020 में भारत ने देश की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए टिकटॉक, वीचैट और हैलो सहित 59 चीनी मोबाइल ऐप को प्रतिबंधित किया था।

संवेदनशील जानकारियां जुटाईं: सूत्रों के मुताबिक, प्रतिबंधित किए गए 54 चीनी ऐप ने कथित तौर पर उपयोगकर्ताओं से अहम मंजूरियां हासिल कर उनसे संवेदनशील जानकारियां जुटाईं। आरोप है कि ये ऐप निजी जानकारियों को विरोधी देश में स्थित सर्वरों को भेज रहे थे। सूत्रों के मुताबिक, प्रतिबंधित किए गए ऐप देश की अखंडता एवं संप्रभुता को खतरे में डालने वाली गतिविधियों में कथित तौर पर लिप्त पाए गए थे। इनसे देश की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा होने की आशंका पाई गई।

इन पर प्रतिबंध

सरकार ने जिन नए 54 एप को प्रतिबंधित किया है, उनमें स्वीट सेल्फी एचडी, ब्यूटी कैमरा- सेल्फी कैमरा, इक्वलाइजर और बास बूस्टर, सेल्सफोर्स एंट के लिए कैमकार्ड, आइसोलैंड 2 : एशेज ऑफ टाइम लाइट, वीवा वीडियो एडिटर, टेनसेंट एक्सरिवर, ओनमोजी चेस, ओनमोजी एरिना, ऐपलॉक, डुअल स्पेस लाइट जैसे एप शामिल हैं। हालांकि, सभी 54 एप की लिस्ट अभी सामने नहीं आई है।

उपर्युक्त समाचार–पत्र में छपी खबर को शुद्ध उच्चारण के साथ पढ़कर इसके संबंध में चर्चा कीजिए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर समाचार–पत्र में छपी खबर के आधार पर लिखिए।

01. भारत सरकार ने कुल 54 ऐप पर पाबंदी क्यों लगाई?

....

....

....

....

....

02. अपने मोबाइल में ऐप पर हमें किस प्रकार की जानकारियाँ नहीं देनी चाहिए?

....

....

....

....

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

तोता नदी की धारा में बहती हुई चींटी को देख रहा था। चींटी अपनी जान बचाने के लिए हाथ–पैर मार रही थी, किंतु पानी की गति के कारण वह किनारे नहीं आ पा रही थी। तोते ने अगले ही क्षण आम की टहनी से एक सूखी पत्ती तोड़ी और उसे चींटी के आगे पानी में गिरा दिया। चींटी आम की उस सूखी पत्ती पर चढ़ गई। पत्ती धीरे–धीरे नदी में पानी के साथ–साथ आगे बढ़ती जा रही थी। शनैः–शनैः पत्ती नदी तट पर आ गई। चींटी पत्ती से उतरकर नदी से बाहर आ गई और उसने राहत की साँस ली।

उपर्युक्त अनुच्छेद को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

01. उपर्युक्त अनुच्छेद में दो मुहावरों का प्रयोग किया गया है। उन्हें खोजकर उनका अर्थ लिखिए एवं वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

....

....

....

02. सूखी पत्ती पानी पर क्यों तैरने लगी? सूखी पत्ती के अतिरिक्त और कौन सी वस्तुएँ पानी पर तैर सकती हैं? उनकी सूची बनाइए।

....

....

....

03. यदि आप तोते की जगह होते तो चींटी की जान कैसे बचाते?

....

....

....

दिनांक : .... शिक्षक हस्ताक्षर ....

खूँखार बिल्ली के आतंक से निपटने के लिए उपाय ढूँढ़ने हेतु नगर के बाल, युवा एवं वृद्ध सभी चूहे नगर निगम के छोटे पार्क में इकट्ठा हुए। एक चूहा बिल्ली से निपटने का कोई उपाय बताता तो दूसरा उसका तत्काल तर्कपूर्ण ढंग से खंडन कर देता। इसी खंडन–मंडन में कई बार 'तू–तू–मैं–मैं' की स्थिति उत्पन्न हो जा रही थी। वृद्ध चूहे उनके बीच सामंजस्य स्थापित करते। तभी एक नौजवान चूहा, जिसकी बिरादरी के लोग काफी इज्जत करते थे, ने कहा कि यदि उस दुष्ट बिल्ली के गले में एक घंटी बाँध दी जाए। जब वह बिल्ली आएगी, हम उस घंटी की आवाज सुनकर नौ दो ग्यारह हो जाएँगे।

उपर्युक्त अनुच्छेद को पढ़कर अधोलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

01. ऊपर के अनुच्छेद में आए हुए दो मुहावरों को छाँटकर उनका अर्थ बताइए एवं वाक्य में प्रयोग कीजिए।

....

....

....

02. आप के विचार से इस अनुच्छेद में आगे क्या घटना घटी होगी? अपने शब्दों में लिखिए।

....

....

....

03. अपने गाँव में हुई किसी सभा के बारे में अपने शब्दों में लिखिए।

....

....

....

ऋषि वाजश्रवा याचकों को जब गायों का दान कर रहे थे, तो उनका पुत्र नचिकेता बड़ी व्यग्रता से देख रहा था। जब उससे नहीं रहा गया तो वह अपने पिता के पास पहुँचा और कहा कि पिता जी, आप यह क्या कर रहे हैं? वाजश्रवा बोले, देखते नहीं, मैं याचकों को दान दे रहा हूँ। नचिकेता ने पुनः पूछा, 'दान किस वस्तु का करना चाहिए?' वाजश्रवा बोले, 'अपनी सबसे प्रिय वस्तुओं का।' नचिकेता बोला 'आपका सबसे प्रिय तो मैं हूँ। आप मुझे किसे दान में देंगे? ये गायें तो बूढ़ी हो चुकी हैं अब दूध भी नहीं दे सकतीं।' वाजश्रवा ने कहा 'तुम तो मेरे बहुत ही प्रिय हो, मैं तुम्हें किसी को कैसे दे सकता हूँ?' किन्तु नचिकेता अपने को दान दिलाने पर अड़ गया। वाजश्रवा उत्तेजित होकर बोले– 'मैं तुम्हें यम को देता हूँ।'

उपर्युक्त अनुच्छेद को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों का उत्तर लिखिए।

01. दान किस वस्तु का करना चाहिए?

....

....

....

02. ऋषि ने नचिकेता को किसको देने को कहा?

....

....

....

03. नचिकेता के स्थान पर आप होते तो क्या करते? अपने शब्दों में लिखिए।

....

....

....

दिनांक : .... शिक्षक हस्ताक्षर ....

कहानी को पढ़िए तथा कहानी का अंत बदलकर अपने शब्दों में लिखिए।

गिलहरी और कौआ बड़े ही घनिष्ठ मित्र थे। एक बार गिलहरी ने कौए से कहा – मित्र, चलो खेती की जाय। कौए ने कहा– ''ठीक है''। गिलहरी गाँव के एक घर से गेहूँ के कुछ दाने उठा लाई। उसने कौए से कहा– मित्र, चलो खेत को जोत कर गेहूँ बो दिया जाय। कौआ बोला – ''तुम चलो मैं आता हूँ, चुपड़ी रोटी खाता हूँ, ठंडा पानी पीता हूँ, हरी डाल पर बैठा हूँ।'' गिलहरी गई और अकेले खेत जोतकर गेहूँ के बीज बो आई। गिलहरी खेत की देखभाल अकेले ही करती रही। कुछ माह पश्चात् फसल पककर तैयार हो गई। गिलहरी कौए से बोली – ''मित्र, चलो फसल काट कर आधा–आधा बाँट लिया जाए''। कौआ पुनः बोला– ''तुम चलो मैं आता हूँ, चुपड़ी रोटी खाता हूँ, ठंडा पानी पीता हूँ, हरी डाल पर बैठा हूँ''। गिलहरी पुनः अकेले गई और फसल काट आई, फिर कौए से बोली– ''मित्र, चलो मैंने फसल काट दी है। तुम अपने हिस्से का गेहूँ उठा लाओ। कौए ने फिर कहा– तुम चलो मैं आता हूँ, चुपड़ी रोटी खाता हूँ, ठंडा पानी पीता हूँ, हरी डाल पर बैठा हूँ''। गिलहरी गई और अपने हिस्से की आधी फसल उठा लाई। कुछ ही समय बाद भयंकर आँधी और वर्षा आई, जिसमें कौए के हिस्से की फसल नष्ट हो गई। कौआ पेड़ की डाल पर बैठा काँव–काँव करता रह गया।

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

निम्नलिखित कहानी को आगे बढ़ाते हुए लिखिए।

एक गाँव के बाहर एक बहुत पुराना कुआँ था। कुएँ के किनारे बहुत सारे वृक्ष थे। एक बार घनघोर वर्षा के कारण कुएँ के चारो ओर ढेर सारा पानी लग गया। पानी के उपर तैरता हुआ एक मेढक कुएँ पर चढ़ गया। कुएँ का जल–स्तर भी बढ़ा हुआ था। मेढक ने कुएँ के जल में छोटे–छोटे कीड़े तैरते हुए देखे और उसे खाने के लिए कुएँ में छलांग लगा दी। मेढक को कुएँ में भोजन की कोई कमी नहीं थी, वह आनंदपूर्वक उसमें रहने लगा। वर्षाकाल बीतने के बाद धीरे–धीरे कुएँ का जल–स्तर नीचे जाने लगा किन्तु मेढक की दुनिया उसी कुएँ तक सीमित हो गई थी ।

जब कुएँ का जल स्तर नीचे जा रहा था तो कुएँ के बाहर से उसके साथियों ने उसे बाहर आने के लिए कहा किन्तु उसने साथियों की बात अनसुनी कर दी। साथी भी उसे कूप–मण्डूक की संज्ञा देते हुए वहाँ से चले गये ।

एक दिन कहीं से घूमता हुआ एक काला सर्प उस कुएँ में गिर पड़ा ....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

कहानी को पढ़कर आगे बढ़ाते हुए लिखिए।

एक नदी के किनारे एक बहुत बड़ा पेड़ था। उस पर एक बंदर रहता था। उस पेड़ पर बड़े मीठे रसीले फल लगते थे। बंदर उन्हें भरपेट खाकर मौज उड़ाता था। एक दिन एक मगरमच्छ नदी के किनारे उस पेड़ के नीचे आया जहाँ बंदर रहता था। पेड़ से बंदर ने पूछा– "तू कौन है भाई?"

मगरमच्छ ने ऊपर देख कर कहा– मैं मगर हूँ, बड़ी दूर से आया हूँ। बहुत जोर की भूख लगी है। बंदर ने कहा कि घबराओ नहीं यहाँ पर खाने के लिए पेड़ पर रसीले फल है। बंदर ने मगरमच्छ को खाने के लिए पेड़ से तोड़कर फल दिए। मगरमच्छ ने फल खाकर कहा– वाह, यह तो बड़ा मजेदार फल है। बंदर ने मगरमच्छ को बहुत सारा फल खाने को दिया। सब फल खाकर मगरमच्छ अपनी घर की तरफ चल दिया, बंदर ने कहा–मगरमच्छ भाई आते रहना । ....

दिनांक : .... शिक्षक हस्ताक्षर ....

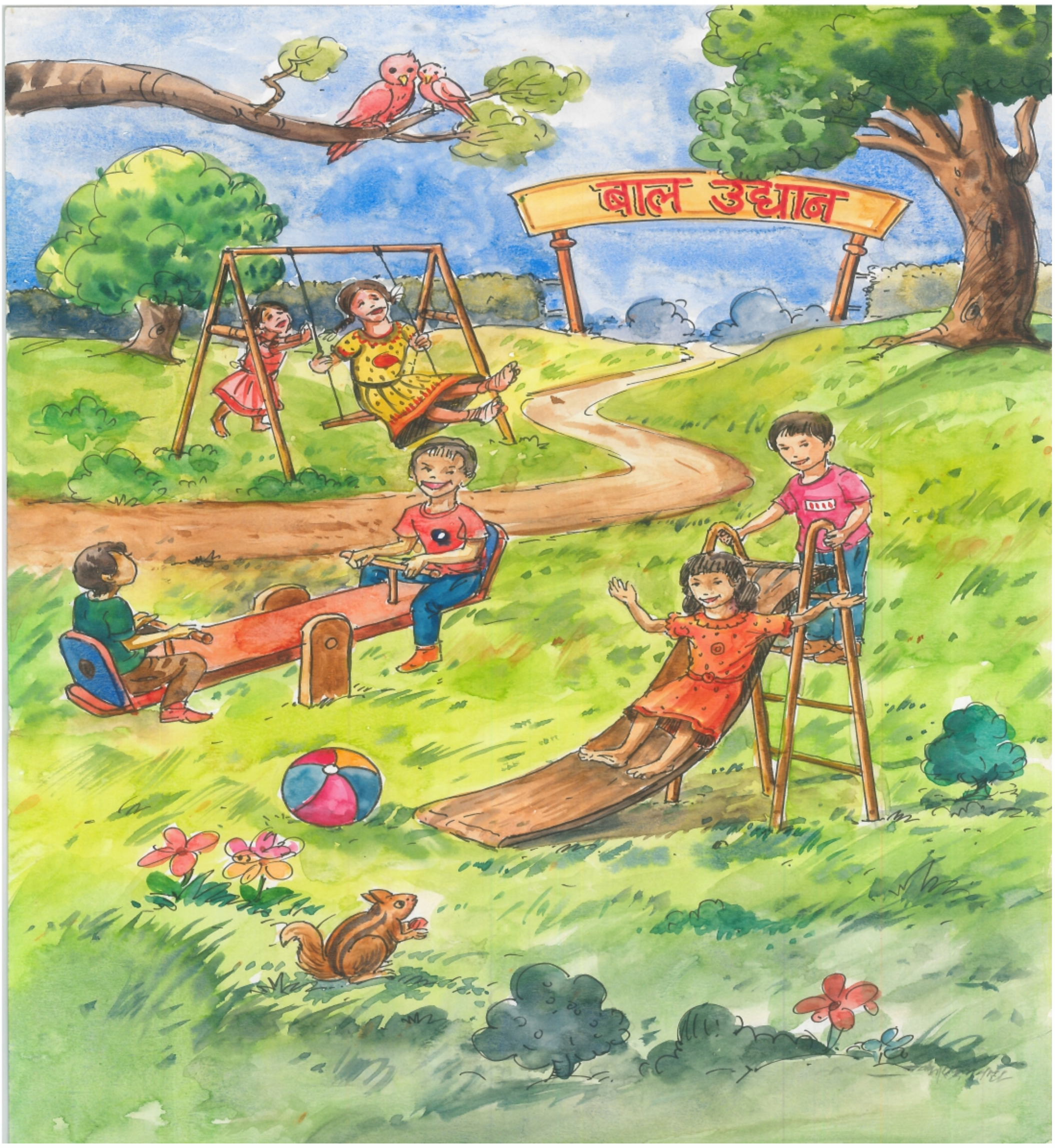

उपर्युक्त चित्र में प्रयुक्त व्यक्ति, वस्तु एवं स्थान के आधार पर संज्ञा शब्द लिखिए।

व्यक्ति	वस्तु	स्थान

स्कूल, अच्छाई, पवन, दिल्ली, चमक, कोमलता, पेड़, बुढ़ापा, थकावट, बुराई, दरवाजा, लोहा, गुलाबीपन, कठोरता, नदी, सहजता, सेना, छात्रगण, सहनशीलता, भावुकता, समानता, कार, वाहन, लकड़ी, खेल ।

उपर्युक्त संज्ञा शब्दों को संज्ञा के भेद के अनुसार लिखिए।

संज्ञा के भेद	शब्द
व्यक्तिवाचक संज्ञा	
जातिवाचक संज्ञा	
समूहवाचक संज्ञा	
द्रव्यवाचक संज्ञा	
भाववाचक संज्ञा	

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

'पन' और 'ता' प्रत्यय किसी शब्द में जोड़कर भाववाचक संज्ञा के पाँच–पाँच शब्द लिखिए।

'पन' प्रत्यय वाले संज्ञा शब्द	'ता' प्रत्यय वाले संज्ञा शब्द
जैसे –	
गुलाबी + पन = गुलाबीपन	मित्र + ता = मित्रता

उचित सर्वनाम शब्द चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

स्वयं, मैंने, मेरी, तुम, यह, हम, मुझे, मेरा, तुम्हारा, कहाँ, क्या ?

1. .... नाम रानी है।
2. .... तो पहली बार काशी शहर देखा है।
3. .... नाम .... है?
4. .... पहले .... रहते थे ?
5. .... सब पहले लखनऊ रहते थे।
6. .... मेरी माँ है।
7. .... माँ .... घर में पढ़ाती है।
8. माँ घर का सारा काम .... करती है।

नीचे लिखे वाक्यों में सर्वनाम शब्दों को रेखांकित करके सामने के कोष्ठक में लिखिए।

1. मैंने एक कहानी लिखी है। ....

2. रोहित किसके साथ आया है? ....

3. अनूप अपना गृहकार्य प्रतिदिन करता है। ....

4. यह गणित की पुस्तक है। ....

5. विद्यालय में कोई आया है। ....

6. जैसी करनी, वैसी भरनी । ....

7. आज उसकी परीक्षा है। ....

8. वे हैदराबाद में रहते हैं। ....

9. आज माँ ने क्या बनाया है? ....

10. हमारा गाँव सुंदर है। ....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

रिक्त स्थानों में संबंधित सर्वनाम के उदाहरण वाक्य–प्रयोग सहित लिखिए।

सर्वनाम	उदाहरण
पुरूषवाचक सर्वनाम	मैं घर जाना चाहता हूँ।
निजवाचक सर्वनाम	....
अनिश्चयवाचक सर्वनाम	....
निश्चयवाचक सर्वनाम	....
संबंधवाचक सर्वनाम	....
प्रश्नवाचक सर्वनाम	....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

नीचे लिखे हुए शब्दों को उनके विशेषणों से मिलाइए।

शब्द	विशेषण
लोमड़ी	वीर
खाई	विशाल
वृक्ष	गहरी
लेखनी	नीला
आसमान	सुंदर
सिपाही	चालाक

उचित विशेषण शब्दों से खाली स्थान भरिए।

दो लीटर, काले, परिश्रमी, सुंदर, वृद्ध

(क) आसमान में .... बादल छा रहे हैं।

(ख) मेरी माँ के पास कई .... साड़ियाँ हैं।

(ग) पवन बाजार से .... दूध लेने गया है।

(घ) अजय एक .... बालक है।

(ङ) पेड़ के नीचे एक .... आदमी बैठा है।

दिनांक : .... शिक्षक हस्ताक्षर ....

दिए गए वाक्यों में विशेषण शब्दों पर गोला बनाइए।

जैसे – (क) सीता मधुर गाती है।

(ख) नारियल के पेड़ लंबे–लंबे होते हैं।

(ग) वाराणसी में सिल्क की अच्छी साड़ियाँ मिलती हैं।

(घ) गाय का दूध बहुत मीठा है।

(ङ) गुड़िया बहुत प्यारी है।

(ङ) रूपा की लेखनी सुंदर है।

दिए गए बॉक्स से शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए।

दृढ़प्रतिज्ञ,	मेधावी,	बड़ा,	नीला,	चौड़ी

(क) बालक ध्रुव .... था।

(ख) आसमान का रंग .... है।

(ग) .... बच्चों ने प्रतियोगिता जीत ली।

(घ) राजा का महल .... है।

(ङ) यह सड़क बहुत .... है।

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

'बगीचे में विभिन्न रंगों के फूल खिले थे। माली बहुत मेहनती था। बगीचे को हरा–भरा बनाने के लिए वह बहुत परिश्रम करता था। पड़ोस में ही ठंडे पानी का झरना था। वह एक बड़े पात्र में पानी भरकर लाता तथा क्यारियों में डालता।'

उपर्युक्त अनुच्छेद को पढ़िए और विशेषण शब्दों को छाँटकर नीचे बने बॉक्स में लिखिए।

....

....

नीचे दिए गए वाक्यों से क्रिया शब्द छाँटकर सामने बने बॉक्स में लिखिए।

1. राम पढ़ रहा है।
2. अली पुस्तक पढ़ रहा है।
3. बच्चा पलंग से गिर गया।
4. पक्षी आकाश में उड़ रहे हैं।
5. बाहर बारिश हो रही है।
6. बच्चा रो रहा है।

क्रिया का सही रूप भरकर निम्नलिखित वाक्य पूरे कीजिए–

1. बच्चो, शोर मत ....। (मचाना/मचाओ)
2. माँ बहुत अच्छा खाना ....है। (बनाना/बनाती)
3. रिया ने परीक्षा के लिए मन लगाकर ....की है। (पढ़ना/पढ़ाई)
4. शेर को देखकर हिरन तेजी से ....। (भागना/भागे)
5. रोहन बहुत अच्छा क्रिकेट .... है। (खेलना/खेलता)

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

निम्नलिखित वाक्यों से क्रिया शब्दों को रेखांकित कीजिए और लिखिए।

1. पक्षी उड़ रहे हैं।	....
2. मोर नाच रहा है।	....
3. हिरन तेजी से भाग रहा था।	....
4. रवि ने फूलदान तोड़ दिया।	....
5. बच्चे क्रिकेट खेल रहे हैं।	....

नीचे दिए गए चित्र को देखकर एक कहानी बनाइए और क्रिया शब्दों को रेखांकित कीजिए–

....

....

....

....

....

....

....

....

ऐसे चार वाक्य लिखिए जिनमें अकर्मक क्रिया का प्रयोग हो।

....

....

....

....

ऐसे चार वाक्य लिखिए जिनमें सकर्मक क्रिया का प्रयोग हो।

....

....

....

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

कक्षा–8

दिवस–18

कार्यपत्रक–1

चित्र को ध्यानपूर्वक देखिए और उससे संबंधित पाँच वाक्य लिखिए।

1. ....

2. ....

3. ....

4. ....

5. ....

आज उठा मैं सबसे पहले।
सबसे पहले आज सुनूँगा,
हवा सवेरे की चलने पर,
हिल पत्तों का करना हर–हर,
देखूँगा, पूरब में फैले बादल पीले,
लाल, सुनहले ।

उपर्युक्त पद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1. इस कविता में कवि की क्या कल्पना है, अपने शब्दों में लिखिए।

....

2. कवि सुबह जगकर क्या–क्या देखना चाह रहा है?

....

3. सुबह के समय प्रकृति में क्या–क्या परिवर्तन दिखते हैं, अपने शब्दों में लिखिए।

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

निम्नलिखित विधाओं से सही विधा चुनकर वाक्य के सामने बॉक्स में लिखिए।

यात्रावृत्तांत   संस्मरण   आत्मकथा   निबन्ध   रिपोर्ताज

(क) किसी विषय का बौद्धिक, तार्किक, क्रमबद्ध विवेचन

(ख) किसी यात्रा का वर्णन

(ग) स्मृति के आधार पर लिखित आलेख

(घ) अपने जीवन के बारे में विस्तृत लेखन

(ङ) किसी घटना आदि का कलात्मक ढंग से ब्यौरेवार रिपोर्ट–लेखन

सही (√) गलत (x) का निशान लगाइए।

(क) मैं कवि कैसे बना 'संस्मरण' है।

(ख) सत्साहस गणेश शंकर विद्यार्थी की रचना है।

(ग) 'कर्त्तव्यपालन' एक कहानी है।

(घ) मैया मोहिं दाऊ बहुत खिझायौ' सूरदास का पद है।

(ङ) 'सूर सारावली' तुलसीदास की रचना है।

ज	क	बी	र	दा	स	र
य	सु	प	ज	म	रा	ही
शं	भ	स	ग	हा	म	म
क	द्रा	पु	सी	दे	चं	प
र	कु	डी	दी	वी	द्र	स
प्र	मा	सु	मि	व	शु	क
सा	री	न	ला	र्मा	क्ल	री
द	म	हा	न	सी	ल	पु

उपर्युक्त वर्ग–पहेली में कुछ कवियों और लेखकों के नाम हैं। ध्यान से देखिए और छाँटकर लिखिए।

....

....

....

....

....

....

नीचे एक कविता की कुछ पंक्तियाँ दी गई हैं, कविता की शेष पंक्तियों को लिखिए।

वीरों का कैसा हो वसंत

....

....

प्राची, पश्चिम, भू, नभ अपार

....

वीरों का कैसा हो वसंत?

फूली सरसों ने दिया रंग,

....

....

है वीर देश में किन्तु कंत

....

निम्नलिखित पंक्तियों के भाव अपने शब्दों में लिखिए।

हल्दी–घाटी के शिला खड़े
ऐ दुर्ग। सिंहगढ़ के प्रचंड,
राणा, नाना का कर घमण्ड
दो जगा आज स्मृतियाँ ज्वलंत

....

....

....

....

....

....

....

....

निम्नलिखित शब्दों की सहायता से कविता बनाइए।

हरियाली, सूरज, रोशनी, चमक, धरती, गगन

....

....

....

....

निम्न शब्दों के चार पर्यायवाची शब्द दिए गए हैं जिनमें से एक शब्द गलत है, उस पर गोला बनाइए।

सागर – जलधि, पयोधि, चमक, उदधि

आकाश – अनंत, अंबर, बिजली, अंतरिक्ष

मधु – शहद, रस, मेघ, कुसुमासव

आग – अनल, पावक, अतीत, हुताशन

पृथ्वी – धरा, वसुंधरा, व्योम, अवनि

भारत की नदियों एवं उनके किनारे बसे प्रमुख शहरों को सुमेलित कीजिए।

(क)	(ख)
गंगा	लुधियाना
यमुना	श्रीनगर
झेलम	मथुरा
सतलुज	वाराणसी
नर्मदा	अयोध्या
चंबल	लखनऊ
गोमती	कोटा
सरयू	जबलपुर

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

भारत में स्थित विश्व धरोहर स्थलों की सूची को सही राज्यों के साथ सुमेलित कीजिए।

अजंता, एलोरा की गुफाएँ	असम
कोणार्क सूर्य मंदिर	महाराष्ट्र
काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान	उड़ीसा
लाल किला	राजस्थान
बोध गया का महाबोधि मंदिर	दिल्ली
जंतर–मंतर जयपुर	बिहार

भारत की भौगोलिक विशेषताओं के आधार पर उनके राज्यों को सुमेलित कीजिए।

गंगा–यमुना के मैदानी भाग	उत्तर प्रदेश
भारत के पर्वतीय भाग	महाराष्ट्र, तमिलनाडू
पूर्वी पश्चिमी तटीय प्रदेश	जम्मू कश्मीर, उत्तराखंड
मरुस्थलीय प्रदेश	लक्ष्यद्वीप, निकोबार द्वीप समूह
द्वीप–समूह	राजस्थान

उपर्युक्त चित्रों को ध्यान से देखिए और अपने सहपाठियों से इस चित्र से संबंधित निम्नांकित बिंदुओं के आधार पर चर्चा कीजिए।

–ये स्थिति मनुष्य की किन–किन लापरवाहियों के कारण आ सकती है?

–हमारे जीवन पर इन स्थितियों का क्या प्रभाव पड़ सकता है?

1. भूकंप के समय हमें क्या करना चाहिए? लिखिए।

....

....

....

....

....

....

....

....

....

आप अपने आस–पास या समाज में होने वाली किसी घटना का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए जिसने आपको प्रभावित किया हो।

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

उपर्युक्त चित्र के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1. जल संरक्षण क्यों आवश्यक है?

....

....

....

....

....

....

2. वर्षा जल का संचयन कैसे किया जाता है? चर्चा कीजिए और लिखिए।

....

....

....

....

....

....

दिनांक : .... शिक्षक हस्ताक्षर ....

किसी वाक्य में कार्य का बोध कराने वाली क्रिया मुख्य क्रिया होती है। निम्न वाक्यों में से मुख्य क्रिया एवं सहायक क्रिया अलग–अलग लिखिए।

जैसे– 1 मुझे तुम्हारे शिक्षक से बात करनी होगी। मुख्य क्रिया – बात करना । सहायक क्रिया – होगी।

2– मैं मिठाई नहीं खाना चाहता हूँ । मुख्य क्रिया ——————————————। सहायक क्रिया——————————————।

3– वह गाना गा रहा था। मुख्य क्रिया ——————————————। सहायक क्रिया——————————————।

4– मैं तेज दौड़ सकता हूँ। मुख्य क्रिया ——————————————। सहायक क्रिया——————————————।

मुख्य क्रिया एवं सहायक क्रिया का प्रयोग करते हुए पाँच वाक्य लिखिए।

- ....
- ....
- ....
- ....
- ....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

वर्षा ऋतु का समय था। तेज बारिश हो रही थी। बादल गरज रहे थे। सब तरफ पानी ही पानी था। घर की छत टपक रही थी। पानी बूँद–बूँद कर गिर रहा था। तेज हवा के कारण थोड़ी–थोड़ी ठंड लग रही थी। सहसा तेज आवाज के साथ बिजली चमक उठी। मोर डर कर चिल्लाने लगा।

उपर्युक्त अनुच्छेद को पढ़कर इसमें से मुख्य क्रियाओं एवं सहायक क्रियाओं को चुनकर लिखिए।

मुख्य क्रियाएँ–

जैसे– गरजना, ..., ..., ...,

........................., ..., ...,

सहायक क्रियाएँ–

जैसे– रही थी, ..., ..., ...,

........................., ..., ...,

नीचे लिखे बॉक्स में से मुख्य क्रिया और सहायक क्रिया का प्रयोग करते हुए कोई पाँच वाक्य बनाकर लिखिए।

तैरना, खेलना, है, और, करना, था, पढ़ना, दौड़ना, गाना, खाना, लिखना

....

....

....

....

....

निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची लिखिए।

नदी			
वृक्ष			
पहाड़			
घर			

सही पर्यायवाची शब्दों पर गोला बनाइए।

हर्ष – खुशी , धरा, दिवाकर।

घोड़ा – पहुना, अश्व, चैतन्य।

आकाश – नीरद, वारिद, व्योम।

अन्य – भिन्न, लोचन, तुरंग।

निम्नलिखित शब्दों के अनेकार्थी लिखिए।

अंक – 1 .... 2...............................

हार – 1 .... 2...............................

हरि – 1 .... 2...............................

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

नीचे दिए गए वाक्य में गोले में बने शब्द का एक समानार्थी शब्द लिखकर उनका वाक्य–प्रयोग करके लिखिए।

समानार्थी

जैसे –1. राधा आज बहुत (खुश) है। ......प्रसन्न......

वाक्य–प्रयोग ....

2. सीता की (आँखें) बहुत सुंदर है। ....

वाक्य–प्रयोग ....

3. (तालाब) में पानी भरा है। ....

वाक्य–प्रयोग ....

4. (आकाश) नीला है। ....

वाक्य–प्रयोग ....

5. (पक्षी) घर लौट रहे हैं। ....

वाक्य–प्रयोग ....

दिए गए पर्यायवाची शब्दों को छाँटिए एवं सही शब्दों के सामने लिखिए।

मंदाकिनी	पोखरा	वाटिका	विनायक
फुलवारी	देवनदी	सरोवर	उपवन
गणेश	भागीरथी	लंबोदर	ताल

बगीचा – .... , ... , ...

गंगा – .... , ... , ...

गणपति – .... , ... , ...

तालाब – .... , ... , ...

दिए गए शब्दों के दो अर्थ लिखते हुए उन्हें अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए।

अनेकार्थक शब्द	अर्थ	वाक्य–प्रयोग
यथा– काल –	1. समय	1. प्रातः काल टहलना अच्छा होता है।
	2. मृत्यु	2. नशे के कारण कुछ लोग असमय काल के शिकार हो जाते हैं।
फल –	1.	1. ....
	2.	2. ....
पूर्व –	1.	1. ....
	2.	2. ....
पद –	1.	1. ....
	2.	2. ....
वर्ण –	1.	1. ....
	2.	2. ....

भिन्न लिंग वाले शब्दों पर घेरा बनाइए।

(क)	माता,	पिता,	राजा,	शेर
(ख)	गाय,	घोड़ी,	ऊँट,	मोरनी
(ग)	माली,	पुजारी,	गायक,	नायिका
(घ)	लेखिका,	पत्नी,	बहन,	भाई
(ङ)	श्रीमान,	देवी,	औरत,	बेटी

दिए गए शब्दों का प्रयोग करके स्त्रीलिंग एवं पुल्लिंग के अनुसार वाक्य लिखिए।

	वाक्य		वाक्य– प्रयोग
1–	ठंडा	–	1..
	ठंडी	–	2..
2–	जाता है	–	1..
	जाती है	–	2..
3–	खट्टा	–	1..
	खट्टी	–	2..
4–	पढ़ता	–	1..
	पढ़ती	–	2..

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

कोष्ठक में दिए गए शब्दों के एकवचन या बहुवचन रूपों द्वारा रिक्त स्थान भरिए।

1. भारत को .... का देश कहा जाता है। (त्योहार)
2. .... अपनी सीट पर बैठ गई। (महिला)
3. हमने कई .... पढ़ी। (पुस्तक)
4. .... का जल गंदा मत करो। (नदी)
5. आसमान में .... चमक रहे हैं। (तारा)
6. राजा दशरथ के चार .... थे। (पुत्र)
7. .... की सेवा करनी चाहिए। (बुजुर्ग)
8. कुछ .... पानी में तैर रही हैं। (मछली)

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

रीडर अणिमा जोशी के मोबाइल पर फोन था मांडवी दीदी की बहू तविषा का। आवाज उसकी घबराई हुई–सी थी। कह रही थी, ''आंटी, जरूरी. . . बहुत जरूरी काम है। अम्मा से बात करवा दें।'' अणिमा दीदी ने असमर्थता जताई–मांडवी दीदी कक्षा ले रही हैं। काम बता दें। उनके कक्षा से बाहर आते ही वह संदेश उन्हें दे दूँगी, बल्कि अपने सामने ही मांडवी दीदी से उसकी बात करवा देंगी। वैसे हुआ क्या है? तविषा, इतनी घबराई हुई–सी क्यों है? घर में सब कुशल–मंगल तो है।

उपर्युक्त अनुच्छेद में दिए गए विराम–चिह्नों पर गोला बनाइए तथा बॉक्स में लिखकर उनका नाम बताइए।

जैसे –	?	प्रश्नवाचक चिह्न

निम्नलिखित वाक्यों में उचित विराम–चिह्न लगाकर उन्हें दुबारा लिखिए।

(क) वह बालक वीर साहसी और पढ़ने में होशियार है।

....

(ख) उफ आज तो कड़ाके की ठंड है।

....

(ग) माँ ने कहा कि राम रश्मि घर आकर भोजन कर लो।

....

(घ) वह पढ़ेगा ही नहीं अपितु प्रथम भी आएगा।

....

(ङ) जैसा तुम कर्म करोगे वैसा फल पाओगे।

....

(च) रेडियो का अविष्कार किसने किया।

....

कक्षा–8 दिवस–24 कार्यपत्रक–3

विश्वेश्वर ने श्यामू को दो तमाचे जड़कर कहा चोरी सीख कर जेल जाएगा अच्छा तुझे आज अच्छी तरह बताता हूँ कहकर कई तमाचे जड़े और कान मलने के बाद पतंग फाड़ डाली अब रस्सियों की ओर देखकर पूछा ये किसने मँगायी भोला ने कहा इन्होंने मँगायी थी कहते थे उससे पतंग तानकर काकी को राम के यहाँ से नीचे उतारेंगे विश्वेश्वर हत्बुद्धि होकर वहीं खड़े रह गये उन्होंने कटी हुई पतंग उठाकर देखी उस पर चिपके हुए कागज पर लिखा था काकी

उचित विराम–चिह्नों का प्रयोग करते हुए उपर्युक्त अनुच्छेद को पुनः लिखिए।

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

कक्षा–8

दिवस–25

कार्यपत्रक–1

'शिक्षा का महत्त्व' विषय पर एक निबंध लिखिए।

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

दिनांक : .... शिक्षक हस्ताक्षर ....

अपने विद्‌यालय में चल रही योजनाओं पर एक निबंध लिखिए और अपने शिक्षक से आवश्यकतानुसार चर्चा कीजिए।

....

....

....

....

....

....

....

....

आपके न्याय पंचायत में आयोजित होने वाली खेल प्रतियोगिता के बारे में अपने विचार लिखिए।

....

....

....

....

....

....

....

....

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

हिन्दी के प्रसिद्ध निबंधकारों के नाम लिखिए।

1. ....

2. ....

3. ....

4. ....

5. ....

अपनी पाठ्यपुस्तक में आपने कौन–कौन से निबंध पढ़े हैं, उनके नाम लिखिए।

1. ....

2. ....

3. ....

4. ....

5. ....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

कक्षा–8

दिवस–26

कार्यपत्रक–1

नीचे दिए गए उपसर्ग जोड़कर तीन–तीन शब्द बनाइए।

उपसर्ग			
प्र	प्रकार	....	....
अप	....	....	....
वि	....	....	....
आ	....	....	....
उप	....	....	....
निर्	....	....	....
नि	....	....	....
अधि	....	....	....
सु	....	....	....
दुर	....	....	....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

नीचे दिए गए शब्दों में प्रत्यय जोड़कर नये शब्द बनाइए।

शब्द		प्रत्यय	नये शब्द
कथन	—	ईय	कथनीय
राष्ट्र	—	ईय	....
परिवार	—	इक	....
जल	—	ईय	....
लिख	—	ना	....
महँगा	—	आई	....
सजा	—	वट	....
ज्ञान	—	वान	....
आनंद	—	इत	....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

निम्नलिखित शब्दों में से उपसर्ग और प्रत्यय युक्त शब्दों को छाँटकर अलग–अलग लिखिए।

अथाह, मिलाप, अधखिला, चमकीला, उनतीस, रसीला, हँसी, चुनाव, निडर, ज्ञानवान, भरपेट, शारीरिक, कुपात्र, भारतीय, कुमार्ग, बिकाऊ, सपूत, परामर्श, फूलदान, प्रसन्न

उपसर्ग

प्रत्यय

चित्र के साथ दिए गए मुहावरे का वाक्य में प्रयोग करते हुए लिखिए।

	मुहावरा	वाक्य प्रयोग
	प्राणों की आहुति देना	....
	दाँत खट्टे करना	....
	नाक में दम करना	....
	मुँह में पानी आना	....
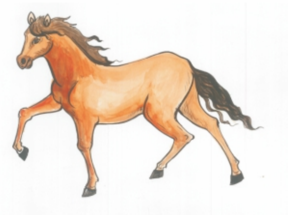	हवा से बातें करना	....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

सही मिलान कीजिए।

निर्दोष होना	प्रतिष्ठा बढ़ाना
कान भरना	बहुत भूख लगना
पेट में चूहे दौड़ना	भाग जाना
नौ दो ग्यारह होना	दूध का धुला
चार चाँद लगना	आश्चर्यचकित होना
डूबते को तिनके का सहारा	शिकायत/चुगली करना
आँखों में चमक आना	जिसकी लाठी उसकी भैंस
शक्तिशाली की जीत होती है	जोखिम का काम करना
तलवार की धार पर चलना	मुसीबत में थोड़ी सहायता ही बहुत है

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

निम्नलिखित लोकोक्तियों का अर्थ लिखकर वाक्य–प्रयोग कीजिए।

उदाहरण :– 1– बोया पेड़ बबूल का तो आम कहाँ से होय।

अर्थ– बुरे काम का फल भी बुरा होता है।

वाक्य–प्रयोग– तुमने परिश्रम से पढ़ाई नहीं की, तो उत्तीर्ण कहाँ से होते! यह तो वही बात हुई कि बोया पेड़ बबूल का तो आम कहाँ से होय।

2– नाच न जाने आँगन टेढ़ा।

अर्थ– ....

वाक्य–प्रयोग– ....

3– घर का भेदी लंका ढाए।

अर्थ– ....

वाक्य–प्रयोग– ....

4– चोर की दाढ़ी में तिनका।

अर्थ– ....

वाक्य–प्रयोग– ....

नीचे दिए गए चित्रों के सामने संबंधित कलाओं के नाम लिखिए।

वास्तुकला, चित्रकला, मूर्तिकला, संगीतकला

....

....

....

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

दिए गए शब्दों से वाक्य बनाकर लिखिए।

कत्थक, स्तूप, खुरपी, भरतनाट्यम, चिकनकारी, कथकली, कलमकारी, चरकुला नृत्य

1. ....

....

2. ....

....

3. ....

....

4. ....

....

5. ....

....

6. ....

....

7. ....

....

8. ....

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

आज के समय खेती–बाड़ी के अनेक यंत्र इसके कार्य को आसान बना रहे हैं। पहले हल की मदद से खेतों की जुताई होती थी, जबकि आज ट्रैक्टर से। एक बहुपयोगी यंत्र के रूप में हार्वेस्टर भी खेती के कार्य में मदद करता है। फावड़ा, कुदाल और खुरपी परम्परागत औज़ार हैं। गेहूँ के दाने और भूसे को अलग करने में थ्रेसर एक उपयोगी यंत्र है।

उपर्युक्त अनुच्छेद में आए खेती–बाड़ी से संबंधित यंत्रों/औज़ारों के नाम लिखिए।

नीचे दी गई कहानी को पढ़िए और प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

गिलहरी और कौआ बड़े ही घनिष्ठ मित्र थे। एक बार गिलहरी ने कौए से कहा – मित्र, चलो खेती की जाय। कौए ने कहा– ''ठीक है''। गिलहरी गाँव के एक घर से गेहूँ के कुछ दाने उठा लाई। उसने कौए से कहा– मित्र, चलो खेत को जोत कर गेहूँ बो दिया जाय। कौआ बोला – ''तुम चलो मैं आता हूँ, चुपड़ी रोटी खाता हूँ, ठंडा पानी पीता हूँ, हरी डाल पर बैठा हूँ।'' गिलहरी गई और अकेले खेत जोतकर गेहूँ के बीज बो आई। गिलहरी खेत की देखभाल अकेले ही करती रही। कुछ माह पश्चात् फसल पककर तैयार हो गई। गिलहरी कौए से बोली – ''मित्र, चलो फसल काट कर आधा–आधा बाँट लिया जाए''। कौआ पुनः बोला– ''तुम चलो मैं आता हूँ, चुपड़ी रोटी खाता हूँ, ठंडा पानी पीता हूँ, हरी डाल पर बैठा हूँ''। गिलहरी पुनः अकेले गई और फसल काट आई, फिर कौए से बोली– ''मित्र, चलो मैंने फसल काट दी है। तुम अपने हिस्से का गेहूँ उठा लाओ। कौए ने फिर कहा– तुम चलो मैं आता हूँ, चुपड़ी रोटी खाता हूँ, ठंडा पानी पीता हूँ, हरी डाल पर बैठा हूँ''। गिलहरी गई और अपने हिस्से की आधी फसल उठा लाई। कुछ ही समय बाद भयंकर आँधी और वर्षा आई, जिसमें कौए के हिस्से की फसल नष्ट हो गई। कौआ पेड़ की डाल पर बैठा काँव–काँव करता रह गया।

01. गिलहरी ने कौए से क्या कहा?

....

....

02. कौआ गिलहरी से बार–बार क्या बोलता था?

....

....

03. उपर्युक्त गद्यांश से आपको क्या सीख मिलती है, लिखिए?

....

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

नीचे दी गई कहानी को पढ़िए और प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

एक गाँव के बाहर एक बहुत पुराना कुआँ था। कुएँ के किनारे बहुत सारे वृक्ष थे। एक बार घनघोर वर्षा के कारण कुएँ के चारो ओर ढेर सारा पानी लग गया। पानी के उपर तैरता हुआ एक मेढक कुएँ पर चढ़ गया। कुएँ का जल–स्तर भी बढ़ा हुआ था। मेढक ने कुएँ के जल में छोटे–छोटे कीड़े तैरते हुए देखे और उसे खाने के लिए कुएँ में छलांग लगा दी। मेढक को कुएँ में भोजन की कोई कमी नहीं थी, वह आनंदपूर्वक उसमें रहने लगा। वर्षाकाल बीतने के बाद धीरे–धीरे कुएँ का जल–स्तर नीचे जाने लगा किन्तु मेढक की दुनिया उसी कुएँ तक सीमित हो गई थी ।

जब कुएँ का जल स्तर नीचे जा रहा था तो कुएँ के बाहर से उसके साथियों ने उसे बाहर आने के लिए कहा किन्तु उसने साथियों की बात अनसुनी कर दी। साथी भी उसे कूप–मण्डूक की संज्ञा देते हुए वहाँ से चले गये।

01. कुआँ कहाँ था?

----

02. मेढक ने कुएँ में छलाँग क्यों लगाई?

----

03. उपर्युक्त गद्यांश से आपको क्या सीख मिलती है, लिखिए?

नीचे दी गई कहानी को पढ़िए और प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

एक नदी के किनारे एक बहुत बड़ा पेड़ था। उस पर एक बंदर रहता था। उस पेड़ पर बड़े मीठे रसीले फल लगते थे। बंदर उन्हें भरपेट खाकर मौज उड़ाता था। एक दिन एक मगरमच्छ नदी के किनारे उस पेड़ के नीचे आया जहाँ बंदर रहता था। मगरमच्छ से बंदर ने पूछा– ''तू कौन है भाई?''

मगरमच्छ ने ऊपर देख कर कहा– मैं मगर हूँ, बड़ी दूर से आया हूँ। बहुत जोर की भूख लगी है। बंदर ने कहा कि घबराओ नहीं यहाँ पर खाने के लिए पेड़ पर रसीले फल है। बंदर ने मगरमच्छ को खाने के लिए पेड़ से तोड़कर फल दिए। मगरमच्छ ने फल खाकर कहा– वाह, यह तो बड़ा मजेदार फल है। बंदर ने मगरमच्छ को बहुत सारा फल खाने को दिया। सब फल खाकर मगरमच्छ अपनी घर की तरफ चल दिया, बंदर ने कहा–मगरमच्छ भाई आते रहना ।

01. उपर्युक्त गद्यांश के दो पात्रों के नाम लिखिए।

....

....

02. किसे बहुत तेज भूख लगी थी?

....

....

03. मगरमच्छ ने फल खाकर क्या कहा?

....

....

नीचे दिए गए शब्दों की सहायता से अपूर्ण कविता को पूर्ण कीजिए।

अस्थियाँ, सिंहनाद, शिखाएँ, उनकी, अगणित, कलम, धरती, चिंगारी, पुण्य–वेदी, जय बोल, तूफानों, जल–जल, स्नेह, दिशाएँ

.... आज उनकी जय बोल।

जला .... बारी–बारी

छिटकायी जिसने.......................................

जो चढ़ गये............ पर लिखे बिना............ का मोल।

कलम आज उनकी..

जो .... लघु दीप हमारे

....में किनारे,

...............कर बुझ गए, किसी दिन माँगा नहीं.........मुँह खोल।

कलम...................................... जय बोल।

पीकर जिनकी लाल.........................

उगल रही लू–लपट...........................

जिनके............... से सहमी ....रही अभी तक डोल।

कक्षा–8

दिवस–30

कार्यपत्रक–2

'वीरों का कैसा हो वसंत', कविता को पढ़ने के उपरांत वीरों के पराक्रम से संबंधित 10 वाक्य लिखिए।

1. ....

2. ....

3. ....

4. ....

5. ....

6. ....

7. ....

8. ....

9. ....

10. ....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

निम्नलिखित पंक्तियों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

निज भाषा उन्नति अहै सब उन्नति को मूल।
बिन निज भाषा ज्ञान के मिटै न हिय को शूल।।

संदर्भ – ....

....

प्रसंग – ....

....

व्याख्या – ....

....

....

....

....

काव्य–सौंदर्य – ....

....

....

....

....

कक्षा–8

दिवस–30

कार्यपत्रक–4

निम्नलिखित शब्दों के दो–दो पर्यायवाची शब्द लिखिए।

मेघ ....

दामिनी ....

दादुर ....

धरती ....

बादल ....

आँख ....

फूल ....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

शब्दकोश के इस पेज को ध्यान से देखिए कि इसमें किस प्रकार शब्दों का क्रम आगे बढ़ता है और कक्षा में इस पर चर्चा कीजिए।

हिन्दी शब्दकोष

अंगुल • पुं. 1. अंगुलि, उँगली। 2. उँगली की चौड़ाई के बराबर नाप।

अँगूठा • पुं. हाथ या पैर की सबसे मोटी उँगली।

अँगूठी • स्त्री. उँगली में पहनने का गहना।

अंगूर • पुं. एक गुच्छेदार छोटा फल, दाख।

अँगोछा • पुं. देह पोंछने का कपड़ा, गमछा।

अंचल • पुं. 1. क्षेत्र, देश या प्रांत का एक भाग। 2. नदी का किनारा। 3. पल्लू, आँचल।

अंजन • पुं. काजल, सुरमा।

अंजर-पंजर • पुं. 1. ठठरी, हड्डी-पसली। 2. ढाँचा।

अंजलि • स्त्री. दोनों हथेलियों को मिलाने से बननेवाला गड्ढा, अँजुरी।

अंजाम • पुं. नतीजा।

अंजीर • पुं. गूलर की जाति का एक मीठा फल।

अँटना • अ.क्रि. समाना, पूरा आना।

अंटशंट • पुं. अंडबंड, व्यर्थ का।

अंटी • स्त्री. 1. कमर पर धोती की गाँठ, टेंट। 2. लच्छी। 3. कुश्ती का एक दाँव-पेंच।

अंडज • पुं. अंडे से उत्पन्न होनेवाला जीव–*पक्षी, साँप, मछली आदि अंडज हैं।*

अंडबंड • वि. ऊटपटाँग।

अंडा • पुं. वह गोल वस्तु जिसमें से पक्षी, मछली, साँप आदि का बच्चा निकलता है।

अंडाकार • वि. अंडे की शक्ल का लंबाई लिए हुए गोल।

अंत • पुं. 1. खात्मा, समाप्ति। 2. सीमा, छोर। 3. नतीजा। 4. प्रलय।

अंतःकरण • पुं. 1. मन, हृदय, चित्त। 2. अंतरात्मा।

अंततः • क्रि.वि. अंत में, आखिरकार, अंततोगत्वा।

अंतःपुर • पुं. महल का भीतरी भाग जहाँ रानी आदि स्त्रियाँ रहती हैं, रनिवास, हरम।

अँतड़ी • स्त्री. पेट के अंदर की लंबी नली, आँत।

अंतरंग • वि. घनिष्ठ।

अंतर • पुं. 1. हृदय। 2. दूरी। 3. फ़र्क़।

अंतरतम • वि. 1. आत्मीय, निकटतम। 2. मन की गहराई।

अंतरात्मा • स्त्री. अंतःकरण, मन, प्राण।

अंतराल • पु. बीच का समय।

अंतरिम • वि. बीच की अवधि, मध्यवर्ती।

अंतरिक्ष • पुं. पृथ्वी और अन्य ग्रहों के बीच का स्थान।

अंतरिक्षयात्री • पुं. अंतरिक्ष में जानेवाला।

अंतरिक्षयान • पुं. अंतरिक्ष में चलनेवाला

कक्षा–8

दिवस–31

कार्यपत्रक–2

दिए गए शब्दों के अर्थ शब्दकोश में खोजकर मिलान कीजिए।

◆ प्रमदा	जल
◆ वादक	बातचीत
◆ वार्तालाप	एक जगह इकट्ठा किया हुआ
◆ वारि	सुंदर स्त्री
◆ वामांगी	बराबरी
◆ समानता	बाजा बजाने वाला
◆ समाहित	पत्नी
◆ लजीज	स्वादिष्ट

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

निम्नलिखित शब्दों का अर्थ शब्दकोश में खोजिए और लिखिए।

आवर्तक

डामल

दंडधर

दंतकथा

थेथर

निथारना

निग्रह

विस्थापन

जिजीविषा

संगणक

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

ग्रीष्मकालीन/शीतकालीन अवकाश में आपके द्वारा की गई किसी यात्रा का वर्णन कीजिए।

नीचे दी गई टिकटों को पहचानकर सही मिलान कीजिए।

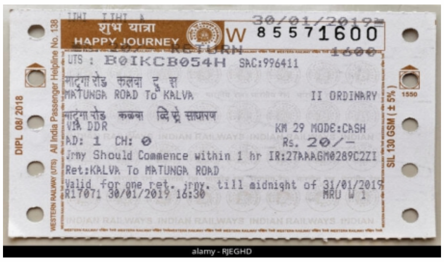

रेल टिकट

हवाई जहाज

रोडवेज बस टिकट

(क) रोडवेज बस टिकट कहाँ से कहाँ तक का है और कितनी दूरी की यात्रा तय करने के लिए है?

....

(ख) रेल टिकट में यात्रा हेतु कितना व्यय किया गया है?

....

(ग) हवाई जहाज का टिकट किस विमान सेवा का है?

....

(घ) हवाई जहाज के टिकट में कहाँ से कहाँ तक की यात्रा का उल्लेख है?

....

कक्षा–8

दिवस–32

कार्यपत्रक–3

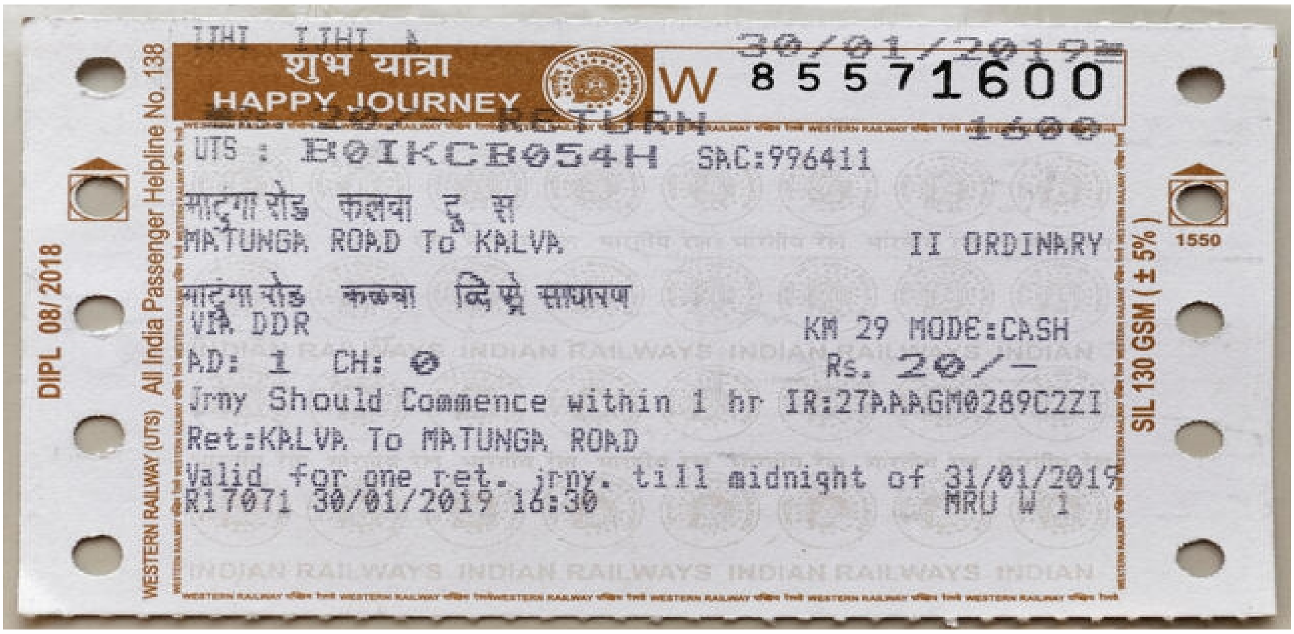

उपर्युक्त भारतीय रेल यात्रा–टिकट के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) कहाँ से कहाँ तक यात्रा करने के लिए टिकट क्रय किया गया है?

....

(ख) यात्रा में ट्रेन द्वारा कुल कितनी दूरी तय की गई?

....

(ग) किस श्रेणी में यात्रा करने हेतु टिकट क्रय किया गया?

....

(घ) टिकट खरीदने हेतु कुल कितना धन व्यय किया गया है?

....

(ङ) कितने यात्रियों के लिए टिकट खरीदा गया?

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

गंगटोक के होटल की बालकनी से उसे हिमालय की तीसरी सबसे बड़ी चोटी कंचनजंघा दिखाई देती है। मौसम की खराबी के कारण वह उसके दर्शन तो नहीं कर पाई लेकिन चारों तरफ उसे तरह–तरह के रंग–बिरंगे फूल ही फूल दिखाई दे रहे थे, जिनसे वह मोहित हो गई। चारों तरफ हिमालय की गहनतम वादियाँ और फूलों से लदी घाटियाँ थीं। रास्ता जरूर खतरनाक था परंतु उसके चारों ओर मनोहारी व आत्मीय सुख देने वाले दृश्य थे। कालिंगपोंग के करीब जैसे–जैसे वह बढ़ने लगी रास्ते वीरान, संकरे व जलेबी की तरह घुमावदार हो रहे थे। हिमालय बड़ा होते–होते अब विशालकाय लगने लगा। घाटियाँ गहराती–गहराती पाताल नापने लगीं। वादियाँ चौड़ी होती गईं और फूलों से भरी हुई दिखाई देने लगीं। ऐसा लग रहा था मानो स्वर्ग में पहुँच गए हों। चारों तरफ दूध की धार की तरह दिखने वाले जलप्रपात थे तो वहीं नीचे चाँदी की तरह चमकती तीस्ता नदी, जिसने लेखिका के हृदय को आनंद से भर दिया। इस अनुपम दृश्य को देखकर हिमालय के प्रति उसका असीम प्रेम सम्मान के रूप में बदल गया । सेवन सिस्टर वाटर फाल देखकर लेखिका मंत्रमुग्ध हो गई।

उपर्युक्त अनुच्छेद को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

01. होटल की बालकनी से क्या दिखाई दे रहा है?

....

02. कालिंगपोंग के करीब रास्ते कैसे थे?

....

....

03. लेखिका के हृदय को किसने आनंद से भर दिया?

....

....

04. क्या देखकर लेखिका मंत्रमुग्ध हो गई?

....

....

अपने आस–पास स्थित किसी प्रसिद्ध पर्यटन/धार्मिक स्थल के भ्रमण के बारे में दस पंक्तियाँ लिखिए।

....
....
....
....
....
....
....
....
....

किसी आँखों–देखी घटना का वर्णन अपने शब्दों में लिखिए।

....
....
....
....
....
....
....
....
....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

यदि आप किसी शादी में गए हों तो उसका वर्णन इन बिंदुओं के आधार पर अपने शब्दों में लिखिए।

1. किसकी शादी थी?

....

2. तुम्हारे साथ कौन–कौन गया था?

....

3. शादी कब और किस दिन थी?

....

4. आवागमन के लिए किस साधन का प्रयोग किया गया था?

....

5. शादी में क्या–क्या देखा?

....

6. क्या–क्या खाया?

....

7. किस–किस से आप मिले?

....

8. शादी से वापस कब आए?

....

9. आपका क्या अनुभव रहा?

....

10. आपके अन्य विचार–

....

निम्नलिखित मुहावरों का प्रयोग करते हुए एक लघु कहानी लिखिए।

आँखों में चमक होना, दिल टूट जाना, लट्टू होना, आँखों का तारा होना।

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

निम्नलिखित लोकोक्तियों का प्रयोग करते हुए लघु नाटक लिखिए। (150–200 शब्दों में)

नाच न जाने आँगन टेढ़ा, का वरखा जब कृषि सुखानी,
अंधे के आगे रोये, ढाक के तीन पात, डूबते को तिनके का सहारा

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

निम्नलिखित मुहावरों एवं लोकोक्तियों का प्रयोग करते हुए लघु कहानी लिखिए। (150–200 शब्दों में)

कोल्हू का बैल होना, कंधे से कंधा मिलाकर चलना, घी के दीये जलाना,
मान न मान मैं तेरा मेहमान, मेरी बिल्ली मुझसे म्याऊँ,
रामनाम जपना पराया माल अपना, साँच को आँच नहीं

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

औपचारिक पत्र

सरकारी तथा व्यावसायिक कार्यो से संबंध रखने वाले पत्र औपचारिक पत्रों के अंतर्गत आते हैं। ये पत्र निजी संबंधों से अलग होते हैं। ये पत्र उन्हें लिखे जाते हैं, जिनसे हमारा निजी संबंध नहीं होता है।

इसमें निम्न प्रकार के पत्र सम्मिलित किए जाते हैं–

1. प्रार्थना–पत्र 2. निमंत्रण–पत्र 3. सरकारी पत्र 4. व्यावसायिक पत्र 5. शिकायती पत्र 6. संपादक के नाम पत्र।

औपचारिक पत्र का प्रारूप

- औपचारिक पत्र लिखने की शुरुआत बाईं ओर से की जाती है सर्वप्रथम 'सेवा में' लिखकर पत्र पाने वाले का नाम लिखकर उचित संबोधन करते हैं।
- इसके पश्चात पत्र पाने वाले का पता लिखा जाता है।
- पत्र जिस उद्देश्य के लिए लिखा जा रहा है उसका 'विषय' लिखा जाता है।
- विषय लिखने के बाद फिर से पत्र पाने वाले के लिए संबोधन लिखा जाता है।
- इसके बाद मुख्य विषय पर विस्तार से लिखा जाता है।
- मुख्य विषय वस्तु के पश्चात पत्र पाने वाले को संबोधित करते हुए समापन किया जाता है।
- इसके पश्चात पत्र के अंतिम भाग में भवदीय/आपका अभारी/आपका आज्ञाकारी इत्यादि लिखा जाना चाहिए।
- अंत में पत्र लिखने वाले का नाम, पता, दिनांक लिखते हैं।

01. औपचारिक पत्र से आपका क्या आशय है?

----

02. आपने किस प्रकार के पत्र देखे हैं? पत्र की विषय वस्तु का वर्णन करें।

----

03. पत्र–लेखन की शुरुआत एवं अंत कैसे किया जाना चाहिए?

अपनी नगरपालिका के अध्यक्ष/ग्राम पंचायत प्रधान को मोहल्ले/गाँव की साफ–सफाई न कराये जाने के संबंध में एक शिकायती पत्र लिखिए।

सेवा में,

दिनांक ....

नगर पालिका अध्यक्ष/ग्राम प्रधान

....

....

विषय– ....

महोदय/महोदया,

....

....

....

....

....

....

धन्यवाद।

भवदीय

नाम–

पता–

चिकित्सकीय सुविधाओं के अभाव की ओर ध्यान दिलाते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी को पत्र लिखिए।

सेवा में,

मुख्य चिकित्सा अधिकारी

दिनांक ....

....

....

विषय– ....

महोदय/महोदया

....

....

....

....

....

....

धन्यवाद।

भवदीय

नाम–

पता–

अनौपचारिक पत्र

अनौपचारिक पत्रों के अन्तर्गत उन पत्रों को सम्मिलित किया जाता है, जो अपने प्रियजनों, मित्रों तथा सगे–संबंधियों को लिखे जाते हैं। उदाहरण के रूप में पुत्र द्वारा पिताजी को अथवा माताजी को लिखा गया प्त्र, भाई–बंधुओं को लिखा जाने वाला, किसी मित्र को लिखा जाने वाला पत्र, बधाई–पत्र, शोक–पत्र, निमंत्रण–पत्र इत्यादि।

अनौपचारिक पत्र का प्रारूप

- सबसे पहले बाईं ओर पत्र भेजने वाले का पता लिखा जाता है।
- प्रेषक के पते के नीचे दिनांक लिखा जाता है।
- पत्र पाने वाले का केवल नाम लिखा जाता है।
  यदि अपने से बड़ों को पत्र लिखा जा रहा है तो पूजनीय, आदरणीय जैसे शब्दों के साथ संबंध लिखते हैं। जैसे– पूजनीय पिताजी। यदि अपने से छोटे या बराबर के साथ वाले व्यक्ति को पत्र लिख रहे हों तो उनके नाम के साथ प्रिय मित्र, भाई या जो भी संबंध हो लिखते हैं।
- इसके बाद पत्र का मुख्य भाग दो अनुच्छेदों में लिखा जाता है।
- पत्र के मुख्य भाग की समाप्ति धन्यवाद लिखकर की जाती है।
- अंत में प्रार्थी या तुम्हारा स्नेही आदि शब्दावली का प्रयोग करते हुए हस्ताक्षर किये जाते हैं।

अनौपचारिक पत्र से आपका क्या तात्पर्य है?

....

....

अनौपचारिक पत्र किसे लिखे जाते हैं?

....

....

संक्षेप में अनौपचारिक पत्र की रूपरेखा बनाकर लिखिए।

अपने मित्र को उसके जन्मदिन पर न पहुँच पाने का कारण बताते हुए पत्र लिखिए।

....

....

....

दिनांक ....

.... संबोधन

....यथा योग्य अभिवादन

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....संबंध का उल्लेख

.... प्रेषक का नाम

पुस्तक खरीदने के लिए रुपए भेजने का अनुरोध करते हुए पिता को पत्र लिखिए।

....

....

....

दिनांक ....

.... संबोधन

....यथा योग्य अभिवादन

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....संबंध का उल्लेख

....   प्रेषक का नाम

(एक पेड़ पर कौआ, कबूतर, तोता और मोर अदि पक्षी बैठे हुए थे। कौआ कुछ उदास दिखाई दे रहा था तो कबूतर ने कौए से पूछा)

कबूतर– कौआ भाई, आप आज उदास क्यों दिख रहे हैं ?

कौआ– मेरा वर्ण सुंदर नहीं लगता, इसलिए मुझे देखकर कोई प्रसन्न नहीं होता।

कबूतर– मुझसे सुंदर तो तोता जी हैं इनका वर्ण देखो कितना सुंदर है!

तोता –मित्रो इस रंग के ही कारण तो लोग तोतों को पकड़कर पिंजड़ों में कैद कर देते हैं। अगर बात रंग से सौंदर्य की है, तो हमसे बहुत सुंदर अनेक रंगों वाले मोर जी हैं।

मोर– क्षमा करना साथियों, इन्ही बहुरंगी पंखों के लोभ के कारण लोग मोरों की हत्या तक कर देते हैं।

कौआ– भाइयों, क्षमा करना, आप लोगों से वार्ता के बाद मेरी उदासी दूर हो गई। भले ही मेरा वर्ण सुंदर नहीं है किंतु मेरे ऊपर तोता एवं मोर जैसा संकट तो नहीं है।

उपर्युक्त संवादों को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर लिखिए।

1. ऊपर दिए गए संवादों के लिए कोई एक उपयुक्त शीर्षक दीजिए।

   ....

2. अपने आस–पास मिलने वाले कौए के वर्ण के पक्षियों की सूची बनाइए।

   ....

3. पाले जाने वाले पक्षियों की एक सूची बनाइए।

   ....

4. पक्षियों को पिंजड़े में रखने के बारे में आप की क्या राय है, अपने शब्दों में लिखिए।

   ....

(एक बाग में आम, कटहल, शीशम, सागौन एवं पीपल के वृक्ष आपस में अपनी प्रशंसा और दूसरों की अनुपयोगिता गिना रहे थे, प्रातः भ्रमण के लिए एक वैद्य भी वहाँ पहुँच जाते हैं)

आम– मैं हूँ, सभी फलों का राजा आम। अगर मैं न रहता तो माली उपवन की रखवाली नियमित ढंग से नहीं करता।

कटहल – सही कहा आपने मित्रवर आम। मेरा भी उपयोग फल एवं सब्जी दोनों रूपों में होता है।

शीशम – आप लोगों की बात सही है पर मजबूती के कारण मेरी लकड़ी काफी पसंद की जाती है। मेरे मित्र सागौन की लकड़ी बहुत ही कीमती है।

सागौन – हा! हा! हा! हम सब लोगों की तो कहीं न कहीं महत्ता समाज में प्रचारित है किन्तु इस अनुपयोगी पीपल महाशय का यहाँ क्या काम है!

(पीपल अभी कुछ बोलने की सोच ही रहा था कि वैद्य बोल पड़े)

वैद्य – आप सभी लोग ' अपने मुँह मियाँ मिठ्ठू बनना' वाली कहावत चरितार्थ कर रहे हैं। क्या आप लोगों को मालूम है पीपल सर्वाधिक प्राणवायु (ऑक्सीजन) देता है। एक बात और जान लीजिए – दुनिया की कोई भी वनस्पति ऐसी नहीं हैं, जिसका किसी–न–किसी औषधि में प्रयोग नहीं होता हो।

उपर्युक्त संवादों को पढ़ कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1. शीशम एवं सागौन की लकड़ियाँ किस–किस काम में आती हैं, वर्णन कीजिए।

....

....

2. 'अपने मुँह मियां मिट्ठू बनना' मुहावरे का अर्थ लिखिए एवं वाक्य में प्रयोग कीजिए।

....

....

3. फल हमारे लिए क्यों आवश्यक हैं, अपने शब्दों में लिखिए।

....

....

4. पेड़–पौधे श्वसन क्रिया में किस गैस को ग्रहण एवं उत्सर्जित करते हैं, दिन एवं रात दोनों समय की श्वसन क्रिया का वर्णन कीजिए।

....

....

अपने विद्यालय के वार्षिकोत्सव में प्रस्तुत करने के लिए किसी सामाजिक समस्या को दर्शाते हुए एक छोटे नाटक की रचना कीजिए साथ ही उसका मंचन भी कीजिए।

आपके द्वारा देखा गया कोई ऐसा धारावाहिक/चलचित्र (फिल्म)/कार्टून फिल्म, जो कि आपको याद हो उसे अपने शब्दों में लिखिए। (लगभग 150 शब्द)

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

टी०वी०/रेडियो/इंटरनेट/मोबाइल हमारे लिए किस प्रकार उपयोगी हैं एवं इनका उपयोग करते समय हमें क्या–क्या सावधानियाँ रखनी चाहिए, लिखिए।

किसी खेल–स्पर्धा के बारे में अपने शब्दों में लिखिए, जिसमें आप स्वंय शामिल हुए हों, अथवा जिसे आपने देखा हो।

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

कक्षा–8 दिवस–39 कार्यपत्रक–1

निम्नलिखित वाक्यों में आए शब्द–युग्म को सामने बने चित्र में भरिए।

1. बच्चों के बिना घर खाली–खाली लगता है।

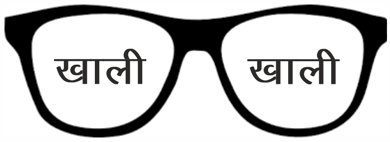

2. गाते–गाते रात कट गई।

3. सूरज के छिपते–छिपते मैं घर पहुँच गया।

4. तुम्हें एक ही बात रटते–रटते दो घंटे हो गए।

5. आज सभी अपना–अपना राग अलापने में लगे हैं।

6. अपनी गलती पर शर्म से पानी–पानी हो गई।

7. श्रीराम को देखकर हनुमानजी का रोम–रोम पुलकित हो गया।

8. यदि पानी का दुरुपयोग होगा तो कल लोग बूँद–बूँद पानी के लिए तरस जाएँगे।

नीचे लिखे हुए शब्द–युग्मों के अर्थ उस शब्द के सामने बने कोष्ठक में लिखिए।

सारथी, धागा, कथन, वंश, गिनती, तलवार, बेटा, सहारा, बनाना, वायु, शीघ्र, कंजूस, किनारा

1. सूत (..........................)
2. अवलंब (..........................)
3. कूल (..........................)
4. बात (..........................)
5. गणना (..........................)
6. कृपण (..........................)

1. सुत (..........................)
2. अविलंब (..........................)
3. कुल (..........................)
4. वात (..........................)
5. गढ़ना (..........................)
6. कृपाण (..........................)

दी गई कविता में से शब्द–युग्म छाँटकर लिखिए।

झम–झम, झम–झम मेघ बरसते सावने के,
झम–झम–झम गिरती बूँदें तरुओं से।
चम–चम बिजली चमक रही रे डर में घन के,
थम–थम दिन के तम में सपने जगते मन के।
पंखों से रे फैले–फैले ताड़ों के दल,
लम्बी–लम्बी अंगुलियाँ हैं, चौड़े करतल।
तड़–तड़ पड़ती धार वारि की उन पर चंचल,
टप–टप झरती कर मुख से जल बूँदें झलझल।।

....

....

....

....

....

....

....

निम्नलिखित शब्दों में से तत्सम, तदभव और विदेशी शब्द छाँटकर नीचे लिखिए।

हस्त, मिट्टी, साग, स्वप्न, मृत्तिका, हाथी, शाक, भीत चंद्र, भित्ति, शृंखला, हाथ, गोरा, सपना, हस्ति, चाँद, सांकल, काज, कंदुक, गेंद, कार्य, हॉस्पिटल, रेलगाड़ी, हलवाई, डॉक्टर, चरम, चक्षु, आँख

तद्भव	तत्सम	विदेशी शब्द

निम्नलिखित वाक्यों में प्रयोग हुए रेखांकित तद्भव शब्दों के तत्सम रूप लिखिए।

1. करम ही पूजा है।

   ....

2. मोहन को आम सबसे प्रिय फल लगता है।

   ....

3. राधा के कान में बहुत तेज दर्द हो रहा है।

   ....

4. शिवा और शिवांगी अच्छा नाचते हैं।

   ....

5. वैष्णवी को चारों तरफ अँधकार नजर आ रहा था।

   ....

6. घर के बाहर नेवला और साँप में लड़ाई हो रही थी।

   ....

7. राम बाँसुरी की धुन सुनकर गाने लगा।

   ....

8. राघव, ईशा की उत्तरपुस्तिका को देखकर गुस्सा होने लगा।

   ....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

तद्भव शब्दों का तत्सम शब्दों से मिलान कीजिए।

यथा–

तद्भव शब्द	तत्सम शब्द
मोर	उलूक
कबूतर	काक
साँप	वानर
बंदर	सर्प
कौआ	सूर्य
उल्लू	कर्ण
कान	कपोत
सूरज	मयूर

कक्षा–8

दिवस–41

कार्यपत्रक–1

विद्यालय के वार्षिकोत्सव के लिए सभी ने यथाशक्ति धन जुटाया किंतु बेहिसाब खर्च के कारण पैसे की कमी हो गयी। प्रधानाध्यापक ने भरसक प्रयास किया कि बेमतलब के कार्यों पर होने वाले खर्चों से बचा जाए। इस प्रकार उन्होंने सभी कार्यों पर प्रत्यक्ष निर्णय लिए और वार्षिकोत्सव सकुशल सम्पन्न हुआ।

उपर्युक्त अनुच्छेद में रेखांकित सामासिक पदों को अलग करें तथा समास–विग्रह करते हुए समास का नाम लिखिए।

	समास	समास–विग्रह	समास का नाम
जैसे–	यथाशक्ति	शक्ति के अनुसार	अव्ययीभाव समास
	बेहिसाब	....	....
	भरसक	....	....
	बेमतलब	....	....
	प्रत्यक्ष	....	....
	सकुशल	....	....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

कक्षा–8

दिवस–41

कार्यपत्रक–2

निम्नलिखित सामासिक पदों को पहचान कर उनके नाम लिखिए।

समस्त पद	समास का नाम
जैसे– हथकड़ी–	तत्पुरुष
यथाविधि	....
रेलयात्रा	....
चक्रपाणि	....
त्रिलोकी	....
पंचतंत्र	....
नर–नारी	....
पीतांबर	....
दशानन	....
पिता–पुत्र	....
नवरत्न	....
दही–बड़ा	....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

निम्नलिखित अनुच्छेद के सभी समासयुक्त पदों को पढ़कर गोला बनाइए तथा दिए गए बॉक्स में लिखिए।

भारतदेश का (राष्ट्रध्वज) तिरंगा है। सभी देशवासी प्राणपण से इसके सम्मान की रक्षा करते हैं। इसे उच्च–शिखर से फहरते देखकर परमानंद का अनुभव करते हैं। राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री आदि गणमान्य व्यक्ति अपने करकमलों से इसे फहराते हैं। मजदूर–किसान हों, अधिकारी–कर्मचारी हों, सभी उस झण्डे के नीचे सगर्व पंक्तिबद्ध होते हैं।

कक्षा—8

दिवस—41

कार्यपत्रक—4

दो या दो से अधिक शब्दों को मिलाकर एक शब्द बनाने की प्रक्रिया को समास कहते हैं तथा अलग करने की प्रक्रिया को समास—विग्रह कहते हैं।

उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए निम्नलिखित पदों का विग्रह करके लिखिए।

समास	समास विग्रह
जैसे— शिलाखण्ड	शिला का खण्ड
सिंहगढ़	....
हिमाचल	....
गलबाँहें	....
धनुषबाण	....
यथास्थान	....
गगनचुंबी	....
रत्नजड़ित	....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

कक्षा–8

दिवस–42

कार्यपत्रक–1

सरल, संयुक्त और मिश्रित वाक्य के तीन–तीन उदाहरण लिखिए।

सरल वाक्य (1) श्याम घर जाकर काम में जुट गया।

(2)

(3)

(4)

संयुक्त वाक्य (1) विशाल के घर मेरा आदर भी हुआ और सत्कार भी।

(2)

(3)

(4)

मिश्रित वाक्य (1) मैं ऐसे व्यक्ति से मिला जो सिद्ध महापुरुष था।

(2)

(3)

(4)

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

निर्देशानुसार वाक्यों को बदलकर लिखिए।

(क) घर पहुँचते ही मैंने खाना खाया। (संयुक्त वाक्य)

....

(ख) छुट्टी होगी तो हम क्रिकेट मैच देखने जाएँगे। (सरल वाक्य)

....

(ग) पिताजी ने अखबार पढ़ा और रख दिया। (सरल वाक्य)

....

(घ) बरखा ने गाना सीखा और हमें सुनाया। (मिश्रित वाक्य)

....

(ङ) उसकी दु:खभरी कथा सुनकर मेरी आँखे भर आईं। (मिश्रित वाक्य)

....

(च) प्रश्नों को ध्यान से पढ़कर उत्तर लिखिए। (संयुक्त वाक्य)

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

नीचे दिए वाक्यों में से सरल वाक्य, संयुक्त वाक्य और मिश्रित वाक्य छाँटकर लिखिए–

(क) मुझे पता तो चल गया कि मैं मनुष्य भी हूँ।

....

(ख) आज मेरा सारा अभिमान मुझे झूठ जान पड़ रहा है।

....

(ग) तुम कहाँ रहते हो और करते क्या हो?

....

(घ) मैंने माना कि तुम दरबारी हो, आज के लिए तो एक छोटी–सी रिश्वत और कल के लिए एक बड़ा–सा वादा।

....

(ङ) आज मैं बदमाश को पकड़ पाया।

....

(च) जैसे ही कविता आई, ऐश्वर्या चली गयी।

....

(छ) मनीष बाजार गया और उसने पुस्तकें खरीदी।

....

दिनांक : .... शिक्षक हस्ताक्षर ....

कक्षा–8

दिवस–43

कार्यपत्रक–1

आस्तिक, कृतज्ञ, कर्मठ, गोपनीय, कृपण, अनंत, जलचर, नभचर, छिद्रान्वेषी, शतािब्दी, वर्गाकार

नीचे दिए गए शब्दों के समूह के लिए ऊपर दी गई तालिका से एक सही शब्द को चुनकर सही बॉक्स में भरिए।

1– उपकार मानने वाला	....
2– नभ में उड़ने वाला	....
3– दूसरों में दोष ढूढ़ने वाला	....
4– जल में रहने वाला	....
5– जिसका अंत न हो	....
6– ईश्वर में विश्वास रखने वाला	....
7– अत्यधिक कंजूस	....
8– अत्यधिक कार्य करने वाला	....
9– छिपाने योग्य	....
10– सौ वर्ष का समय	....
11– जो वर्ग के आकार का हो	....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

सही मिलान कीजिए।

(1) जो आँखो के सामने हो	पदच्युत
(2) जो आँखो के सामने न हो	निशीथ
(3) अपने पद से हटाया हुआ	निरपराध
(4) मध्यरात्रि का समय	परोक्ष
(5) जिसने कोई अपराध न किया हो	पंजीकरण
(6) किसी तथ्य को पंजिका में चढ़ाना	पुनरावृत्ति
(7) किसी कार्य को बार–बार करना	प्रत्यक्ष

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दिए गए बॉक्स में से चुनकर लिखिए।

अजन्मा,	सहिष्णु,	नि:संतान,	अमर

1. जिसका जन्म न हुआ हो ....
2. जो कभी न मरे ....
3. जिसकी कोई संतान न हो ....
4. जिसमें सहनशक्ति हो ....

कक्षा–8

दिवस–43

कार्यपत्रक–3

नीचे दिए गए शब्दों को उनसे संबंधित वाक्यों के सामने लिखिए।

सत्यवादी, अज्ञेय, अचल, दुर्गम, निर्जन

वाक्य	शब्द
1–जिसे जाना न जा सके	
2–सदा सत्य बोलने वाला	
3–जो कहीं आता जाता न हो	
4–जहाँ जाया न जा सके	
5–जहाँ कोई जन न हो	

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

निम्नलिखित मुहावरों का प्रयोग करते हुए एक छोटा वाक्य बनाइए।

अपने पैर पर कुल्हाड़ी मारना ।

....

....

अपना उल्लू सीधा करना।

....

....

तिल का ताड़ बनाना।

....

....

टस से मस न होना।

....

....

घाट–घाट का पानी पीना।

....

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

निम्नलिखित मुहावरों के प्रयोग से एक छोटी कहानी बनाकर लिखिए।

आस्तीन का साँप | आँख का तारा | कलेजे पर साँप लोटना | कान खड़े होना

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

सही मिलान कीजिए।

अगूँठा दिखाना	बेवकूफ होना
अपने पैर पर कुल्हाड़ी मारना	साफ इन्कार करना
अक्ल का अंधा	कपटी मित्र
आस्तीन का साँप	अपना नुकसान स्वयं करना
कोल्हू का बैल	समाप्त करना
इतिश्री करना	दिन–रात काम करने वाला

1. मेजर ध्यानचंद कौन थे?

....

....

2. बिरसा मुंडा किस प्रदेश के थे और क्यों प्रसिद्ध हैं?

....

....

....

3. सिक्किम राज्य के बारे में 5 पंक्तियाँ लिखिए।

....

....

....

....

....

4. आपके विद्यालय में वार्षिकोत्सव सम्पन्न हुआ है। समाचार–पत्र में समाचार के प्रकाशन हेतु आप उसका शीर्षक लिखिए।

....

....

कक्षा–8

दिवस–45

कार्यपत्रक–2

विद्यालय में वार्षिकोत्सव समारोह सम्पन्न होने के पश्चात समाचार–पत्र में प्रकाशन हेतु समाचार लिखिए।

शीर्षक ....

कार्यक्रम से
संबंधित चित्र

....

....

....

....

....

....

....

....

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

आप भी इसी प्रकार की सूचनाओं का संग्रह कीजिए।

संस्कृत सम्भाषण से होगा राष्ट्रीय मूल्यों का संरक्षण

वाराणसी, वरिष्ठ संवाददाता। बीएचयू स्थित वैदिक विज्ञान केंद्र और संस्कृत भारती काशी की तरफ से गुरुवार को 15 दिवसीय संस्कृत संभाषण कार्यशाला शुरू हुई। 20 जनवरी तक छात्रों को सरल ढंग से संस्कृत संभाषण सिखाया जाएगा।

मुख्य अतिथि सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय (गुजरात) के पूर्व कुलपति प्रो. गोपबंधु मिश्र ने कहा कि संस्कृत सम्भाषण से भारतीय जनमानस में मानवीय एवं राष्ट्रीय मूल्यों का संरक्षण संभव है। संस्कृत सभी भाषाओं की जननी है। इसमें निहित ज्ञान का अध्ययन करने के लिए विश्व के अनेक वैज्ञानिक आज भी प्रयासरत है। विशिष्ट अतिथि क्षेत्र संघटन मंत्री पूर्वी उत्तर प्रदेश देवेन्द्र पंड्या ने कहा कि संस्कृत के बिना संस्कृति का संरक्षण नहीं हो सकता।

अध्यक्षता कर रहे केंद्र के समन्वयक प्रो. उपेन्द्र कुमार त्रिपाठी ने कहा कि संस्कृत भाषा में ही भारतीय ज्ञान एवं संस्कृति के मूलतत्व निहित हैं। संचालन राजकुमार कयाल ने किया। कार्यशाला संयोजक डॉ. सुजीत कुमार त्यागी हैं।

बीएचयू देश को दिखाएगा हाइड्रोजन ऊर्जा की राह

गौरव

वाराणसी, वरिष्ठ संवाददाता। हाइड्रोजन को पेट्रो पदार्थों का विकल्प बनाने का केंद्रीय कैबिनेट ने फैसला लिया है। इसके बाद देश में हाईड्रोजन ऊर्जा पर चल रहीं परियोजनाओं और प्रयोगों को गति मिलने की उम्मीद है। बीएचयू के विशेषज्ञों ने भी इस दिशा में कई उत्साहजनक परिणाम हासिल किए हैं। ऐसे में बीएचयू देशभर के वैज्ञानिकों की अगुवाई कर सकता है।

बीएचयू के हाइड्रोजन ऊर्जा केंद्र के अलावा आईआईटी बीएचयू व इन्क्यूबेशन सेंटर में इस पर कई सफल प्रयोग हो चुके हैं। 'हाइड्रोजन मैन' कहलाने वाले प्रो. ओएन श्रीवास्तव की अगुवाई में बीएचयू के हाइड्रोजन ऊर्जा केंद्र ने 2019 में हाइड्राइड कैनिस्टर बनाकर भाभा अनुसंधान केंद्र को दिए थे। प्रो. श्रीवास्तव के देहांत के बाद भी इस केंद्र में कई प्रोजेक्ट पर काम जारी है। इनमें हाइड्रोजन चलित मोटर साइकिल, आटो, नैनो कार, खाना बनाने वाला चूल्हा-स्टोव, जेनसेट एवं टरबाइन से बिजली उत्पादन आदि शामिल हैं।

आईआईटी बीएचयू के केमिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रो. राजेश उपाध्याय ने हाल ही में हाइड्रोजन जेनरेटर तैयार किया है।

- बीएचयू और आईआईटी में वर्षों से चल रहा इस दिशा में गहन अनुसंधान
- वाहनों, चार्जिंग स्टेशन और सॉलिड हाइड्रोजन पर हुए हैं सफल प्रयोग

50 मिलीलीटर मिथेनॉल और पानी के मिश्रण से यह जनरेटर एक मिनट में 60 लीटर हाइड्रोजन बना सकता है। प्रो. उपाध्याय ने बताया कि हल्की गैस होने से हाइड्रोजन को स्टोर करना मुश्किल है। ऐसे में यह जनरेटर मददगार हो सकता है। बीएचयू के ही शोधकर्ता शुभांकर पांडेय और उनकी टीम सॉलिड हाइड्रोजन पर भी काम कर रही है। यह तकनीक हाइड्रोजन स्टोरेज की समस्या के समाधान में सक्षम है।

इंटरनेट की सुविधा से कौन–कौन से कार्य किए जा सकते हैं? दिए गए कार्यों में से इनकी सूची बनाइए।

1– ईमेल बनाना 2– फॉर्म भरना 3– खेती करना 4– खरीदारी करना

5– घूमना 6– खाना बनाना

....

....

....

इंटरनेट से किए जाने वाले कार्य–

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

महामना मदन मोहन मालवीय बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे। उन्होंने भारतीय राजनीति, शिक्षा, साहित्य एवं पत्रकारिता में अपनी अमिट छाप छोड़ी। निःसंदेह काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी मालवीय जी की सबसे बड़ी कृति है। मालवीय जी ने भारत के स्वतंत्रता–आन्दोलन में बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। शिक्षा को एक जन–आंदोलन के रूप में खड़ा करने में मालवीय जी का योगदान अविस्मरणीय है।

इंटरनेट का प्रयोग कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

01. शिक्षा को एक जन आन्दोलन के रूप में मालवीय जी ने कैसे खड़ा किया?

....

....

....

02. विश्व विरासत स्थल में भारत के कितने सांस्कृतिक स्थलों को सम्मिलित किया गया है?

....

....

03. वाराणसी के अन्य दर्शनीय स्थलों के नाम लिखिए।

....

....

....

'काशी हिन्दू विश्वविद्यालय' के बारे में लिखिए।

....

....

....

....

....

....

....

....

....

मथुरा क्यों प्रसिद्ध है?

....

....

....

....

....

....

....

....

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

150 करोड़ साल का इतिहास समेटे है सोनभद्र का फॉसिल्स पार्क, कभी यहाँ लहराती थीं समुद्र की लहरें।

उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले में सलखन गाँव में 150 करोड़ साल पहले के जीवाश्म मिले हैं। यह जगह जिला मुख्यालय से सिर्फ 15 किलोमीटर दूर वाराणसी–शक्तिनगर राजमार्ग पर है। बताया जाता है कि यह दुनिया का सबसे बड़ा फॉसिल्स (जीवाश्म) पार्क है, जो लगभग 24 हेक्टेयर में फैला है। यह फॉसिल्स पार्क अमेरिका के येलो स्टोन पार्क से भी बड़ा है। यहाँ फॉसिल्स का महत्त्व इस बात से भी समझा जा सकता है कि ये जीवन की शुरुआत की कहानी बताते हैं। यह जीवाश्म पार्क पृथ्वी पर जीवन की आरंभिक अवस्था का प्रमाण प्रस्तुत करता है। यह पार्क एक अत्यंत महत्त्वपूर्ण स्थान है। यहाँ जाकर पृथ्वी के भू–विज्ञान एवं जैविक इतिहास के विषय में जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

01. जीवाश्म क्या है?

....

....

....

....

02. फॉसिल्स पार्क क्या है? इसके महत्त्व को लिखिए।

....

....

....

....

03. क्या किसी ऐसे जीव का नाम जानते हो जिसके बारे में फॉसिल्स के माध्यम से ही जाना गया है कि पूर्व में वह धरती पर उपस्थित था?

....

....

....

....

01. डायनासोर फॉसिल्स के बारे में क्या जानते हैं?

(शिक्षक बच्चों का सहयोग करेंगे तथा बच्चों को डायनासोर एवं फॉसिल्स के बारे में जानकारी देंगे।)

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

दिए गए चित्रों को पहचानकर उनके विषय में तीन वाक्य रिक्त स्थानों में लिखिए।

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

जिन पत्रिकाओं में बच्चों के अनुकूल साहित्य प्रकाशित होता है, उन्हें बाल पत्रिका कहा जाता है। मनोरंजन, शिक्षा और बच्चों की भावना– इन तीन बिंदुओं को ध्यान में रखकर ही बालपत्रिकाओं के उद्देश्य का निर्धारण उनके संपादकों द्वारा होता है । मनोरंजक बालपत्रिकाओं में मुख्यतः दो रसों का समावेश रहता है– हास्य रस और अद्भुत रस। इनसे जुड़ी बाल रचनाएँ हैं– चुटकुले, हास्य से परिपूर्ण कहानियाँ, कार्टून, परियों और अद्भुत घटनाओं वाली कहानियाँ एवं कविताएँ।

इन पत्रिकाओं में कहानी बालगीत, नैतिक कहानियाँ और हास्य की कहानियाँ प्रमुखता से प्रकाशित होती है। लोकजीवन में प्रचलित बालगीत, बालकथाएँ आदि भी समय–समय पर प्रकाशित होती हैं। जिस प्रकार समाचार–पत्र सूचित करने का प्रयास करता है उसी प्रकार एक पत्रिका प्रबुद्ध और मनोरंजन करने का प्रयास करती है।

उपर्युक्त अनुच्छेद को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

01. बाल पत्रिका से आप क्या समझते है अपने शब्दों में व्यक्त कीजिए।

....

....

02. बालपत्रिकाओं को बनाते समय किन बातों को ध्यान में रखना चाहिए?

....

....

03. बालपत्रिकाओं में आपके अनुसार किस प्रकार की सामग्री होनी चाहिए जिससे वह और आकर्षक लगे?

....

....

04. कुछ प्रमुख बालपत्रिकाओं के नाम लिखिए, जिन्हें आपने पढ़ा हो।

....

....

नीचे दिए गए बिंदुओं का समावेश करते हुए आप आपने विद्यालय की बालपत्रिका के मुख पृष्ठ को किस प्रकार से चित्रांकित करेंगे कि वह पहले से आकर्षक लगे।

बालपत्रिका का नाम, वर्ष, मास, स्थान, संस्करण, मूल्य,
मुख पृष्ठ पर आकर्षक चित्र

बाल पत्रिका का निर्माण कीजिए।

मास/वर्ष/स्थान

माह में घटित प्रमुख खेल समाचार (जनपद, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर)

....

....

....

....

किसी स्वंतत्रता संग्राम सेनानी के जीवन की मुख्य बातें

1– ....

2– ....

3– ....

4– ....

माह में घटित मुख्य सूचनाएँ (राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर)

1– ....

2– ....

3– ....

4– ....

शिक्षाप्रद लेख 'परिश्रम का फल मीठा'/समय की महत्ता

....

....

....

....

चुटकुला/पहेली (राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर)

....

....

....

....

यदि आप अपने गाँव के प्रधान होते तो क्या–क्या कार्य करते? लिखिए।

यदि आपको विद्यालय का प्रधानाध्यापक बना दिया जाए तो आप विद्यालय में क्या–क्या बदलाव करना चाहेंगे? लिखिए।

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

यदि ब्रह्मांड में पृथ्वी जैसा कोई अन्य ग्रह हो जहाँ पर जीवन हो और वहाँ का कोई प्राणी आपसे मिलता हो और आपकी भाषा में बात करता हो, तो आप उससे क्या–क्या बातचीत करेंगे?

अथवा

यदि आपके पास पंख होते तो आप क्या–क्या कार्य करते? लिखिए।

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

वर्षा ऋतु में होने वाली समस्याओं के विषय में अपने विचार लिखिए।

शरद ऋतु में मिलने वाले फल और सब्जियाँ कौन–कौन–सी हैं? उनमें से आपको खाने में क्या–क्या अच्छा लगता है और क्यों?

दिल्ली-एनसीआर में भूकंप के झटके

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में गुरुवार शाम 7:55 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए। एक सप्ताह में यह दूसरी बार है जब राष्ट्रीय राजधानी और उसके आसपास के इलाके भूकंप से दहले हैं।

राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक, भूकंप की तीव्रता 5.9 थी। इसका केंद्र अफगानिस्तान के हिंदुकुश क्षेत्र में 200 किलोमीटर की गहराई में था। इस वजह से पाकिस्तान में भी भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। हालांकि, अफगानिस्तान व पाकिस्तान से जानमाल के नुकसान की खबर नहीं है। बता दें कि इससे पहले दिल्ली-एनसीआर में एक जनवरी को 3.8 की तीव्रता का भूकंप आया था। भूकंप का केंद्र हरियाणा के झज्जर में था।

किशोरों के लिए कोर्बेवैक्स टीके की सिफारिश

नई दिल्ली। केंद्रीय औषधि प्राधिकरण की विशेषज्ञ समिति ने सोमवार को 12 से 18 साल के बच्चों के लिए कुछ शर्तों के साथ बायोलॉजिकल-ई के कोविड-19 टीके कोर्बेवैक्स का आपात इस्तेमाल करने की मंजूरी देने की अनुशंसा की। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सरकार ने अब तक 15 साल से कम उम्र के बच्चों का टीकाकरण करने पर फैसला नहीं लिया है। नीति आयोग के सदस्य (स्वास्थ्य) वीके पॉल ने हाल में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा था कि टीकाकरण की अतिरिक्त जरूरत और इसके लिए और अधिक आबादी को शामिल करने की समीक्षा नियमित तौर पर की जाती है।

तनाव से जल्दी बूढ़ा होता है इम्यून सिस्टम

एक हालिया अध्ययन के अनुसार, ट्रॉमा, नौकरी जाने या रोज के तनाव से इम्यून सिस्टम तेजी से बूढ़ा होता है, जो कैंसर, हृदय रोग और विभिन्न संक्रमणों की आशंका को बढ़ाता है। यह अध्ययन नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज में छपा है, जिसमें उम्र के हिसाब से सेहत पर पड़ने वाले असर को समझने की कोशिश की गई है। उम्र बढ़ने के साथ यों भी इम्यून सिस्टम में कुदरती तौर पर गिरावट आती है, जिसे इम्यूनोसीनेसेंस कहते हैं। इससे शरीर में रोगों से लड़नेवाली सफेद रक्त कोशिकाएं क्षतिग्रस्त हो जाती हैं और नई कोशिकाओं का बनना कम हो जाता है। इम्यून सिस्टम का असमय बूढ़ा होना केवल कैंसर से नहीं जुड़ा, इससे हृदय रोगों व निमोनिया का खतरा भी बढ़ता है। साथ ही विभिन्न दवाओं का असर भी शरीर पर कम होता है। शोधकों ने 50 से ऊपर के करीब 5744 वयस्कों के जीवन में तनाव से जुड़े प्रश्न पूछे, साथ ही साइट्रोमेट्री तकनीक के जरिये उनमें विभिन्न रक्त कोशिकाओं का अध्ययन किया गया।

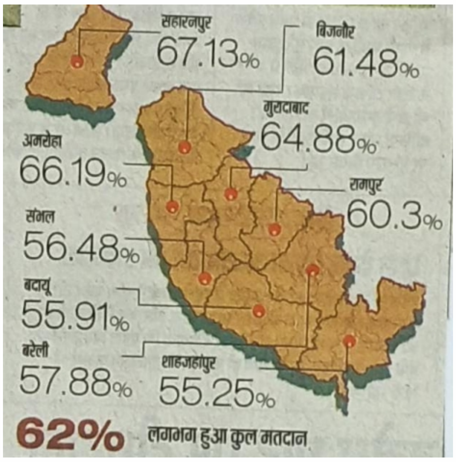

क्या मास्क पहनना है जरूरी?

एक बार फिर से कोविड चर्चा में है। भीड़-भाड़वाली जगहों पर मास्क पहनने की हिदायतें दी जा रही हैं। पर, कोरोना ही नहीं कुछ और कारण भी हैं, जब मास्क पहनना जरूरी हो जाता है।

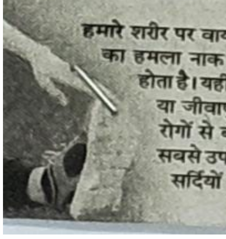

हमारे शरीर पर वायरस और बैक्टीरिया का हमला नाक और मुंह के जरिये होता है। यही वजह है कि वायरस या जीवाणुओं से फैलनेवाले रोगों से बचाव में मास्क को सबसे उपयोगी माना जाता है। सर्दियों में फ्लू का प्रकोप अधिक होता है। इन्फ्लूएंजा वायरस से पीड़ित मरीज के छींकने या खांसने से संक्रमण हवा के जरिये दूसरे लोगों को संक्रमित कर देता है। मास्क लगाना टीबी, दमा और कई तरह की एलर्जी से भी बचाता है। खासकर, वे लोग, जिन्हें धूल, धुएं और विभिन्न प्रकार की गंध-दुर्गंध आदि से एलर्जी है, उन्हें बाहर निकलते समय मास्क पहनना चाहिए। इसके अलावा मास्क, फेफड़ों को प्रदूषित हवा (पीएम 2.5 व पीएम 10) के सीधे संपर्क में आने से भी रोकते हैं।

इनके लिए जरूरी है मास्क

- गंभीर और लंबी बीमारी से जूझ रहे मरीज व उनके आसपास के लोग।
- कोरोना से गंभीर रूप से पीड़ित रहे चुके लोग। जिनकी उम्र 65 से अधिक है।
- जिनका कैंसर का इलाज चल रहा है
- जिन्होंने हाल में सर्जरी व अंग प्रत्यारोपण करवाया है
- जो लंबे समय से स्टेरॉएड्स ले रहे हैं।

कौन-सा मास्क पहनें

सर्जिकल मास्क, एन-95 मास्क, कपड़े से बने ट्रिपल लेयर और सिक्स लेयर मास्क, किसी का भी चुनाव कर सकते हैं। बीमार लोग अपने डॉक्टर से भी पूछ सकते हैं। जहां संक्रमण का खतरा ज्यादा है, वहां पर एन-95 मास्क पहनें। मास्क की साफ-सफाई का खास ध्यान रखें।

त्रिवेक शुक्ला
(डॉ. रोहित सिंह, एपेक्स हॉस्पिटल, वाराणसी से बातचीत)

इसी प्रकार अखबार से सूचनाएँ काटकर एकत्रित कीजिए और अगले पृष्ठ पर उनका कोलाज बनाइए।

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

अखबार की सूचनाओं का कोलाज

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

भाग–02

पाठ आधारित कार्यपत्रक

1. वीणावादिनि वर दे

निम्नलिखित कविता पूरी कीजिए।

वर दे, वीणावादिनि वर दे!
....
....
काट अंध उर के बन्धन–स्तर
....
....
जगमग जग कर दे!
नव गति, नव लय, ताल–छन्द नव,
....
....
नव पर, नव स्वर दे!

अपनी पसंद का कोई एक प्रार्थना/भजन/प्रेरणा गीत लिखिए।

....
....
....
....
....
....
....
....
....
....

कक्षा–8

1. वीणावादिनि वर दे

कार्यपत्रक–02

नीचे लिखे गए शब्दों के सामने रिक्त स्थानों में समान ध्वनि वाले शब्द लिखिए।

नवल ....

सह ....

मंत्र ....

चंदन ....

वर ....

गगन ....

निम्नलिखित पंक्तियों का अर्थ उसके सामने खाली स्थानों में लिखिए।

- प्रिय स्वतन्त्र–रव अमृत–मंत्र नव

....

....

- काट अंध उर के बन्धन–स्तर

....

....

- कलुष–भेद तम हर, प्रकाश भर

....

....

- नव गति, नव लय, ताल–छन्द नव,

....

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

1. वीणावादिनि वर दे

निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए।

शब्द	अर्थ
1. जलद	....
2. प्रकाश	....
3. नवल	....
4. रव	....

कविता पढ़कर आपके मन में क्या भाव/विचार उत्पन्न हुए, लिखिए।

....

....

....

....

....

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर के लिए चार विकल्प दिए गए हैं। सही विकल्प चुनकर खाली स्थानों में लिखिए।

प्रश्न 1 :– समास का शाब्दिक क्या अर्थ होता है?

(क) विग्रह (ख) संक्षेप (ग) विच्छेद (घ) विस्तार

....

प्रश्न 2 :– 'साग–पात' में कौन सा समास है?

(क) द्विगु (ख) कर्मधारय (ग) अव्ययीभाव (घ) द्वंद्व

....

प्रश्न 3 :– 'राजपुरुष' में कौन–सा समास है?

(क) तत्पुरुष (ख) द्वंद्व (ग) कर्मधारय (घ) बहुव्रीहि

....

दिए गए शब्दों की सहायता से एक कविता या कहानी लिखिए।

जल, हवा, पौधे, नभ

....

....

....

....

कक्षा–8

2. काकी

कार्यपत्रक–01

चित्र को देखकर उसमें आए संज्ञा शब्दों को लिखिए।

संज्ञा शब्द

....

....

....

....

....

....

....

संज्ञा शब्दों में दार, इक, इत, ई, ईय, मान एवं वान आदि प्रत्ययों को लगाने से विशेषण शब्द बनता है। नीचे लिखे संज्ञा शब्दों में उचित प्रत्यय लगाकर विशेषण बनाइए।

संज्ञा	विशेषण
1. आवास	1. ....
2. गाड़ी	2. ....
3. ईश्वर	3. ....
4. समझ	4. ....
5. बीमार	5. ....
6. शाप	6. ....
7. बुद्धि	7. ....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

दिए गए शब्दों को संज्ञा के प्रकारों के आधार पर अलग करके लिखिए।

महेश, वृक्ष, शहर, विद्यालय, अंगूठी, खट्टा, किताब, भोजन, आम, रेलगाड़ी, लड़का, माँ, बहन, नवग्रह, सूर्य, विशाल, समूह, शिक्षक, पहाड़, रमेश, जल, सुंदरता, कठोरता, मृदुल, मीठा

जातिवाचक

....

....

....

....

भाववाचक

....

....

....

....

व्यक्तिवाचक

....

....

....

....

द्रव्यवाचक

....

....

....

....

संख्यावाचक

....

....

....

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

समाचार–पत्र में शामिल संज्ञा शब्दों को नीचे दिए गए स्थान में लिखिए।

सीरीज में बढ़त लेने उतरेंगी भारतीय महिलाएं

क्रिकेट डायरी

मुंबई, प्रेट्र : सुपर ओवर में मिली शानदार जीत के बाद आत्मविश्वास से ओतप्रोत भारतीय महिला टीम बुधवार को यहां आस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे टी–20 मैच में बेहतर गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण के साथ उस लय को कायम रखने उतरेंगी और पांच मैचों की सीरीज में बढ़त लेना चाहेगी। दोनों टीमों के बीच सीरीज फिलहाल 1–1 की बराबरी पर है।

मेजबान टीम सीरीज में अभी तक दो ही विकेट ले सकी जो चिंता का सबब है। कैचिंग भी अपेक्षा के अनुरूप नहीं रही है। पिछले छह महीने में भारत की सफल गेंदबाज रेणुका ठाकुर को भी अभी तक विकेट नहीं मिल सका है।

कलाई की स्पिनर देविका वैद्य आठ साल में पहली टी–20 सीरीज खेल रही हैं लेकिन गेंदबाजी में प्रभावित नहीं कर सकी। सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा को आक्रामक शुरुआत को अच्छी पारी में बदलना होगा।

बर्फबारी के बाद लंदन के ऐतिहासिक लाइर्स स्टेडियम का दृश्य ● लाइर्स स्टेडियम, ट्विटर

व्यक्तिवाचक संज्ञा	जातिवाचक संज्ञा	भाववाचक संज्ञा
1................................	1................................	1................................
2................................	2................................	2................................
3................................	3................................	3................................
4................................	4................................	4................................
5................................	5................................	5................................

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

दी गई वर्ग–पहेली (सीधे/उल्टे/आड़े/तिरछे क्रम में) से संज्ञा शब्द बनाइए–

खूँ	ब	म	अ	वी	र	ग
टी	ल	हा	धी	प	का	र
श	य	न	र	तं	ग	म
को	ग	र्व	आ	ग	ज	नी
ट	त	अ	का	की	चौ	की
पा	व	न	श	सा	ध	ना
डो	ज	म	कु	ह	रा	म
र	न	ना	रा	मा	य	ण

2. काकी

'काकी' कहानी में श्यामू का अपनी माँ के प्रति गहरा प्रेम दिखाया गया है। इसी प्रकार आप अपने परिवार के किसी सदस्य के विषय में नीचे दिए गए स्थान पर लिखिए।

'काकी' नामक कहानी सियारामशरण गुप्त जी ने लिखी है। इनकी अन्य प्रसिद्ध रचनाएँ हैं—

दिनांक :

शिक्षक हस्ताक्षर

कक्षा–8

3. सच्ची वीरता

कार्यपत्रक–01

निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखते हुए इनका वाक्य–प्रयोग कीजिए।

मुहावरा	अर्थ	वाक्य–प्रयोग
1. हृदय का खिलना	....	....
2. अंधेरे में तीर चलाना	....	....
3. धब्बा लगना	....	....
4. डर से अधमरा होना	....	....
5. रंग बदलना	....	....

नीचे दिए गए वाक्यों की सहायता से उपयुक्त मुहावरे बनाइए और उनका अर्थ लिखिए।

- आज विद्यालय में अवकाश होने के कारण वह घोड़े बेचकर सो रहा है।

मुहावरा	....	अर्थ	....

- कक्षा में प्रथम स्थान लाने के लिए आकाश ने आकाश पाताल एक कर दिया।

मुहावरा	....	अर्थ	....

- विद्यालय परिसर में साँप आता देख उसका कलेजा काँपने लगा।

मुहावरा	....	अर्थ	....

- झूठी–झूठी बातें बताकर किसी का कान भरना बुरी आदत है।

मुहावरा	....	अर्थ	....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

कक्षा–8

3. सच्ची वीरता

कार्यपत्रक–02

नीचे दिए गए वाक्यों के आधार पर अधूरे मुहावरे को पूर्ण कीजिए।

- नौकरानी से टी–सेट टूट जाने पर मालकिन एकदम आग .... हो गई।
- मोहन बहुत बढ़–चढ़कर बातें कर रहा था, जब मैंने उसे आड़े .... लिया तो उसकी बोलती .... हो गई।
- तृतीय श्रेणी में स्नातक कौशलेन्द्र को क्लर्क की नौकरी क्या मिली, मानो अंधे के हाथ .... लग गई।
- राम इतना सीधा है कि कोई भी उसकी आँखों में .... झोंक सकता है।
- रमेश को तो कल की घटना की कोई जानकारी ही नहीं थी, वह तो बस अंधेरे में .... चला रहा था।

दिए गए शब्दों में से प्रत्यय अलग करें तथा उन प्रत्ययों से एक अन्य शब्द भी बनाएँ।

शब्द	प्रत्यय	नया शब्द
1. सामाजिक	इक	धार्मिक
2. घुमक्कड़	....	....
3. महत्त्व	....	....
4. दयालु	....	....
5. घबराहट	....	....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

कक्षा–8

3. सच्ची वीरता

कार्यपत्रक–03

नीचे बॉक्स में दिए गए शब्दों में कुछ शब्द तत्सम हैं, कुछ तद्भव, कुछ देशज तथा कुछ विदेशी। उन्हें उत्पत्ति के आधार पर अलग–अलग सूची में लिखिए।

अग्नि, खिचड़ी, आदत, आग, आम्र, खुरपी, तमाशा, आंग्ल, पीठ, मड़ई, दरिया, अकस्मात, सोना, क्रिकेट, ड्राइवर, आलस्य, शेखी, एकादश, बिजली, विद्युत

तत्सम	तद्भव	देशज	विदेशी
1-	1-	1-	1- ....
2-	2-	2-	2- ....
3-	3-	3-	3- ....
4-	4-	4-	4- ....
5-	5-	5-	5- ....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

3. सच्ची वीरता

'देशप्रेम/देशभक्ति' विषय पर शिक्षक की मदद से एक पोस्टर या कोलॉज का निर्माण कीजिए और अपने पोस्टर/कोलॉज के विषय में एक अनुच्छेद लिखिए।

पोस्टर या कोलाज

अनुच्छेद

....

....

....

....

....

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

कक्षा–8

3. सच्ची वीरता

कार्यपत्रक–05

कमल पुष्प, मोर पक्षी आदि राष्ट्रीय प्रतीक चिह्न हैं। कुछ अन्य राष्ट्रीय प्रतीक चिह्नों के चित्र एकत्रित कीजिए और उन्हें निर्दिष्ट स्थान पर चिपकाइए तथा उनके विषय में कुछ पंक्तियाँ लिखिए।

राष्ट्रीय प्रतीकों के चित्र	चित्र के विषय में कुछ पंक्तियाँ
	....
	....
	....
	....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

3. सच्ची वीरता

आभूषण को 'गहना' भी कहा जाता है। इसी प्रकार निम्नलिखित शब्दों को क्या कहा जाता है, शब्दों के सम्मुख दिए गए स्थान पर लिखिए।

अतिथि	....	ऋणी	....
इशारा	....	सुकुमार	....
जहर	....	निवेदन	....
फसल	....	पर्यावरण	....
क्षमता	....	न्यायाधीश	....
शिक्षक	....	आश्रय	....

आप सच्चा वीर बनने के लिए कौन–कौन–से अच्छे कार्य करेंगे, सोचकर नीचे दी गई खाली पंक्तियों में लिखिए।

....

....

....

....

....

....

....

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

'बच्चे और पेड़ दुनिया को हरा–भरा रखते हैं'

इस पंक्ति में निहित भाव को अपने शब्दों में लिखिए।

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

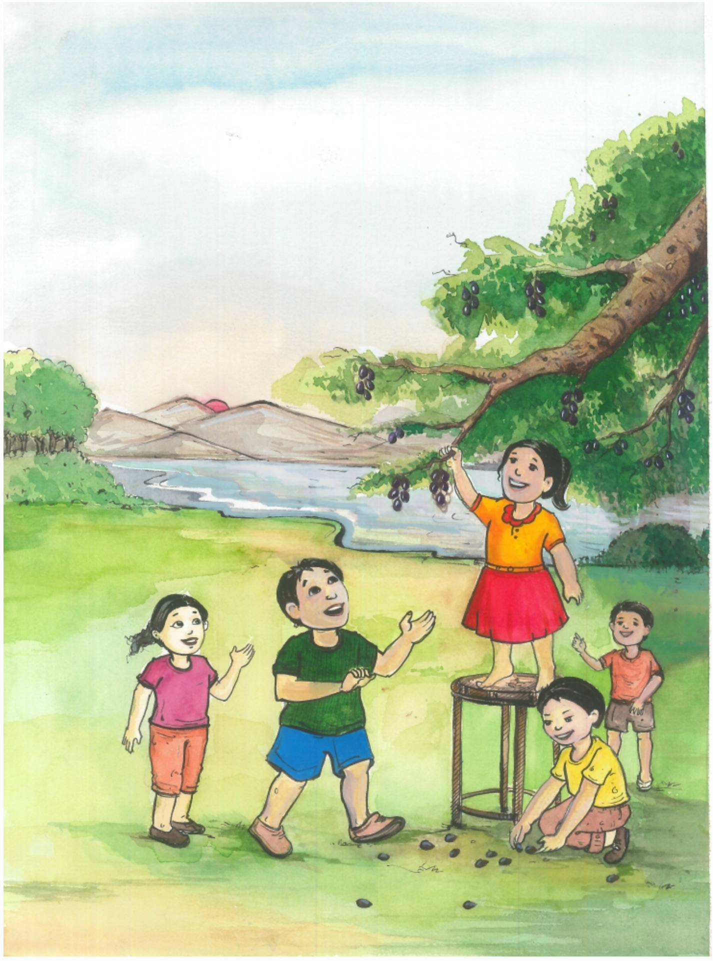

निम्नलिखित पंक्तियों को पूर्ण कीजिए।

एक–एक पत्ती पर हम सबके सपने सोते हैं

....रोते हैं।

आज सभ्यता वहशी बन पेड़ों को काट रही है।

.... बाँट रही है।

कक्षा–8

4. पेड़ों के संग बढ़ना सीखो

कार्यपत्रक–02

पेड़ काटकर मस्त पड़े हो
खुद के घर में व्यस्त पड़े हो
छीन लिया आँगन चिड़िया का
अब इनका घर कौन बसाये ।।
ना होंगे जब वृक्ष धरा पर,
जन–जीवन जग का मिट जाये।
खतरे में अस्तित्व हमारा,
विश्व विनाश को कौन बचाये ।।

उपर्युक्त कविता को ध्यान से पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

01. कविता में अनुप्रास अलंकार युक्त पंक्तियों को लिखिए।

....

....

....

02. 'चिड़ियों का आँगन' से आप क्या समझते हैं?

....

....

....

03. जब धरती पर वृक्ष नहीं होंगे तब जन–जीवन कैसा होगा, सोचकर लिखिए।

....

....

....

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

4. पेड़ों के संग बढ़ना सीखो

सोचकर लिखिए।

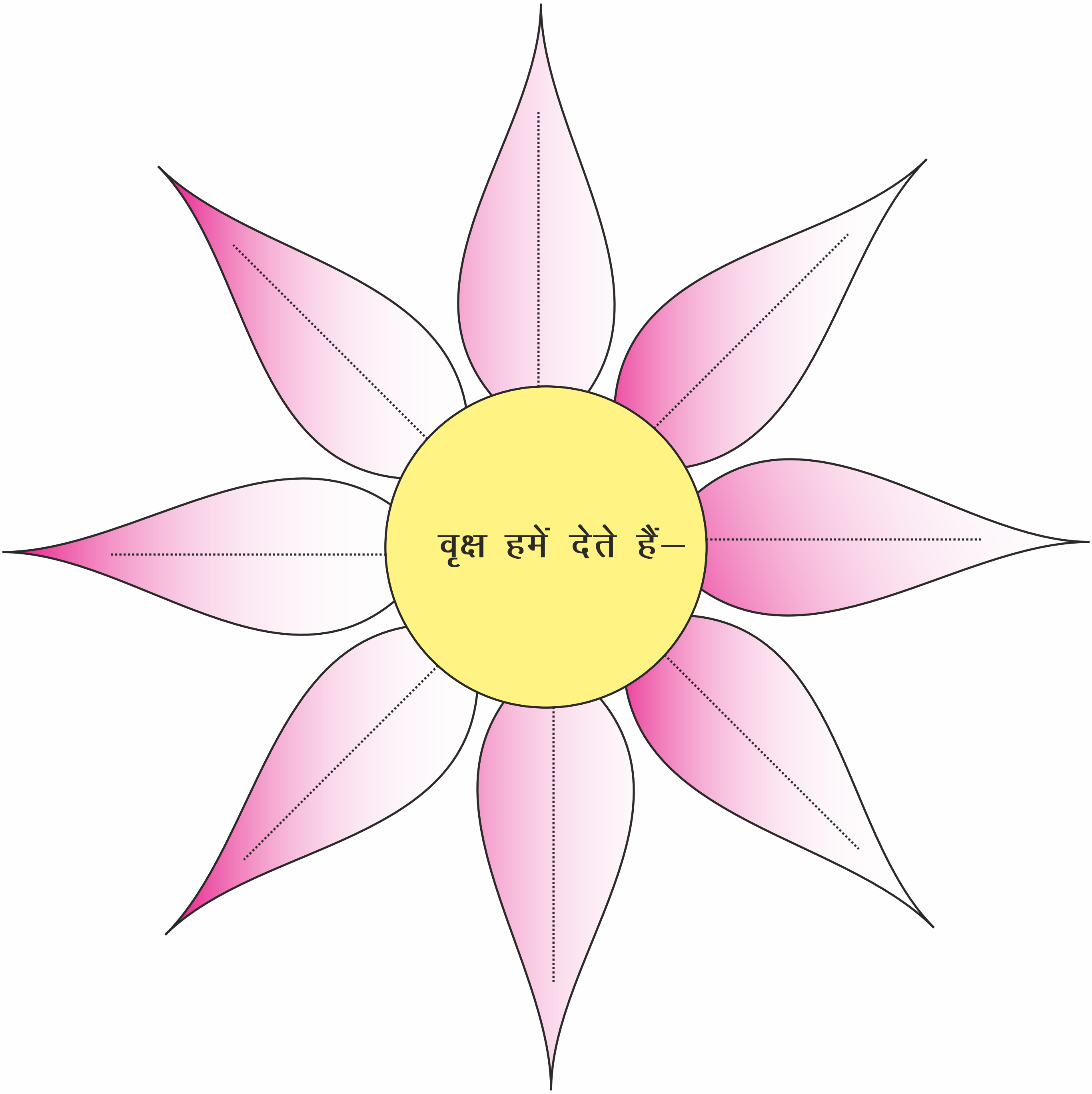

4. पेड़ों के संग बढ़ना सीखो

जरा सोचें, यदि आप किसी ऐसे आम के वृक्ष के नीचे खड़े हों, जो हम लोगों की तरह बातचीत करता है। आप उससे क्या–क्या बातें करेंगे?

....

....

....

....

....

बरगद और नीम में हो रही बातचीत को अपने शब्दों में पूरा कीजिए।

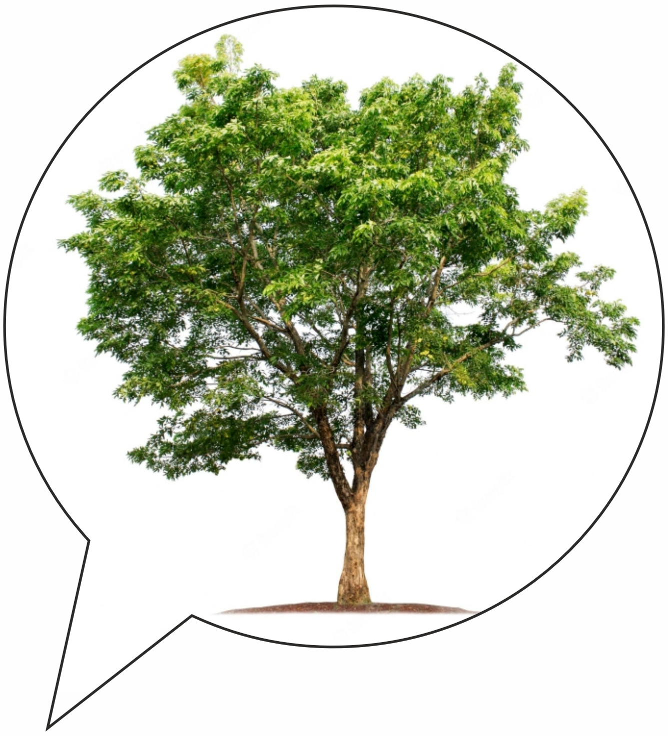

बरगद – नीम दीदी कैसी हो?

नीम – अरे! क्या बताएँ बरगद भइया...

बरगद – क्या हुआ दीदी?

नीम – ....

बरगद – ....

नीम – ....

बरगद – ....

नीम – ....

बरगद – ....

नीम – ....

अपराजिता का जीवन आपको कैसा लगा? यदि आप अपराजिता की जगह होते तो क्या करते?

....

....

....

....

....

....

....

चित्र देखकर अपने विचार लिखिए।

1. जरूरतमंद की सहायता करना

....

....

....

2. यातायात संकेतक का महत्त्व

....

....

....

3. दिव्यांगों के लिए विद्यालय में आवश्यक सुविधाएँ

....

....

....

दिए गए गद्यांश में उचित विराम–चिह्नों का प्रयोग कर नीचे पुनः लिखिए। (। , ' ' ?)

एक वर्ष का कष्टसाध्य उपचार चला और एक दिन स्वयं ही इसके ऊपरी धड़ में गति आ गई हाथ हिलने लगे नन्हीं उँगलियाँ मुझे बुलाने लगीं निर्जीव धड़ को मैंने सहारा देकर बैठना सिखा दिया पाँच वर्ष की हुई तो मैं ही इसकी स्कूल बनी मेधावी पुत्री की विलक्षण बुद्धि ने फिर मुझे चमत्कृत कर दिया सरस्वती स्वयं ही जैसे आकर जिह्वाग्र पर बैठ गई थीं। बंगलौर के प्रसिद्ध माउंट कारमेल में उसे प्रवेश दिलाने में मुझे कॉन्वेंट द्वार पर लगभग धरना ही देना पड़ा।

नहीं मिसेज सुब्रह्मण्यम् मदर ने कहा हमें आपसे पूरी सहानुभूति है पर आप ही सोचिए आपकी पुत्री की व्हीलचेयर कौन पूरे क्लास में घुमाता फिरेगा।

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्दों को 'विशेषण' कहते हैं। विशेषण चार प्रकार के होते हैं– गुणवाचक, संख्यावाचक, परिमाणबोधक एंव सार्वनामिक। बाक्स में दिए गए विशेषणों को छाँटकर उनके प्रकार वाले बॉक्स में लिखिए।

काला, मीठा, तीन पेड़, बत्तख, पाँच कलम, यह लड़की, भूरा, उसका चित्र, दो किलो, तीन मीटर, वह पेड़, एक लीटर

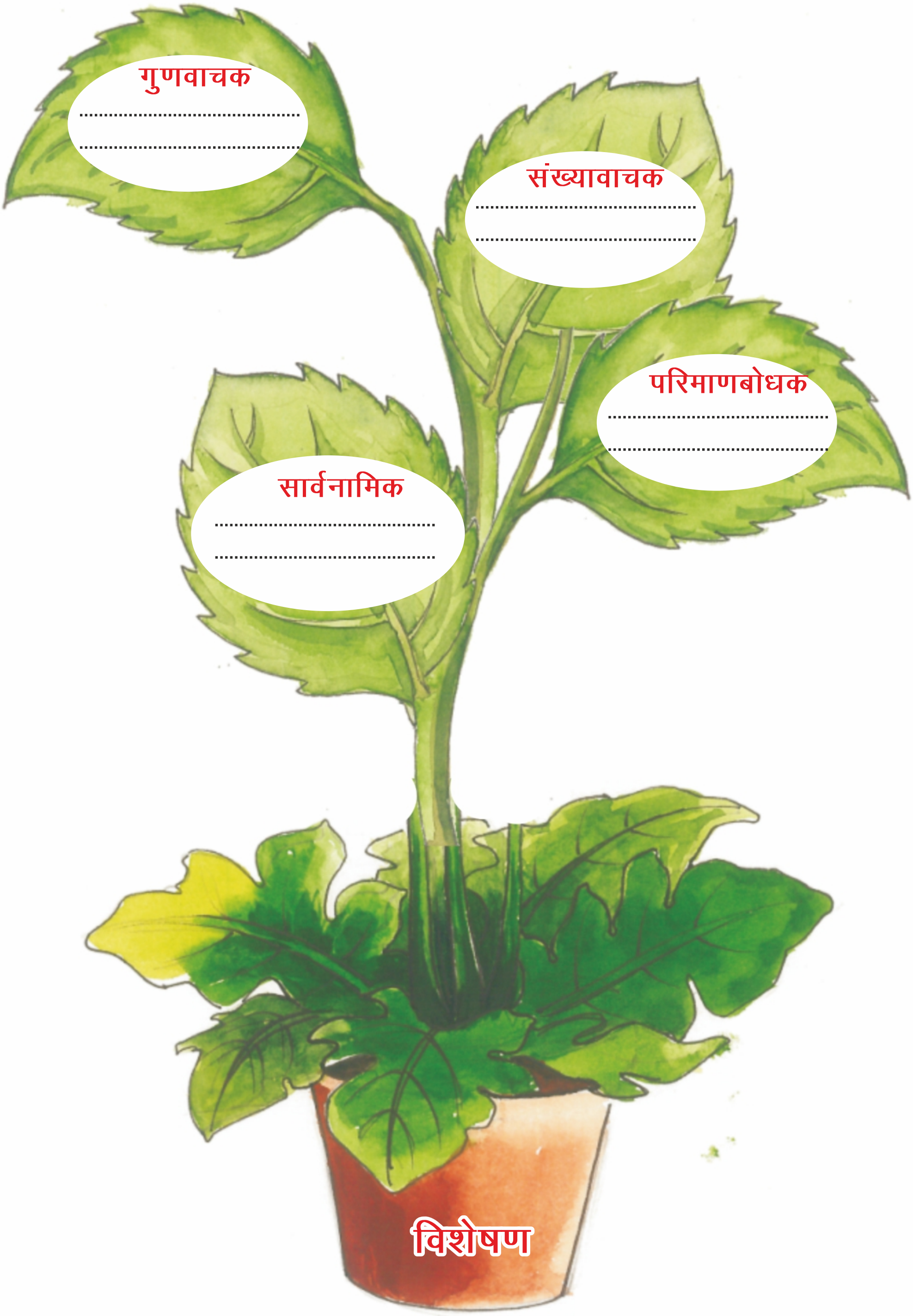

दिए गए वाक्यों में से विशेषण छाँटकर लिखिए।

वाक्य	विशेषण
1. घोड़ा काला है।	....
2. हाथी बहुत बड़ा है।	....
3. विद्यालय में पाँच कक्ष हैं।	....
4. दो बतख पानी में हैं।	....
5. राजू का घर बड़ा है।	....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

इन दिव्यांग खिलाड़ियों की उपलब्धियों के बारे में अपने शिक्षक की सहायता से लिखिए।

....
....
....
....

....
....
....
....

....
....
....
....

....
....
....
....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

कक्षा–8

6. बिहारी के दोहे

कार्यपत्रक–01

अपनी पाठ्य पुस्तक की सहायता से रिक्त स्थानों को पूरा कीजिए।

बिहारी लाल

जन्मस्थान व सन्

....

निवास–स्थान

....

किस राजा के दरबारी कवि रहे?

....

बिहारी लाल

रचनाओं की भाषा

....

काव्य–संग्रह

....

मृत्यु (सन्)

....

कक्षा–8

6. बिहारी के दोहे

कार्यपत्रक–02

दिए गए उदाहरण के आधार पर अलंकारों के वर्ग (शब्दालंकार, अर्थालंकार) लिखिए।

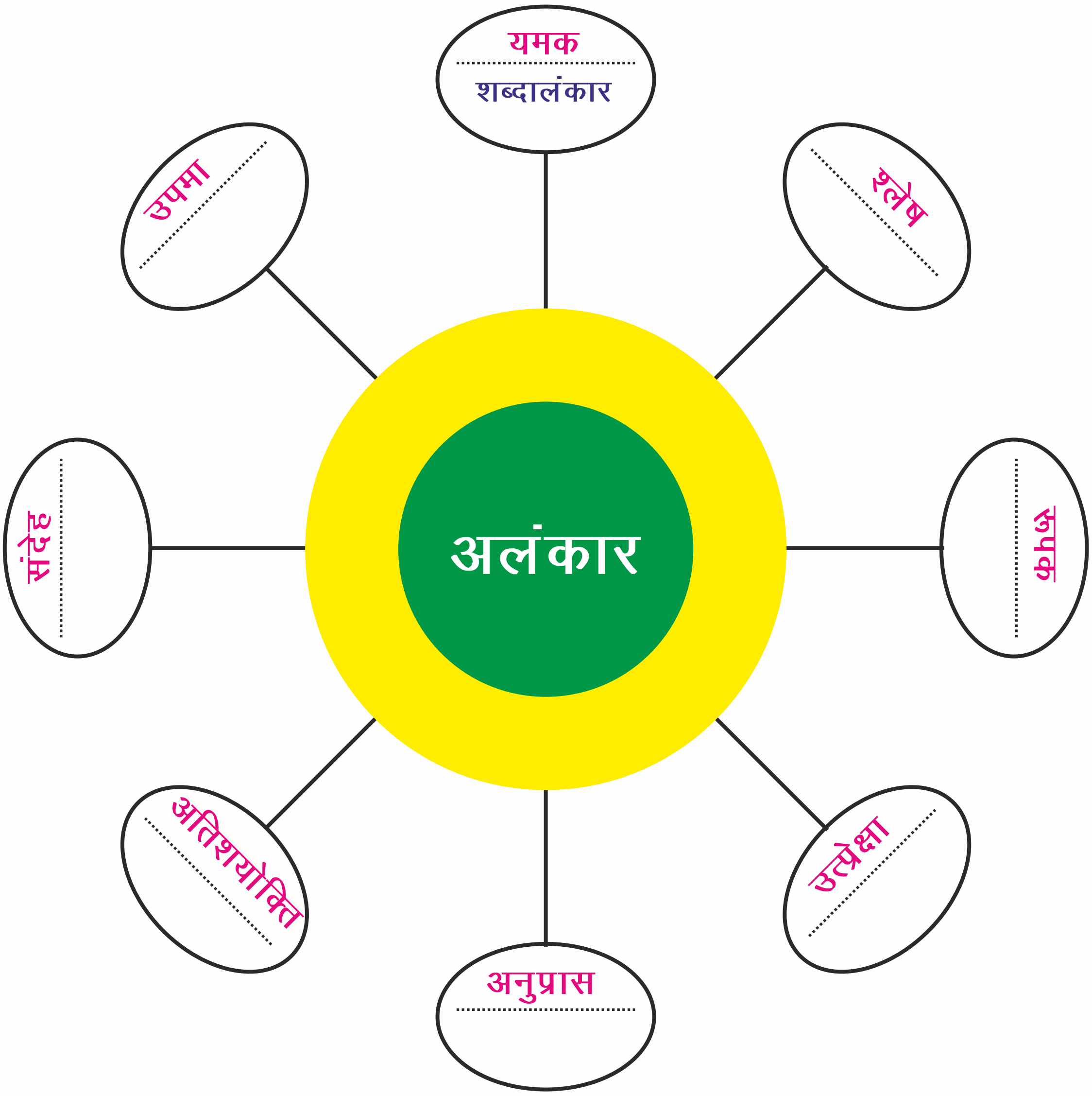

'तरनि तनूजा तट तमाल' में कौन–सा अलंकार है?

....

भारत की मुद्रा रुपया है। निम्नलिखित देशों में चलने वाली मुद्राओं के नाम लिखिए।

देश	मुद्रा
अमेरिका –	______
नेपाल –	______
रूस –	______
इंग्लैण्ड –	______
कंबोडिया –	______
जापान –	______
पाकिस्तान –	______
चीन –	______
श्रीलंका –	______

यदि आप जूलिया की जगह होते तो आप अपने मालिक के व्यवहार पर क्या उत्तर देते?

....

....

....

....

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

पाँच देशों की मुद्राओं को इंटरनेट, समाचार–पत्र या पत्रिका से चित्र काटकर चिपकाएँ और संबंधित देश का नाम लिखिए।

पाँच देशों की मुद्राओं के चित्र नीचे चिपकाएँ	देश का नाम
	....
	....
	....
	....
	....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

दो दिन का अवकाश प्राप्त करने के लिए अपने प्रधानाचार्य को एक प्रार्थना–पत्र लिखिए।

सेवा में, ... दिनांक ....

विषय ....

महोदय, ...

....

....

....

....

....

दिनांक ....

स्थान ....

आपका आज्ञाकारी

....

कोरोना महामारी विषय पर दो मित्रों के बीच संवाद (बातचीत)

नीलेश :– कैसी हो दोस्त! सुना है तुम्हें कोविड हुआ था।

भूमिका :– हाँ, परंतु मैंने समय पर उपचार लिया और सावधानियाँ रखी इसलिए मैं स्वस्थ हो गई।

नीलेश :– यह सुन कर अच्छा लगा कि तुम स्वस्थ हो गई हो।

भूमिका :– हाँ, किंतु कोरोना दिन–प्रतिदिन बढ़ता ही जा रहा है।

नीलेश :– इसलिए अभी भी सावधानी रखना आवश्यक है।

भूमिका ने कोविड के लक्षण एवं उससे बचने के बारे में कुछ उपायों की चर्चा नीलेश से की।

आप भी जानकारी प्राप्त कर उन लक्षणों एवं उपायों के बारे में लिखिए–

....

....

....

....

....

....

....

8. धानों का गीत

01. 'धानों का गीत' कविता किसने लिखी है।

....

02. 'धानों का गीत' के रचयिता के अन्य काव्य–संग्रह के नाम लिखिए।

....

....

03. धान से हम क्या–क्या प्राप्त करते हैं?

....

....

04. धान की खेती की पूरी प्रक्रिया लिखिए।

....

....

....

....

05. आपके आस–पास कौन–कौन–सी फसलें उगाई जाती हैं, उनके नाम और वे फसलें किस मौसम में होती हैं, लिखिए।

....

....

....

दी गई कविता पढ़ते हुए उससे संबंधित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

इसी मौसम में
खेतों में लहलहाती हैं गेहूँ की बालियाँ
घर आते हैं दाने गेहूँ के, सोना बनकर
इसी मौसम में
पेड़ों पर लद जाते हैं फल आम के
मंजरी से लेकर फल तक
खट्टे–मीठे फल तक
जीवन का उपदेश देता रहता वृक्ष आम का
इस मौसम में मीठा लगता है फल आम का
इसी मौसम में

(क) कविता में किस मौसम की बात की जा रही है?

....

(ख) गेहूँ, जौ, चना, मटर किस प्रकार की फसलें हैं?

....

(ग) पाँच तरह की दालों के नाम लिखिए।

....

आप अपने घर के किसी सदस्य से पूछकर कोई एक लोकगीत लिखिए।

....

....

....

....

....

....

कक्षा–8

8. धानों का गीत

कार्यपत्रक–03

दी गई वर्ग–तालिका से दाहिने से बाएँ एवं ऊपर से नीचे छाँटकर फूलों के नाम नीचे लिखिए।

म	ती	अ	धु	गु	अ	म	ल	ता	स	गा	ह
च	धु	के	प	ला	प	ल	ती	लि	रा	र	ल
पी	के	मा	सी	ब	रा	त	रा	नी	सि	स	गु
ग	रा	त	ल	दो	जि	नी	प	गा	ब	प	ल
रा	जि	ल	ब	ती	ता	हा	र	क	जु	से	मो
सी	पा	रि	जा	त	दो	कौ	क	म	ल	लि	ह
ज	थ	के	बु	हा	द	मौ	ल	श्री	ग	चे	र
गु	ल	दा	व	दी	न	स	प्त	प	र्णा	प	उ

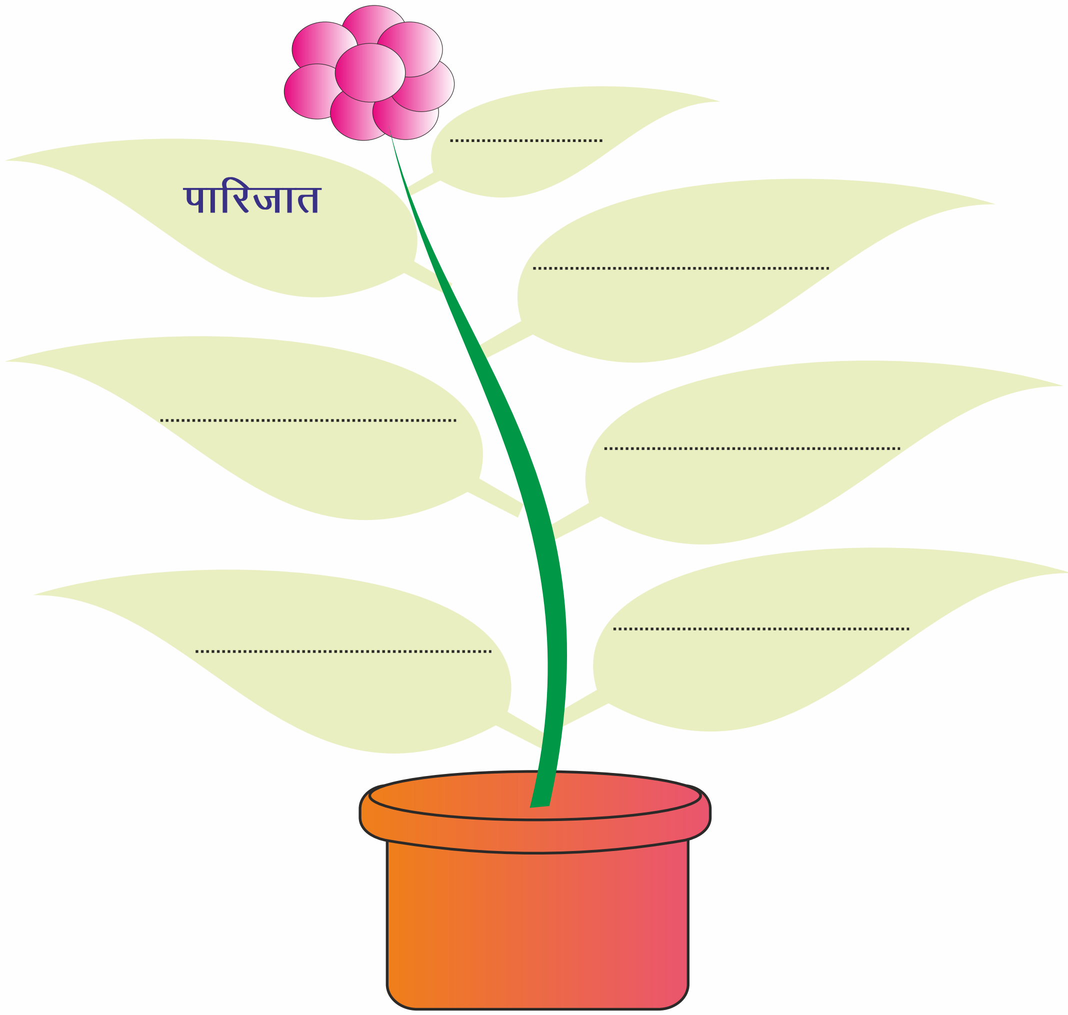

9. हिन्दी विश्वशान्ति की भाषा है

कार्यपत्रक–01

अपने परिवार/गाँव/समुदाय के किसी एक व्यक्ति/मित्र/माता–पिता/दादा–दादी से उनकी उम्र, स्वास्थ्य, खान–पान, पहनावा एवं गतिविधि पर प्रश्न पूछते हुए उनका साक्षात्कार लीजिए और उसे क्रमवार लिखिए।

किसका साक्षात्कार लेना है? ....

साक्षात्कार के प्रश्न–

प्रश्न 1. ....

उत्तर ....

प्रश्न 2. ....

उत्तर ....

प्रश्न 3. ....

उत्तर ....

प्रश्न 4. ....

उत्तर ....

प्रश्न 5. ....

उत्तर ....

पाठ की सहायता से निम्नलिखित शब्दों के बारे में लिखिए।

अनुवाद

....
....
....
....
....

लक्ष्य भाषा

....
....
....
....
....

स्रोत भाषा

....
....
....
....
....

दुभाषिया

....
....
....
....
....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

नीचे दिए गए अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

केंद्रीय हिंदी संस्थान भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के अधीन एक उच्चतर शैक्षणिक एवं शोध–संस्थान है। इसकी स्थापना सन् 1960 में हुई थी। इसका मुख्यालय आगरा में है। इसके आठ क्षेत्रीय केंद्र हैं– दिल्ली, हैदराबाद, गुवाहाटी, शिलांग, मैसूर, दीमापुर, भुवनेश्वर, अहमदाबाद। संस्थान का मुख्य कार्य हिंदी भाषा से संबंधित शैक्षणिक कार्यक्रम चलाना, शोध कार्य सम्पन्न कराना एवं हिंदी के प्रचार–प्रसार में अग्रणी भूमिका निभाना है।

केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा

01. केंद्रीय हिंदी संस्थान भारत सरकार के किस मंत्रालय के अधीन है?

....

02. केंद्रीय हिंदी संस्थान की स्थापना कब हुई थी?

....

03. केंद्रीय हिंदी संस्थान के कितने क्षेत्रीय कार्यालय हैं?

....

04. केंद्रीय हिंदी संस्थान का मुख्यालय किस राज्य में है?

....

9. हिन्दी विश्व शान्ति की भाषा है

नीचे दिए गए अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़िए और दिए गए प्रश्नों का उत्तर दीजिए।

हिन्दी विश्व की प्रमुख भाषाओं में से एक है। हिन्दी विश्व की प्रसिद्ध, समृद्ध और सरल भाषा है। यह भाषा हमारे सम्मान, स्वाभिमान और गर्व की भाषा है। अब धीरे–धीरे हिन्दी भाषा की विश्वव्यापी स्वीकृति होती जा रही है। विश्व के लगभग 150 से अधिक देशों के 200 से अधिक विश्वविद्यालयों में हिन्दी भाषा पढ़ाई जाती है, साथ ही सर्वाधिक बोली जाने वाली भाषाओं में हिन्दी का तीसरा स्थान है। हिन्दी और इसकी बोलियाँ भारत के अलावा फिजी, मॉरीशस, गुयाना, सूरीनाम, नेपाल और संयुक्त अरब अमीरात में भी बोली–समझी जाती हैं। हिन्दी की पाँच प्रमुख उपभाषाएँ हैं– पूर्वी हिन्दी, पश्चिमी हिन्दी, बिहारी, राजस्थानी और पहाड़ी। इन उपभाषाओं के अन्तर्गत कुल 18 बोलियाँ हैं।

01. उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

....

02. हिन्दी की कितनी उपभाषाएँ हैं?

....

03. हिन्दी की कुल कितनी बोलियाँ हैं?

....

04. हिन्दी भाषा, भारत के अलावा अन्य किन देशों में बोली–समझी जाती है?

....

05. हिन्दी की किन्हीं दो उपभाषाओं के नाम लिखिए।

....

....

दिनांक : .... शिक्षक हस्ताक्षर ....

10. भक्ति के पद

'बूडते गज ग्राह मार्‌यो, कियो बाहर नीर।'

उपर्युक्त पंक्ति से क्या आशय है? अपनी भाषा में लिखिए–

....

....

....

पाठ में संकलित भक्ति के पद में मीराबाई श्रीकृष्ण से क्या विनती कर रही हैं?

....

....

....

....

नीचे दिए रिक्त स्थानों में कुछ भक्तिकालीन कवियों के नाम लिखिए।

1. .... 3. ....

2. .... 4. ....

भक्तिकालीन कवियों के चित्रों को पहचानकर उनकी रचनाओं के नाम लिखिए।

....

....

....

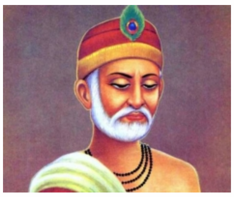

....

....

....

....

....

....

....

....

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

- 'विष का प्याला राणा जी ने भेज्यो, पीवत मीराँ हाँसी रे' पंक्ति में मीरा के जीवन–संघर्ष का संकेत किया गया है, मीराबाई के जीवन की इस घटना को लिखिए।

....

....

....

....

....

....

- 'द्रोपदी की लाज राखी, तुम बढ़ायो चीर' में किस कथा का उल्लेख है? शिक्षक की सहायता से जानकारी प्राप्त कर इसे लिखिए।

....

....

....

....

....

....

- भक्त प्रहलाद की रक्षा के लिए भगवान ने हिरण्यकश्यप का वध किया था। इसका संकेत 'हिरनकश्यप मार लीनो, धर्‌यो नाहिन धीर' में किया गया है। इस कथा को लिखिए।

....

....

....

....

....

....

कक्षा–8

10. भक्ति के पद

कार्यपत्रक–03

भक्तिकाल की मुख्य भाषा ब्रज एवं अवधी थी। नीचे दो पद दिए जा रहे हैं, जो इन दो भाषाओं से लिए गए हैं। पद पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(1)

''या लकुटी अरु कामरिया पर राज तिहूँ पुर को तजि डारों।
आठहुँ सिद्धि नवहुँ निधि को सुख नन्द की गाई चराइ बिसारों।
रसखानि कबौं इन आँखिन सो ब्रज के बन बाग तड़ाग निहारों।
कोटिक हौ कलधौत के धाम करील के कुंजन ऊपर वारों।''

01. इस पद के रचनाकार का नाम लिखिए।

....

02. यह पद हिन्दी की किस बोली में लिखा गया है?

....

03. 'तजि डारो' 'बिसारो' 'निहारो' 'वारो' क्रिया–पदों का अर्थ लिखिए।

....

(2)

गरल सुधा रिपु करहि मिताई।
गोपद सिंधु अनल सितलाई।।
बयरु न कर काहू सन कोई।
राम प्रताप विषमता खोई।।

04. उपर्युक्त पंक्तियों के रचनाकार का नाम लिखिए।

....

05. उपर्युक्त चौपाई किस बोली में लिखी गई है?

....

06. 'गरल' 'सुधा' 'रिपु' 'सिंधु' 'अनल' शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए।

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

रसखान (सैय्यद इब्राहिम) के बारे में कुछ पंक्तियाँ लिखिए।

....
....
....
....
....
....
....

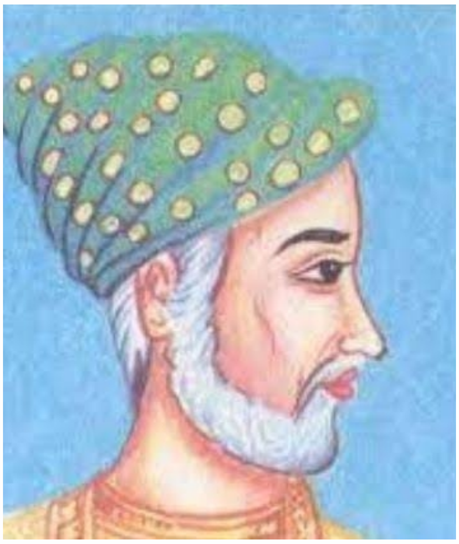

रसखान कृष्णभक्ति के प्रसिद्ध कवि हैं। इनकी रचनाओं के नाम लिखिए।

....
....

ब्रजभाषा के इन शब्दों के अर्थ लिखिए।

बिसारों – ....

निहारों – ....

नसैनी – ....

बसेरो – ....

11. आत्मनिर्भरता

सुबह से शाम तक आप क्या–क्या करते हैं? उन कार्यों की सूची बनाइए जिनको करने में आपको परिवार के अन्य सदस्यों की मदद लेनी होती है।

दिनचर्या –

....

....

....

....

कार्यों की सूची –	किसकी मदद लेते हैं?
1.	....
2.	....
3.	....
4.	....
5.	....

आपको अपने परिवार में आपकी कुछ आदतों पर तारीफ मिलती होगी और कुछ आदतों पर डाँट पड़ती होगी। दोनों तरह की आदतों के दो–दो उदाहरण लिखिए।

....

....

....

....

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

निम्नलिखित वाक्यों को पहचानकर उनके सम्मुख दिए गए खाली स्थान में उनकी श्रेणी (प्रधान वाक्य, आश्रित वाक्य) लिखिए।

(क) सत्या ने विजय से कहा कि क्या तुम दौड़ का अभ्यास करने जा रहे हो?

प्रधान वाक्य	आश्रित वाक्य
....	....
....	....

(ख) राधा ने अवन्तिका से कहा कि आज विद्यालय बंद है।

प्रधान वाक्य	आश्रित वाक्य
....	....
....	....

(ग) यह वही घड़ी है जिसे मैंने प्रयागराज से खरीदा था।

प्रधान वाक्य	आश्रित वाक्य
....	....
....	....

(घ) हम वाराणसी गए जिससे देव–दीपावली का आयोजन देख सकें।

प्रधान वाक्य	आश्रित वाक्य
....	....
....	....

(ङ) विद्वानों का यह कथन बहुत ठीक है कि 'नम्रता ही, स्वतंत्रता की धात्री है।'

प्रधान वाक्य	आश्रित वाक्य
....	....
....	....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

कक्षा–8

11. आत्मनिर्भरता

कार्यपत्रक–03

दिए गए विग्रह–पदों को पहचानकर सामासिक पद लिखिए।

समास विग्रह	समस्त पद
नौ ग्रहों का समूह	नवग्रह
अन्न और जल	....
बिना हिसाब के	....
हाथों के लिए कड़ी	....
नीला है जो अंबर	....
नदी और नाले	....
तीन भुजाओं का समूह	....
कमल के समान नयन	....
रसोई के लिए घर	....
सुख और दुख	....

निम्नलिखित शब्दों के उल्टे (विलोम) शब्द को लिखिए।

शब्द	विलोम
बंधन	....
राजतंत्र	....
लघु	....
बाढ़	....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

निम्नलिखित शब्दों को उनके सामासिक लक्षणों के आधार पर पहचान कर लिखिए।

कमलनयन, रोगमुक्त, तिरंगा, धन–दौलत, दशानन, बेहिसाब, शोकाकुल, पंचतंत्र, सुख–दुख, गिरिधर, प्राणप्रिय, यथाशक्ति, त्रिनेत्र, माता–पिता, परमानंद, बेमतलब, रेलयात्रा, नीलांबर, नर–नारी, भरसक, रोगमुक्त, स्वरचित, रसोईघर, नीलकंठ, त्रिभुज।

अव्ययीभाव

यथाशक्ति

....

....

तत्पुरुष

....

....

....

कर्मधारय

....

....

....

बहुव्रीहि

....

....

....

द्विगु

....

....

....

द्वंद्व

....

....

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

12. पहरुए सावधान रहना

देश की रक्षा के लिए सैनिक बनने का अवसर मिलने पर आपके मन में जो विचार आएँगे, उन्हें लिखिए।

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

हमें अपने दैनिक जीवन में (सड़क सुरक्षा, आपदा, भोजन करते समय, विद्यालय जाते समय, कक्षा–कक्ष में) क्या–क्या सावधानियाँ रखनी चाहिए? किसी एक के संबंध में लिखिए।

....

....

....

....

....

....

....

....

रिक्त पंक्तियों को लिखते हुए कविता पूर्ण कीजिए।

आज जीत की रात
पहरुए, सावधान रहना
खुले देश के द्वार
....।
प्रथम चरण है नये स्वर्ग का
है मंजिल का छोर
....।
पहली रत्न हिलोर
....।
जीवन मुक्ता डोर
क्योंकि नहीं, मिट पायी दुख की
विगत साँवली कोर।

कक्षा–8

12. पहरुए सावधान रहना

कार्यपत्रक–03

'पहरुए सावधान रहना' कविता का भावार्थ अपने शब्दों में लिखिए।

....

....

....

....

....

....

अपने घर/गाँव/नगर की समस्याएँ लिखिए। आप अपने स्तर से उन समस्याओं को दूर करने के लिए क्या–क्या कर सकते हैं?

समस्याएँ –

1. ....

2. ....

3. ....

4. ....

5. ....

समाधान –

1. ....

2. ....

3. ....

4. ....

5. ....

दिनांक : .... शिक्षक हस्ताक्षर ....

दिए गए अपठित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

मधुबन में ढेर सारे वृक्ष थे जिनका अपना ही औषधीय महत्त्व था। उन वृक्षों की पत्तियों, फूलों, छालों से तरह–तरह की दवाएँ बनाई जाती थीं। डॉ० रुचिका उन दवाओं से आस–पास के लोगों का इलाज करती थीं। लोगों की सेवा ही उनका एकमात्र उद्देश्य था। उसी गाँव में रहने वाली सरिता जी की छवि लोगों में कर्मठ एवं ईमानदार अध्यापिका की थी। एक बार गार्गी की तबियत अचानक खराब हो गई। वह बहुत घबरा गई थी। उनके मन में नकारात्मक विचार आने लगे। तभी गार्गी के साथी नीरज ने अपनी सूझ–बूझ का परिचय दिया और भागकर डॉ० रुचिका के पास पहुँचे। डॉ० रुचिका ने आस–पास के वृक्षों की सहायता से औषधि निर्माण कर सरिता जी को बचा लिया। अब डॉ० रूचिका के साथ नीरज और गार्गी जी ने भी लोगों की मदद करने की प्रतिज्ञा ले ली। धीरे–धीरे उनके कार्यों से गाँवों के सभी लोग स्वस्थ और शिक्षित हो गये।

01. उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

....

02. "वृक्ष हमें देते हैं सब कुछ, हम भी तो कुछ देना सीखें" कथन पर अपने विचार लिखिए।

....

03. ऐसे पौधों का नाम बताएँ जिनका प्रयोग हम औषधि के रूप में करते हैं।

....

04. डॉ० रुचिका के जीवन का क्या उद्देश्य था?

....

जंगल में पाए जाने वाले जानवरों के नाम लिखते हुए उनके चित्र (समाचार–पत्र, पत्रिका आदि से काटकर) चिपकाएँ।

....

....

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

निम्नलिखित वन्य जीव–विहार कहाँ स्थित हैं, लिखिए।

चन्द्रप्रभा वन्य जीव–विहार →	....
किशुनपुर वन्य जीव–विहार →	....
करतनिया वन्य जीव–विहार →	....
चम्बल वन्य जीव–विहार →	....
कछवा वन्य जीव–विहार →	....

यदि आपको कोई पशु पालना हो तो कौन–सा पशु पालेंगे और उसकी देखभाल किस प्रकार करेंगे?

....

....

....

....

....

....

....

....

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

वर्तमान समय में पर्यावरण–प्रदूषण के कारण कई पशु और पक्षी लुप्त होते जा रहे हैं। चित्र में दिए गए लुप्त हो रहे पशु–पक्षियों के नाम तथा उनके संरक्षण के उपाय भी लिखिए।

संरक्षण के उपाय ....

....

....

....

....

चिड़ियाघर के बारे में लिखिए।

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

14. कर्मवीर

कुछ काम करो, कुछ काम करो
जग में रहकर कुछ नाम करो
यह जन्म हुआ किस अर्थ अहो
समझो जिसमें यह व्यर्थ न हो
कुछ तो उपयुक्त करो तन को
नर हो, न निराश करो मन को

मैथिलीशरण गुप्त

01. उपर्युक्त कविता का भावार्थ अपने शब्दों में लिखिए।

....

....

....

....

02. कविता की पंक्ति 'जग में रहकर कुछ नाम करो' में कवि क्या कहना चाहते हैं? लिखिए।

....

....

....

03. कविता में आए तुकांत शब्दों को नीचे बने बॉक्स में लिखिए।

उपर्युक्त शब्दों में से प्रत्यय एवं उपसर्ग छाँटकर उसे उचित स्तंभ में लिखिए।

क्रम सं0	शब्द	उपसर्ग	प्रत्यय
1.	तैराक		
2.	अध्यक्ष		
3.	अवगुण		
4.	पढ़ाई		
5.	भगोड़ा		
6.	वीरता		
7.	कमजोर		
8.	इकहरा		
9.	गैरकानूनी		
10.	लिखावट		

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

14. कर्मवीर

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपनी पाठ्य पुस्तक के 'कर्मवीर' पाठ के आधार पर दीजिए।

प्रश्न 1. कर्मवीर कविता के कवि का नाम लिखिए।

....

प्रश्न 2. कवि का जन्म कब और कहाँ हुआ था?

....

प्रश्न 3. कवि ने कौन–से विश्वविद्यालय में शिक्षक के रूप में कार्य किया है?

....

प्रश्न 4. हिन्दी खड़ी बोली के प्रथम महाकाव्य का नाम लिखिए।

....

प्रश्न 5. कर्मवीर किसे कहा जाता है? आपके विचार में एक कर्मवीर में कौन–कौन–से गुण होने चाहिए? लिखिए।

....

....

....

....

....

....

प्रश्न 6. जीवन के विविध क्षेत्रों में अति विशिष्टता प्राप्त महिलाओं के नाम शिक्षक की सहायता से लिखिए।

....

....

....

....

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

14. कर्मवीर

नीचे दिए गए स्थान पर स्त्रीलिंग और पुल्लिंग से संबंधित चित्र चिपकाइए।

चित्र	चित्र

निम्नलिखित स्त्रीलिंग शब्द के पुल्लिंग शब्द लिखिए।

1. माता – ....
2. आयुष्मती – ....
3. कवयित्री – ....
4. गायिका – ....
5. गुड़िया – ....
6. डिबिया – ....
7. धनवती – ....
8. भवदीया – ....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

15. एक स्त्री का पत्र

पाठ में आए हुए कुछ शब्द नीचे दिए गए हैं। इनका अर्थ लिखते हुए वाक्य में प्रयोग कीजिए।

शब्द	अर्थ	वाक्य में प्रयोग
सकुचाना		
मुश्किल		
पीहर		
रीति–रिवाज		
करुणा		
आश्रय		

रवीन्द्रनाथ टैगोर का जन्म कब और कहाँ हुआ था? इनकी पाँच रचनाओं के नाम लिखिए।

जन्म ....

जन्मस्थान ....

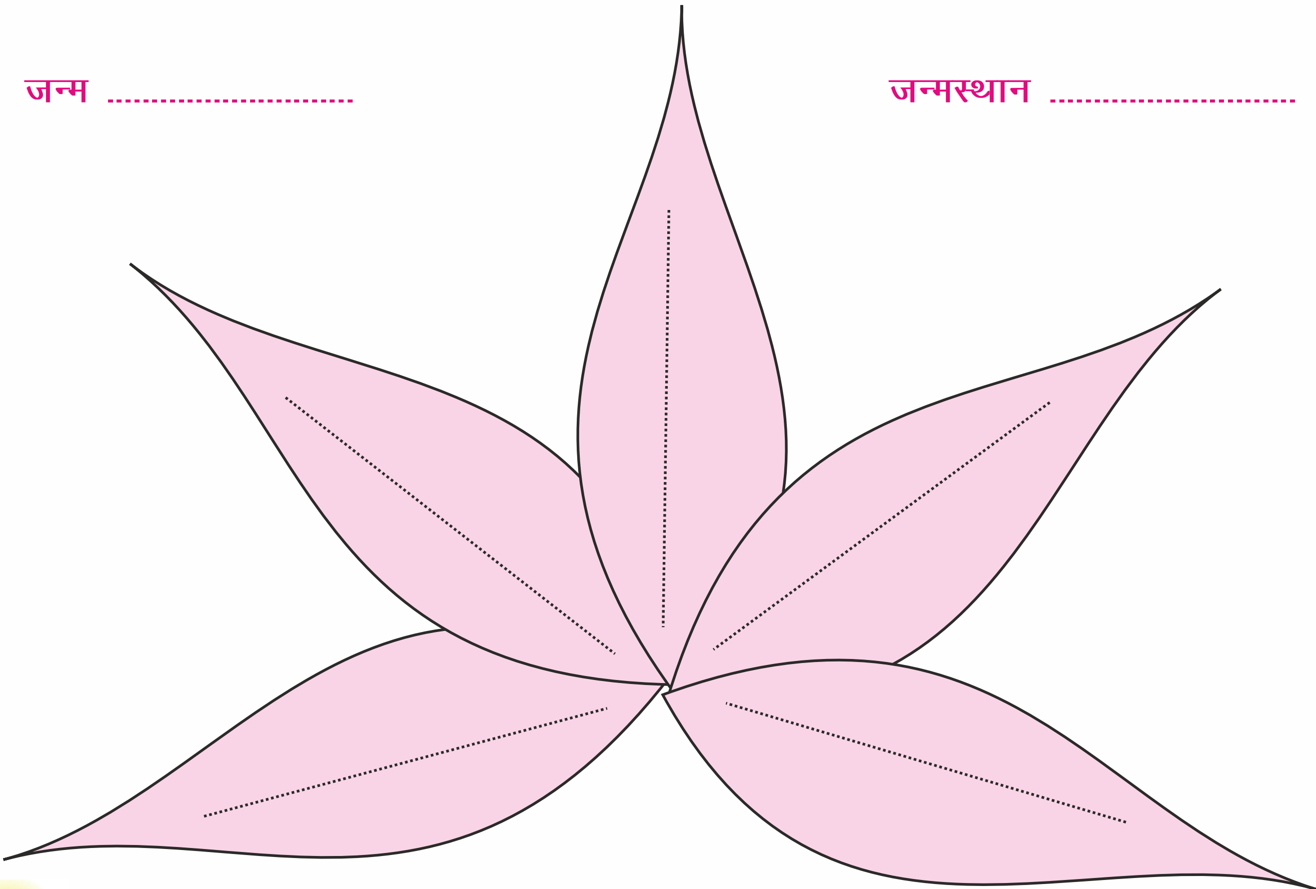

रवीन्द्रनाथ टैगोर को सन् 1913 ई0 में साहित्य का नोबेल पुरस्कार इनकी पुस्तक 'गीतांजलि' के लिए दिया गया था। नीचे कुछ अन्य महापुरुषों के नाम दिए गए हैं। उनके सामने संबंधित क्षेत्र का नाम, जिसके लिए उनको पुरस्कार मिला, लिखिए। (शिक्षक की सहायता से लिखिए)

नाम	क्षेत्र	कार्य
रवीन्द्रनाथ टैगोर	साहित्य में	गीतांजलि
कैलाश सत्यार्थी		
वी0एस0नायपाल		
चन्द्रशेखर वेंकटरमन		
हरगोविन्द खुराना		
मदर टेरेसा		
सुब्रमण्यम चन्द्रशेखर		

भारत के 5 राष्ट्रीय पुरस्कारों के नाम लिखिए और उनको किन–किन क्षेत्रों में दिया जाता है, लिखकर बताइए।

पुरस्कार	क्षेत्र
1.	
2.	
3.	
4.	
5.	

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

15. एक स्त्री का पत्र

आप एक पत्र के द्वारा अपने भाई/बहन अथवा किसी रिश्तेदार को यात्रा के दौरान अपनाई जाने वाली सावधानियाँ बताइए।

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

15. एक स्त्री का पत्र

एक प्रार्थना–पत्र गाँव के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के डॉक्टर को लिखकर संचारी रोगों से बचाव के बारे में पूछिए।

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

बिन्दू ने आत्महत्या क्यों की? मृणाल को उसके ससुराल वालों पर क्या कार्यवाही करनी चाहिए थी?

....

....

....

....

....

....

दूर रह रहे सगे संबंधियों एवं रिश्तेदारों से जिस माध्यम से आप बातचीत एवं संदेशों का आदान–प्रदान करते हैं, उनमें से किसी एक माध्यम का सचित्र वर्णन कीजिए।

....

....

....

....

....

....

किसी वस्तु, घटना या भाव का कम से कम शब्दों में मर्मस्पर्शी, भावपूर्ण एवं सजीव अंकन ही 'रेखाचित्र' है। यह अंग्रेजी के 'स्केच' शब्द का अनुवाद है। यह रेखा और चित्र इन दो शब्दों के योग से बना है। इस विधा में क्रमबद्धता का ध्यान रखकर किसी व्यक्ति या प्राणी की आकृति, उसकी चाल और स्वभाव की विशेषताओं का सजीव चित्रण किया जाता है।

अपने घर के किसी पालतू जानवर या पक्षी के बारे में लिखिए।

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

दिनांक : .... शिक्षक हस्ताक्षर ....

कक्षा–8

16. सोना

कार्यपत्रक–02

समाज के प्रति आप भविष्य में क्या–क्या कार्य करेंगे, लिखिए।

....

....

....

....

....

....

....

....

....

अपने प्रिय मित्र के बारे में 10 अच्छी बातें लिखिए–

1. ....
2. ....
3. ....
4. ....
5. ....
6. ....
7. ....
8. ....
9. ....
10. ....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

यदि आपको एक दिन के लिए पक्षी बनने का अवसर मिले तो आप कौन–सा पक्षी बनना पसंद करेंगे और उस दिन आप क्या–क्या करेंगे? सचित्र वर्णन कीजिए।

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

पक्षी का चित्र

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

17. अमरकंटक से डिंडौरी

'अमरकंटक से डिंडौरी' नामक पाठ आपने पढ़ा! पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

....

....

....

....

....

....

....

....

....

क्या आप अपने परिवार या दोस्तों के साथ कहीं घूमने गए हैं? उस यात्रा का वर्णन अपने शब्दों में लिखिए।

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

कक्षा–8

17. अमरकंटक से डिंडौरी

कार्यपत्रक–02

उत्तर प्रदेश राज्य के कुछ शहरों के नाम लिखिए जो विभिन्न नदियों के किनारे बसे हैं।

....

....

....

....

....

पोखरे, तालाब एवं नदियों के प्रदूषित होने के कारण तथा बचाव के उपाय लिखिए।

....

....

....

....

....

....

....

'जल ही जीवन है' कथन पर अपने विचार लिखिए।

....

....

....

....

....

....

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

आप अपने सहपाठियों/मित्रों के साथ किस प्रकार का व्यवहार करते हैं? स्वस्थ प्रतिस्पर्द्धा के लिए क्या करना चाहिए?

....

....

....

....

....

....

....

दी गई कविता की पंक्तियों का भावार्थ अपने शब्दों में लिखिए –

बह चले झोंके कि काँपे .... घोसलों पर क्या न बीती!

....

....

....

....

....

....

....

....

....

18. नीड़ का निर्माण फिर–फिर

पुनरुक्त शब्द – दो शब्दों से मिलकर बना है– पुनः + उक्त जिसका अर्थ है – आवृत्ति, पुनरावृत्ति या दुहराना।
जैसे – धीर–धीरे, रुक–रुक कर, चलते–चलते इत्यादि।

रात के उत्पात–भय से
भीत जन–जन, भीत कण–कण,
किन्तु प्राची से उषा की
मोहिनी मुस्कान फिर–फिर
नीड़ का निर्माण फिर–फिर
नेह का आह्वान फिर–फिर

कविता में आए पुनरुक्त शब्दों को छाँटिए और नीचे लिखिए।

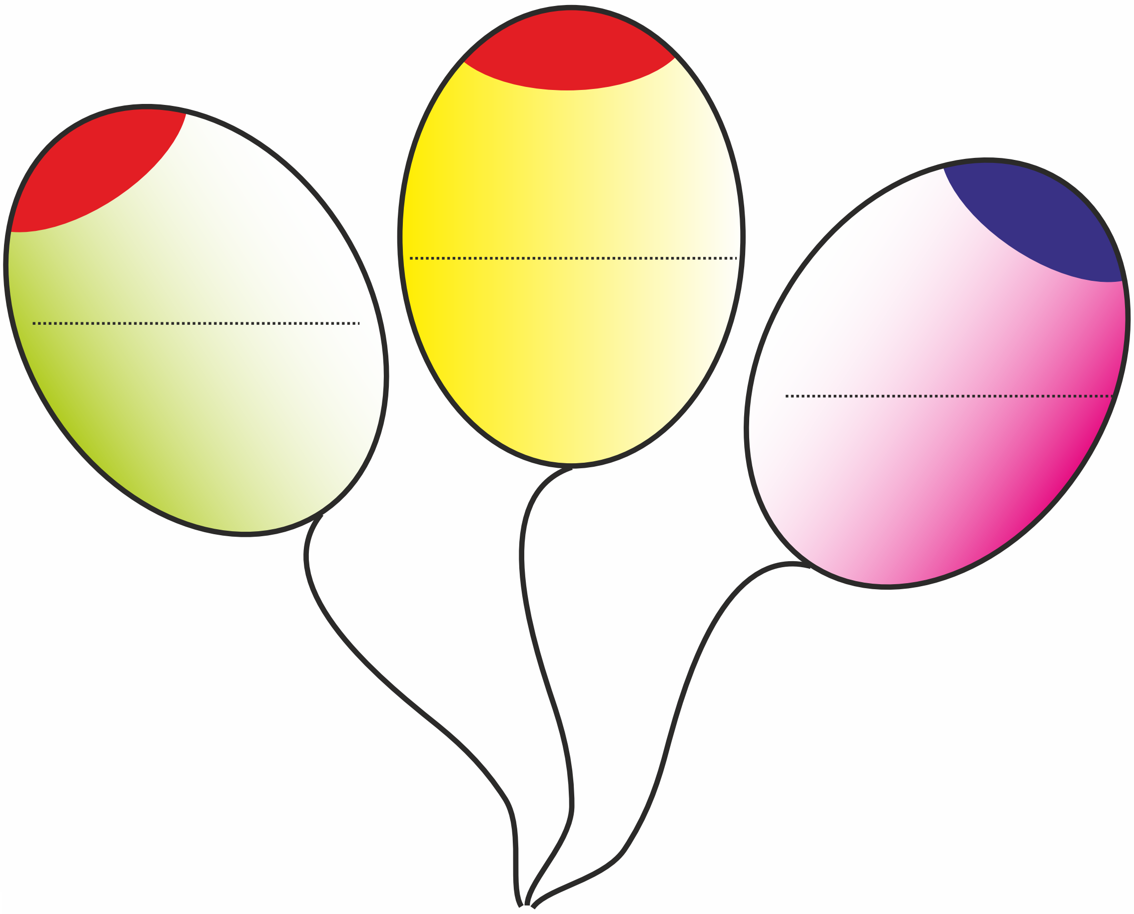

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

दिए गए शब्दों की सहायता से एक कविता/कहानी का निर्माण कीजिए तथा उसका शीर्षक भी लिखिए।

नदी, गंगा, पर्वत, श्रेणी, खाई, वृक्ष, कल–कल, अविरल, उथल–पुथल

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

19. जब मैंने पहली पुस्तक खरीदी

नीचे दिए गए अनुच्छेद को पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रयागराज भारत के प्रख्यात शिक्षा केन्द्रों में एक रहा है। ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा स्थापित पब्लिक लाइब्रेरी से लेकर महामना मदन मोहन मालवीय द्वारा स्थापित भारती भवन तक। अपने मुहल्ले में एक लाइब्रेरी थी हरि भवन। स्कूल से छुट्टी मिली कि मैं उसमें जाकर जम जाता था। पिता दिवंगत हो चुके थे, लाइब्रेरी का चंदा चुकाने का पैसा नहीं था, अतः वहीं बैठकर किताबें निकलवा कर पढ़ता रहता था। अपने छोटे से हरि भवन में खूब उपन्यास थे। वहीं परिचय हुआ बंकिमचन्द्र चट्टोपाध्याय की 'दुर्गेशनन्दिनी', 'कपाल कुंडला' और 'आनन्द मठ' से। टॉलस्टाय की 'अन्ना करेनिना' विक्टरह्यूगो का 'पेरिस का कुबड़ा' गोर्की की 'मदर' और सबसे मनोरंजन सर्वा–रीज का 'विचित्र वीर'।

01. लेखक के मुहल्ले में कौन–सी लाइब्रेरी थी?

....

02. 'कपाल कुंडला' और 'आनंद मठ' किसने लिखी?

....

03. लेखक लाइब्रेरी में ही बैठकर क्यों पढ़ते थे?

....

04. भारत का प्रख्यात शिक्षा–केन्द्र कौन–सा है?

....

05. 'भारती भवन' की स्थापना किसने की?

....

19. जब मैंने पहली पुस्तक खरीदी

आप अपने विद्यालय के पुस्तकालय में संकलित 10 पुस्तकों एवं उनके लेखकों के नाम लिखिए।

	पुस्तक	लेखक
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		

'पुस्तकें हमारी सबसे अच्छी दोस्त होती हैं' इस कथन पर अपने विचार लिखिए।

....

....

....

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

19. जब मैंने पहली पुस्तक खरीदी

पुस्तक मनुष्य के जीवन में एक अच्छे दोस्त की भूमिका निभाती है। पुस्तक ही वह खजाना है, जहाँ से जितना चाहो उतना ज्ञान हासिल कर सकते हो। पुस्तकें हमारे दिन–प्रतिदिन के अस्तित्व में सबसे अच्छी दोस्त हैं, उन्होंने हमें कभी अकेले नहीं रहने दिया और हमारे सबसे करीबी साथी के समान बनी रही। जब भी हमें उनकी आवश्यकता होती है, वे हमारे लिए उपलब्ध होती हैं। पुस्तकें हमें अपने सामान्य परिवेश को समझने और अच्छे और बुरे के बीच भेद करने में मदद करती हैं। पुस्तकों को समझकर कुछ अच्छी बातें अपने जीवन में उतारकर हम और बेहतर बनते हैं। ये हमें एक काल्पनिक दुनिया में ले जाती हैं और इन्हें पढ़कर हम बहुत अच्छा महसूस करते हैं।

उपर्युक्त अपठित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

01. उपर्युक्त अपठित गद्यांश का शीर्षक लिखिए।

....

....

02. पुस्तकों का हमारे जीवन में क्या महत्त्व है?

....

....

....

....

03. आपका सबसे अच्छा साथी कौन है? और क्यों?

....

....

04. अच्छे एवं बुरे कार्यों में भेद करने में पुस्तक कैसे मदद करती है?

....

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

आपके अनुसार पुस्तकालय में कौन–कौन–सी पुस्तकें होनी चाहिए और क्यों होनी चाहिए? इस पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

....

....

....

....

....

'मेरी प्रिय पुस्तक' पर निबंध लिखिए।

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

प्रश्न 1. रानी लक्ष्मीबाई का जन्म कब और कहाँ हुआ था?

....

....

प्रश्न 2. सिपाहियों को जब लगा कि झाँसी अंग्रेजों के हाथ लग जाएगी तो उन्होंने क्या किया?

....

....

....

....

....

....

....

प्रश्न 3. झाँसी की रानी के जीवन की कहानी संक्षेप में लिखिए।

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

झाँसी की रानी से अंग्रेज क्यों युद्ध करना चाहते थे, अपने शब्दों में लिखिए–

....

....

....

....

....

....

भारत की स्वतंत्रता में प्रमुख दस आंदोलनों की क्रमबद्ध सूची बनाएँ तथा उसके प्रमुख प्रणेता को उसके सम्मुख लिखिए।

आंदोलन	प्रमुख प्रणेता
1.	....
2.	....
3.	....
4.	....
5.	....
6.	....
7.	....
8.	....
9.	....
10.	....

20. झाँसी की रानी

स्वतंत्रता–संग्राम आन्दोलन के दस स्वतंत्रता सेनानियों की फोटो इंटरनेट, समाचार–पत्र, पत्रिका से लेकर नीचे चिपकाइए और उनके नाम भी लिखिए।

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

कक्षा—8

20. झाँसी की रानी

कार्यपत्रक—04

"मेरी देह को अंग्रेज न छूने पावें" यह कथन किसने कहा और क्यों कहा?

....

....

नीचे लिखे गद्यांश में रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

महारानी लक्ष्मीबाई का जन्म एक महाराष्ट्रियन ब्राह्मण परिवार में सन् .... में हुआ था, जिसे अब .... के नाम से जाना जाता है। उनके पिता .... बिठुर में .... में पेशवा थे। रानी लक्ष्मीबाई के बचपन का नाम .... रखा गया और परिवार के सदस्य प्यार से उन्हें .... कहकर पुकारते थे।

निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए—

शब्द	विलोम
सूर्यास्त	....
अविलम्ब	....
असुरक्षित	....
नायक	....

20. झाँसी की रानी

स्वतंत्रता आंदोलन के 5 महिला क्रांतिकारियों की सूची बनाइए तथा उनसे संबंधित घटनाओं के नाम लिखिए।

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

01. रानी लक्ष्मीबाई को लक्ष्मी या दुर्गा का अवतार क्यों कहा गया है?

02. झाँसी की रानी वीरता का पर्याय है। कुछ अन्य भारतीय वीरांगनाओं के नाम अपने शिक्षक की मदद से लिखिए।

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

कक्षा–8

21. बस की यात्रा

कार्यपत्रक–01

पाठ में आए निम्नलिखित वाक्यों के अर्थ समझकर लिखिए। साथ ही यह भी स्पष्ट कीजिए कि किस परिप्रेक्ष्य में इनका उपयोग किया गया है।

1. बस डाकिन है – ....

2. खूब वयोवृद्ध थी – ....

3. हमें बेटों की तरह प्यार से गोद में लेकर चलेगी।

....

....

4. आना–जाना तो लगा ही रहता है। आया है, सो जाएगा – राजा, रंक, फकीर।

....

....

5. हम इंजन के भीतर बैठे हैं।

....

6. पूरी बस सविनय अवज्ञा आंदोलन के दौर से गुजर रही थी।

....

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

शिक्षक की सहायता से व्यंग्य विधा के कुछ रचनाकारों के नाम लिखिए।

....

....

....

....

....

....

....

नीचे दिए गए व्यंग्य की पंक्तियों के भाव अपने शब्दों में लिखिए।

एक आदमी रोटी बेलता है, एक आदमी रोटी खाता है, एक तीसरा आदमी भी है, जो न रोटी बेलता है न ही रोटी खाता है वह सिर्फ रोटी से खेलता है।
मैं पूछता हूँ – यह तीसरा आदमी कौन है, मेरे देश की संसद मौन है।

धूमिल (संसद से सड़क तक)

....

....

....

....

व्यंग्य विधा से आप क्या समझते हैं, शिक्षक की सहायता से लिखिए।

....

....

....

....

....

निम्नलिखित त्योहारों पर बनने वाले व्यंजनों–पकवानों के नाम और उनके बनाने की विधि लिखिए।

होली –

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

दीपावली –

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

ईद –

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

मकर संक्रान्ति –

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

अपनी पसंद के किसी एक व्यंजन को बनाने की विधि लिखिए।

आवश्यक सामग्री – ....

....

....

विधि – ....

....

....

....

....

....

....

....

संतुलित आहार में पाए जाने वाले पोषक तत्वों का स्वस्थ शरीर के निर्माण में क्या योगदान है?

....

....

....

....

....

....

....

....

....

दिनांक : .... शिक्षक हस्ताक्षर ....

कक्षा–8

22. खान–पान की बदलती तस्वीर

कार्यपत्रक–04

भारतीय व्यंजनों की सूची बनाइए और लिखिए कि वे मुख्य रूप से किस राज्य से संबंधित हैं।

व्यंजनों के नाम	संबंधित राज्य
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

रसोईघर में प्रयोग किए जाने वाले निम्नलिखित मसालों को पहचानिए तथा इनके बारे में अपने अभिभावकों से पूछकर लिखिए कि इनका प्रयोग घरेलू औषधि के रुप में किन बीमारियों के उपचार करने के लिए किया जाता है।

कक्षा–8

प्रथमः पाठः
भोजस्य राज्यप्राप्तिः

कार्यपत्रक–01

मंजूषा से उचित पदों को चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए –

राज्यभारं, पंचवर्षीयः, मुंजमवदत्, प्रजाः, आत्मनः,

पुरा धाराराज्ये सिन्धुलनामकः राजा चिरं .... पर्यपालयत्। तस्य .... भोजः इति पुत्रः अजायत्। स यदा .... आसीत् तदा तस्य पिता .... जरां ज्ञात्वा अनुजं महाबलं .... "त्वं मम पुत्रं भोजं परिपालय। अपि च यावद् असौ .... वोढुम् अक्षमः तावत् त्वमेव राज्यं कुरु।"

2. उदाहरण के अनुसार क्रिया–पद के रूपों को लिखिए–

उदाहरण –

1. अहं ....पठामि...............	पठ्
2. बालकः	लिख्
3. सः	पिब्
4. रमेशः	धाव्
5. त्वं	गच्छ्
6. युवां	हस्
7. शिष्यः	नम्
8. आवां	पश्य
9. अश्वः	धाव्
10. गजौ	चल्

कक्षा—8

प्रथमः पाठः
भोजस्य राज्यप्राप्तिः

कार्यपत्रक—02

उदाहरण के अनुसार चक्र में प्रदत्त शब्दों के उचित रूप का प्रयोग कर वाक्य बनाइए —

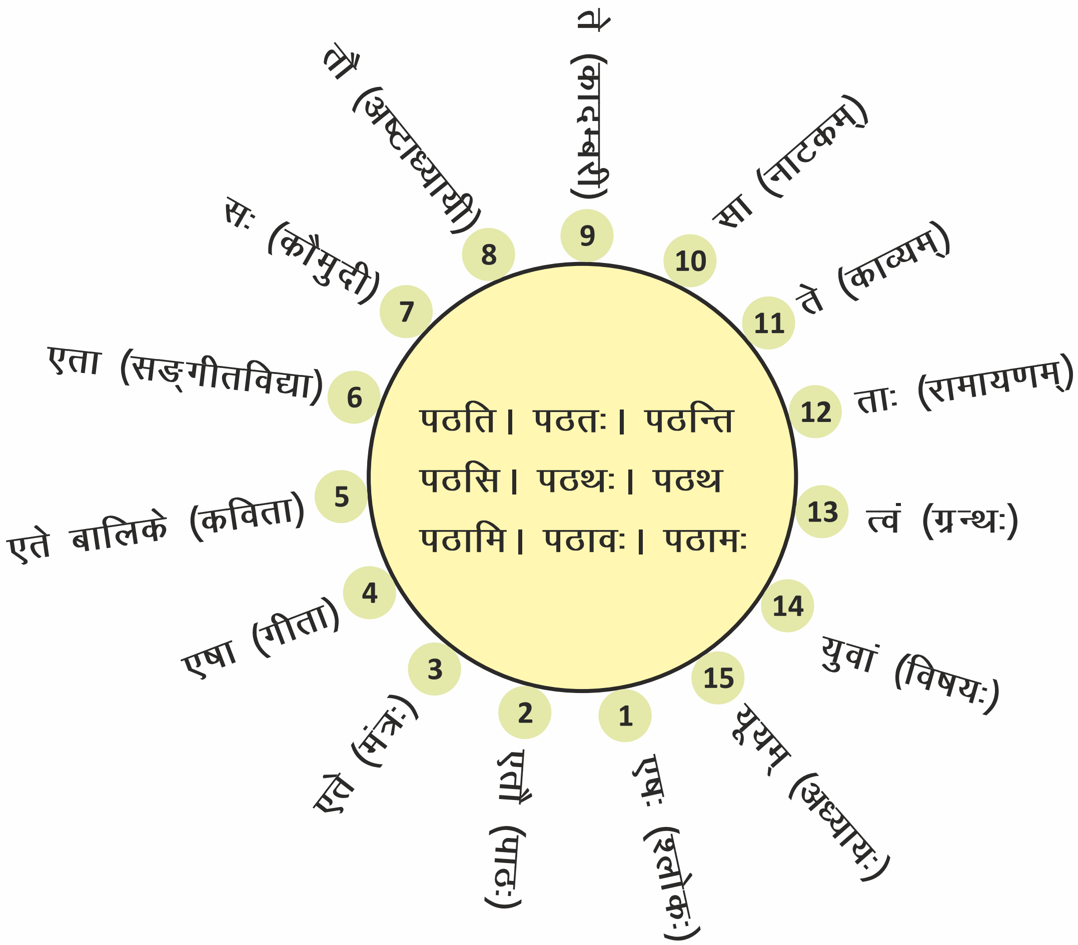

उदाहरण 1. एषः श्लोकं पठति।

2. ....

3. ....

4. ....

5. ....

6. ....

7. ....

8. ....

9. ....

10. ....

11. ....

12. ....

13. ....

14. ....

15. ....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

निम्नलिखित कथन को किसने, किससे कहा है? लिखिए–

1. त्वं मम पुत्रं भोजं परिपालय। .... ने .... से
2. त्वमेव राज्यं कुरु। .... ने .... से
3. भोजं हत्वा तस्य शिरः मह्यम् देहि। .... ने .... से
4. ''राजा भवतः वधः आदिष्टः'' इति। .... ने .... से
5. श्रीमता यद् आदिष्टं तत् साधितम्। .... ने .... से

नीचे दिए गए श्लोक का भावार्थ अपने शब्दों में लिखिए–

मान्धाता च महीपतिः कृतयुगालङ्कारभूतो गतः।
सेतुर्येन महोदधौ विरचितः क्वासौ दशस्यान्तकः।
अन्ये चापि युधिष्ठिरप्रभृतयो याता दिवं भूपते।
नैकेनापि समं गता वसुमती नूनं! त्वया यास्यति।।

....

....

....

....

....

....

....

....

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

नीचे दिए गए धातु—रूप को उदाहरण के अनुसार पूरा कीजिए—

उदाहरण —

गम् (गच्छ) धातु

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष मध्यम पुरुष उत्तम पुरुष	अगच्छत् अगच्छः अगच्छम्	अगच्छताम् अगच्छतम् अगच्छाव	अगच्छन् अगच्छत् अगच्छाम

हस् धातु (हँसना)

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	....	....	....
मध्यम पुरुष	....	....	....
उत्तम पुरुष	....	....	....

पिब् धातु (पीना)

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	....	....	....
मध्यम पुरुष	....	....	....
उत्तम पुरुष	....	....	....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

संधि कीजिए–

यथा– 1. अति + उत्तमः = ...अत्युत्तमः....

2. इति + अत्र = ...

3. अनु + अयः = ...

4. मधु + अरिः = ...

5. पितृ + आकृतिः = ...

6. अति + उत्तमः = ...

7. सु + आगतम् = ...

8. मातृ + आदेशः = ...

नीचे दिए गए शब्दों का संधि–विच्छेद कीजिए–

यथा– 1. मात्राज्ञा = ...मातृ.... + ...आज्ञा....

2. इत्यादि = ... + ...

3. प्रत्युत्तरः = ... + ...

4. अन्वेषणः = ... + ...

5. अन्वयः = ... + ...

6. गुर्वादेशः = ... + ...

7. इत्यलम् = ... + ...

कक्षा—8

द्वितीयः पाठः
बाल—प्रतिज्ञा

कार्यपत्रक—01

'बाल प्रतिज्ञा' पाठ के आधार पर अच्छी संगति से होने वाले लाभ के बारे में दस पंक्तियाँ लिखिए—

1. ....
2. ....
3. ....
4. ....
5. ....
6. ....
7. ....
8. ....
9. ....
10. ....

निम्नलिखित पंक्तियों का भावार्थ दिए गए रिक्त स्थान में लिखिए—

करिष्यामि नो सङ्गतिं दुर्जनानाम्
करिष्यामि सत्सङ्गतिं सज्जनानाम्।
धरिष्यामि पादौ सदा सत्यमार्गे
चलिष्यामि नाहं कदाचित् कुमार्गे।।

....
....
....
....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

नीचे दिए गए धातु–रूप को उदाहरण के अनुसार पूरा कीजिए –

लृट् लकार (भविष्यत् काल)

उदाहरण–

पठ् धातु (पढ़ना)

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	पठिष्यति	पठिष्यतः	पठिष्यन्ति
मध्यम पुरुष	पठिष्यसि	पठिष्यथः	पठिष्यथ
उत्तम पुरुष	पठिष्यामि	पठिष्यावः	पठिष्यामः

हस् धातु (हँसना)

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	....	....	....
मध्यम पुरुष	....	....	....
उत्तम पुरुष	....	....	....

पिब् धातु (पीना)

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	....	....	....
मध्यम पुरुष	....	....	....
उत्तम पुरुष	....	....	....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

कक्षा–8

द्वितीयः पाठः बाल–प्रतिज्ञा

कार्यपत्रक–03

रेखांकित शब्दों में तृतीया विभक्ति का प्रयोग करके वाक्य बनाइए –

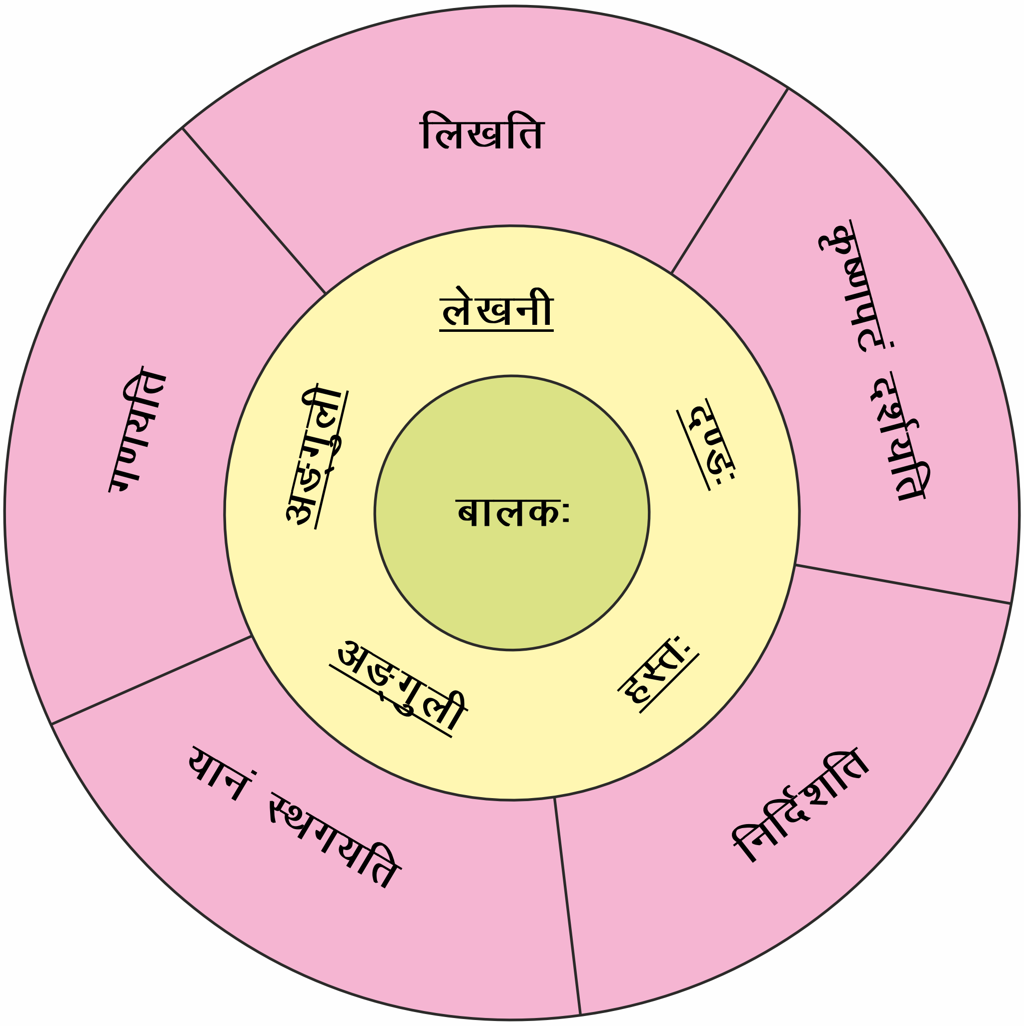

उदाहरण – 1. बालकः लेखन्या लिखति ।

2. ....

3. ....

4. ....

5. ....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

द्वितीयः पाठः
बाल–प्रतिज्ञा

उदाहरण के अनुसार वाक्यों की रचना कीजिए–

करोति

1. अध्यापनं
2. जपः
3. उपहासः
4. वादः
5. सत्कारः
6. धावनः
7. अनुरोधः
8. त्यागः
9. परिष्कारः
10. शासनः

उदाहरण–

1. अध्यापकः अध्यापनं करोति।
2. मुनिः .... ।
3. दुष्टः .... ।
4. पण्डितः .... ।
5. गृहिणी .... ।
6. धावकः .... ।
7. धनिकः .... ।
8. सज्जनः .... ।
9. शिक्षिका .... ।
10. नृपः .... ।

''बाबू! बाबू! यहाँ आओ बेटा, संभल कर।'' माँ ने बड़े प्यार से बाबू को पुकारा। बाबू छह साल का छोटा बच्चा है लेकिन वह अंधा है। बाबू की बहन बिन्नी उसी समय वहाँ आ गयी वह बाबू से चार साल बड़ी है और पूरे दस साल की है, बाबू को अच्छे से संभालकर हर जगह घुमाती है।

बिन्नी ने एक दिन पिताजी से पूछा–
''पिताजी! बाबू की आँखें क्या कभी ठीक नहीं हो सकती हैं?''
(बिन्नी के पापा डॉक्टर हैं।)
पिताजी– हो सकती हैं।
बिन्नी– कैसे ?
पिताजी– यदि कोई अपनी आँखें दान कर दे।
बिन्नी– फिर वह व्यक्ति कैसे देखेगा?
पिताजी– बेटा, आँखें मरने के बाद दान की जाती है।
बिन्नी– क्यों? व्यक्ति के साथ उसकी आँखें नहीं मरतीं?
पिताजी– नहीं! मरने के बाद व्यक्ति की आँखें जीवित रहती हैं। मृत्यु के बाद चिकित्सक उस व्यक्ति की आँखें निकालते हैं जो व्यक्ति मरने से पहले अपनी आँखें दान करने की घोषणा लिखित रूप में किया रहता है।

उपर्युक्त संवाद को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

01. बाबू को बिन्नी क्यों संभालती है?

....

....

02. आपके आस–पास कोई अंधा व्यक्ति हो तो आप उसकी मदद कैसे करेंगे?

....

....

03. आँखें दान करने का क्या नियम है ?

....

....

कक्षा–8

तृतीयः पाठः
महादानम्

कार्यपत्रक–02

प्राचीनकाले कदाचित् देवानां, दानवानां च भयंङ्करं संग्रामभूत। संघर्षे देवनायकः इन्द्रः पराजितः। पराजिताः देवाः भगवन्तं विष्णुम् उपगम्य स्वरक्षायै प्रार्थनम् अकुर्वन्। भगवान् विष्णुः उवाच–भो देवाः! इदानीं महर्षिः दधीचिः ऋषीणां शिरोमणिः वर्तते। तस्य देहस्य अस्थिभिः यदि वज्रस्य निर्माणं भवेत्, तर्हि तेन वज्रेण वृत्रासुरस्य वधः सम्भवमस्ति।

संस्कृत में उत्तर दीजिए–

1. पराजिताः देवाः कुत्र अगच्छन्?

   ....

2. वृत्रासुरस्य वधः कथं सम्भवम्?

   ....

3. वज्रम् केन निर्मितम्?

   ....

अयादि संधि – अयादि संधि स्वर संधि के अन्तर्गत आती है। जब ए, ओ, ऐ, औ के बाद कोई दूसरा स्वर हो तो ए के स्थान पर अय्, ओ के स्थान पर अव्, ऐ के स्थान पर आय् तथा औ के स्थान पर आव् हो जाता है–
जैसे – नौ + इकः = नाविकः

नीचे दिए गए संधि विच्छेदों एवं संधियों का सही मिलान कीजिए–

संधि–विच्छेद	संधि
ने +अनम् =	पावकः
भो+ अनः =	गायकः
पो + इत्रः =	भवनः
गै+ अकः =	नयनम्
पौ+ अकः =	पवित्रः

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

कक्षा–8

तृतीयः पाठः
महादानम्

कार्यपत्रक–03

निम्नलिखित संधि–विच्छेद से संधि कीजिए–

सन्धि–विच्छेद	सन्धि
(क) पो + अनः =	....
(ख) नै + अकः =	....
(ग) चे + अनम् =	....
(घ) भौ + उकः =	....
(च) गै + अकः =	....
(छ) विधै + अकः =	....
(ज) भौ + अयति =	....
(झ) शे + अनम् =	....

'दानवीर कर्ण' की कथा अपने शब्दों में लिखिए–

....

....

....

....

....

....

चतुर्थः पाठः
विभक्तीनां प्रयोगाः

विभक्ति परिचय– विभक्ति का शाब्दिक अर्थ है– 'विभक्त होने की क्रिया या विभाग'। व्याकरण में शब्द (संज्ञा, सर्वनाम तथा विशेषण) के आगे लगा हुआ प्रत्यय या चिह्न विभक्ति कहलाता है ।

विभक्तियाँ सात होती हैं –

प्रथमा, द्वितीया, तृतीया, चतुर्थी, पंचमी, षष्ठी, सप्तमी ।

क्रमानुसार विभक्ति, कारक एवं कारक–चिह्न लिखते हुए उनका एक–एक उदाहरण भी दीजिए –

यथा –	विभक्ति	कारक	चिह्न	उदाहरण
	प्रथमा	कर्त्ता	ने	रामः (राम ने)
	....	....	....	....
	....	....	....	....
	....	....	....	....
	....	....	....	....
	....	....	....	....
	....	....	....	....

कक्षा–8

चतुर्थः पाठः
विभक्तीनां प्रयोगाः

कार्यपत्रक–02

सही मिलान कीजिए–

परिश्रमेण	षष्ठी
नीचात्	चतुर्थी
हस्तस्य	सप्तमी
उत्सवे	पंचमी
परोपकाराय	तृतीया

'बालक' का शब्द रूप लिखिए–

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथमा	....	....	....
द्वितीया	....	....	....
तृतीया	....	....	....
चतुर्थी	....	....	....
पंचमी	....	....	....
षष्ठी	....	....	....
सप्तमी	....	....	....
सम्बोधन	....	....	....

भावार्थ लिखिए–

"हस्तस्य भूषणं दानं सत्यं कण्ठस्य भूषणम्।
श्रोत्रस्य भूषणं शास्त्रं भूषणैः किं प्रयोजनम्।।"

भावार्थ –

....

....

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

नीचे दिए गए धातु–रूप को उदाहरण के अनुसार पूरा कीजिए–

लोट् लकार (आज्ञार्थक)

उदाहरण–

पठ् धातु (पढ़ना)

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	पठतु	पठताम्	पठन्तु
मध्यम पुरुष	पठ	पठतम्	पठत
उत्तम पुरुष	पठानि	पठाव	पठाम

हस् धातु (हँसना)

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	....	....	....
मध्यम पुरुष	....	....	....
उत्तम पुरुष	....	....	....

पिब् धातु (पीना)

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	....	....	....
मध्यम पुरुष	....	....	....
उत्तम पुरुष	....	....	....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

कक्षा–8

पंचमः पाठः
सहसा विदधीत न क्रियाम्

कार्यपत्रक–01

कश्चन् .... आसीत्। सः मृगयार्थं.............. गतवान्। बहु कालान्तरं सः एकं.................. दृष्टवान्। सः लक्ष्यीकृत्य .... कृतवान्। वाराहः कोपेन......................... उपरि............ कृतवान्। तेन.................... हतः।

उपर्युक्त कहानी को नीचे दिए गए पुष्प से शब्द चुनकर पूर्ण कीजिए–

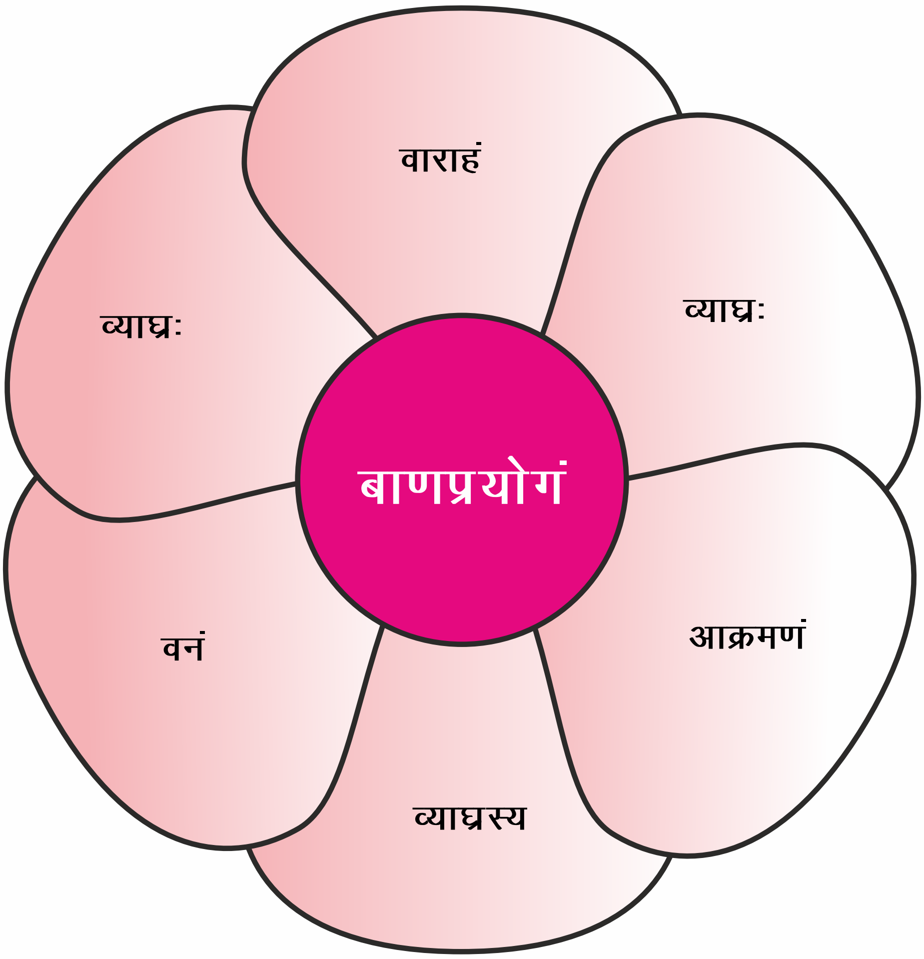

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

कक्षा–8

पंचमः पाठः
सहसा विदधीत न क्रियाम्

कार्यपत्रक–02

निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

1. संतोष उत्तम सुख है।
   ....
2. पेड़ से फल गिरते हैं।
   ....
3. यह राम की किताब है।
   ....
4. प्रयाग में गंगा–यमुना का संगम है।
   ....
5. हम सब भारत के नागरिक हैं।
   ....

निम्नलिखित संस्कृत वाक्यों का हिन्दी में अनुवाद कीजिए–

1. विद्याधनं सर्वधनं प्रधानम्।
   ....
2. वयं नित्यं भ्रमेम।
   ....
3. कर्म कृत्वा एव फलं प्राप्नोति।
   ....
4. सत्यं मधुरं च वद।
   ....
5. अहं वाराणसीं गमिष्यामि।
   ....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

पंचमः पाठः
सहसा विदधीत न क्रियाम्

निम्न उपसर्गों से शब्द बनाकर वाक्य–प्रयोग कीजिए–

परि
1. परिश्रमेण .... सः परिश्रमेण विद्याम् अर्जितवान्
2. ....
3. ....

प्र
1. प्रहारः ....
2. ....
3. ....

निस्
1. निस्तेजः ....
2. ....
3. ....

निर्
1. निर्धनः ....
2. ....
3. ....

'किरातार्जुनीयम्' महाकाव्य के रचयिता का नाम लिखिए–

....

पंचमः पाठः
सहसा विदधीत न क्रियाम्

कर्त्ता अपनी क्रिया के द्वारा जिससे अलग होता है वहाँ पंचमी विभक्ति का प्रयोग होता है। जैसे– वृक्षात् पत्राणि पतन्ति।

कोष्ठक में दिए गए शब्दों में विभक्ति लगाकर रिक्त स्थान भरिए–

1. रमेशः .... आयाति। (ग्रामः)
2. प्रवरः .... विभेति। (सर्पः)
3. अयं .... त्रायते। (चौरः)
4. गंगा .... प्रभवति। (हिमालयः)
5. .... क्रोधः जायते। (कामः)
6. माता .... गुरुतरा अस्ति। (भूमिः)

'किरातार्जुनीयम्' महाकाव्य में कौन–सी कहानी वर्णित है, संक्षेप में लिखिए–

निम्नलिखित शब्दों के दो–दो समानार्थी शब्द संस्कृत में लिखिए–

तरुः ____________ ____________

कमलं ____________ ____________

सलिलं ____________ ____________

खगः ____________ ____________

गगनम् ____________ ____________

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

कक्षा–8

षष्ठः पाठः
प्रभात–सौन्दर्यम्

कार्यपत्रक–02

व्यंजन सन्धि – किसी भी व्यंजन के बाद स्वर या व्यंजन के आने पर जो परिवर्तन होता है, उसे व्यंजन सन्धि कहते हैं।
जैसे– जगत् + ईश = जगदीश, उत् + मत्त = उन्मत्त

नीचे लिखे शब्दों की सन्धि कीजिए–

यथा –

1.	सत्	+	धर्म	=	सद्धर्म
2.	वाक्	+	ईश	=	
3.	उत्	+	चारण	=	
4.	तत्	+	लीन	=	
5.	सम्	+	हार	=	

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

कक्षा–8

षष्ठः पाठः
प्रभात–सौन्दर्यम्

कार्यपत्रक–03

नीचे बने मंजूषा में दिए गए शब्दों का संधि–विच्छेद कीजिए–

शब्द	=		+	
परिणाम	=		+	
संस्कृत	=		+	
सम्मान	=		+	
समुचित	=		+	
सच्चरित्र	=		+	
उल्लास	=		+	

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

कक्षा–8

षष्ठः पाठः
प्रभात–सौन्दर्यम्

कार्यपत्रक–04

उपर्युक्त चित्र से संबंधित पाँच पंक्तियाँ संस्कृत में लिखिए–

....

....

....

....

....

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

विसर्ग संधि–
विसर्ग के साथ स्वर या व्यंजन के मेल से जो विकार उत्पन्न होता है, उसे विसर्ग संधि कहते हैं।

जैसे– मनः + रथ = मनोरथ
निः + पाप = निष्पाप
प्रातः + काल = प्रातःकाल

नीचे लिखे गए शब्दों से संधि कीजिए–

सन्धि विच्छेद	सन्धि
मनः + भाव =	....
यशः + धरा =	....
निः + कपट =	....
अन्तः + करण =	....
प्रथमः + अध्याय =	....
निः + छल =	....

उदाहरणानुसार प्रथमा–विभक्ति के रूप लिखिए–

	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
1.	अजा	अजे	अजाः
2.	लता	....	....
3.	माला	....	....
4.	मक्षिका	....	....
5.	पिपीलिका	....	....
6.	छात्रा	....	....
7.	पेटिका	....	....
8.	पत्रिका	....	....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

कक्षा—8

सप्तमः पाठः
आदर्शपरिवारः

कार्यपत्रक—03

नीचे दिए गए पुंल्लिङ्ग शब्दों का स्त्रीलिंङ्ग शब्दों से मिलान कीजिए—

गायकः	अजा
शिक्षकः	कोकिला
वृद्धः	सेविका
अजः	गायिका
कोकिलः	बालिका
नायकः	शिक्षिका
बालकः	नायिका
सेवकः	वृद्धा

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

कक्षा–8

सप्तमः पाठः
आदर्शपरिवारः

कार्यपत्रक–04

आपके परिवार में कितने सदस्य हैं? अपने परिवार के विषय में दस वाक्य लिखिए–

....

1. ....
2. ....
3. ....
4. ....
5. ....
6. ....
7. ....
8. ....
9. ....
10. ....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

कक्षा–8

सप्तमः पाठः
आदर्शपरिवारः

कार्यपत्रक–05

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर खाली स्थान भरिए–

1. 'बालिका' इति पदं.............अस्ति। (पुंल्लिङ्ग/स्त्रीलिङ्ग)

2. 'रामः' इति पदं...............अस्ति। (पुंल्लिङ्ग/स्त्रीलिङ्ग)

3. 'कमला' इति पदं.........................अस्ति। (पुंल्लिङ्ग/स्त्रीलिङ्ग)

4. 'वृक्षानि' इति पदं......................अस्ति। (नपुंसकलिङ्ग/स्त्रीलिङ्ग)

5. 'पिता' इति पदं.....................अस्ति। (पुंल्लिङ्ग/स्त्रीलिङ्ग)

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

अष्टमः पाठः
कुम्भमेला

राम ने रावण का वध किया। इसको बुराई पर अच्छाई की जीत मानते हुए प्रतीक रूप में एक विशेष दिन आज भी हम रावण का पुतला जलाते हैं। इस दिन एक मेला भी लगता है।

उपर्युक्त अनुच्छेद को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. उस विशेष दिन को हम क्या कहते हैं, जिस दिन रावण का पुतला जलाया जाता है?

....

....

....

2. इस दिन लगने वाले मेले का वर्णन संस्कृत में लिखिए।

....

....

....

कक्षा–8

अष्टमः पाठः
कुम्भमेला

कार्यपत्रक–02

कुम्भमेला भारत के चार स्थानों पर आयोजित होता है। ये भारत के किस दिशा में स्थित हैं तथा यहाँ की प्रसिद्ध वस्तुओं के बारे में लिखिए–

हरिद्वार

....
....
....
....

प्रयाग

....
....
....
....

नासिक

....
....
....
....

उज्जैन

....
....
....
....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

कक्षा–8

अष्टमः पाठः
कुम्भमेला

कार्यपत्रक–03

समुद्र–मंथन से चौदह प्रकार के रत्न निकले, उन रत्नों के सामने आप यह लिखिए कि कौन–सा रत्न किसके पास है –

रत्न	जिसके पास है।
1. रम्भा	....
2. विष	....
3. वारुणी (मदिरा)	....
4. शंख	....
5. कामधेनु	....
6. श्री (लक्ष्मी)	....
7. ऐरावत (हाथी)	....
8. कल्पवृक्ष	....
9. कौस्तुभ मणि	....
10. धनुष	....
11. चन्द्रमा	....
12. धनवन्तरि	....
13. अमृत	....
14. उच्चैःश्रवा (घोड़ा)	....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

कक्षा–8

नवमः पाठः
व्यवसायेषु संस्कृतम्

कार्यपत्रक–01

भारतीय –विद्यायां नराणामिव गजाश्वादिपशूनां वृक्षादिनामपि रोगशमनाय विचारः वर्णितः अस्ति। धन्वन्तरिः अश्विनौ, आत्रेयः, चरकः, सुश्रुतः, त्र्यम्बकशास्त्री, सत्यनारायण शास्त्री अन्ये च चिकित्सकाः श्रेष्ठाः आसन्।

इन दो चिकित्सकों के विषय में 2–2 वाक्य संस्कृत में लिखिए–

चरक :

....

....

....

सुश्रुतः

....

....

....

'व्यवसाय में संस्कृत का प्रयोग' इस विषय पर संस्कृत में 5 वाक्य लिखिए–

....

....

....

....

....

....

....

दिनांक : ....

शिक्षक हस्ताक्षर ....

कक्षा–8

नवमः पाठः
व्यवसायेषु संस्कृतम्

कार्यपत्रक–02

वेदों में ग्रह–नक्षत्र के ज्ञान का अध्ययन करने वाले को गणक (गणना करने वाला) कहते हैं। प्रायः हिंदू लोग अपने संस्कार इन्हीं गणनाओं के आधार पर करते हैं। ग्रह, नक्षत्रों की गणना के आधार पर भारत में कुछ वेधशालाएँ बनाई गई हैं।

आप उन वेधशालाओं के बारे में पता कीजिए कि वह भारत में कहाँ–कहाँ पर स्थित हैं और उनका निर्माण किस सन् में किसने कराया है?

....

....

....

....

....

....

निमन्त्रण, आदेश, आज्ञा के लिए लोट् लकार का प्रयोग किया जाता है। इस लकार से संबंधित हिन्दी वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

1. वह पढ़े।

....

2. तुम जाओ।

....

3. हम सब जाएं?

....

4. तुम दोनों खेलो।

....

5. तुम प्रश्न पूछो।

....

दिनांक : .... शिक्षक हस्ताक्षर ....

राष्ट्र-गान

जन-गण-मन-अधिनायक जय हे।
भारत-भाग्य-विधाता।।
पंजाब-सिंध-गुजरात-मराठा
द्राविड़-उत्कल-बंग।
विन्ध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा,
उच्छल-जलधि-तरंग।।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे।।
गाहे तव जय गाथा।।
जन-गण-मंगलदायक जय हे,
भारत-भाग्य विधाता।।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय, जय हे।।

सत्र 2023–2024

आवरण पृष्ठ की विशिष्टियाँ–

आवरण पृष्ठ के कागज का विशिष्टिकरण : प्रयुक्त कागज वर्जिन पल्पयुक्त 175 जी0एस0एम0 का आर्ट पेपर का प्रयोग किया गया है। जिसमें कागज का बर्स्ट इण्डेक्स–न्यूनतम 0.9,वैक्स पिक्स–नो पिक्स ऑन 5ए, ग्लास परसेंट–न्यूनतम 55, ब्राइटनेस न्यूनतम 72 प्रतिशत और सरफेस पी0एच0 5.5 से 8.0 है। कागज की अन्य विशिष्टियों बी0आई0एस0 कोड आई0एस0–4658–1988 के अनुसार है, एवं कागज 53.34 सेमी0X78.74 सेमी है। आवरण पृष्ठ का बाहरी भाग चार रंगों तथा अन्दर का भाग एक रंग में मुद्रित है।

उ० प्र० बेसिक शिक्षा परिषद्

निःशुल्क वितरण हेतु